फोनः-4103333, 2362400 फैक्सः-0141-2373513 वर्षः 75 संख्याः 288 प्रभात जयपुर, बुधवार 21 मई, 2025 डाक पं.सं. जयपुर सिटी/001/2021-23 पृष्ठ 8 मूल्य 2.75 रु.

ARBIT

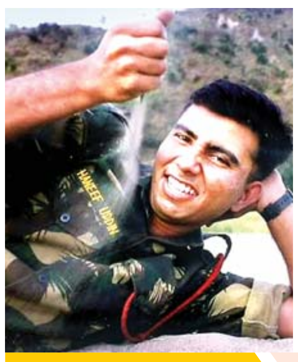

जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

epaper.rashtradoot.com

राष्ट्रदूत

Metro

Rashtradoot

Kargil In Retrospect Due to incessant enemy fire, it was only forty-three days later, that the frozen bodies, one of them Captain Haneef Uddin, were extricated

Celebrating India's Timeless Love Affair with Tea

Yutori: Japan's Secret to a Calmer, Happier Life

नीतीश कुमार के दो पुराने व विश्वसनीय चेलों, प्रशांत किशोर व आर.सी.पी. सिंह ने हाथ मिलाया

दोनों चेलों ने नीतीश कुमार के ई.बी.सी. वोट बैंक (मुख्य रूप से कुर्मी वोट बैंक) में सेंध लगाने का लक्ष्य लेकर ही हाथ मिलाया है

- श्रीनन्द झा -
- राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो -

नई दिल्ली, 20 मई। राजनीति में कोई स्थाई दोस्त या दुश्मन नहीं होता। प्रशान्त किशोर तथा राम चन्द्र प्रसाद सिंह (आर सी पी सिंह), जो पहले कटु प्रतिद्वन्द्वी थे, ने अपने मतभेद समाप्त कर दिये हैं तथा जे डी यू नेता एवं बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के "इकॉनॉमिकली बैकवर्ड क्लास (ई बी सी) वोट बैंक (खासतौर से कुर्मी वोट बैंक) को तोड़ने के विचार ने उन्हें एक कर दिया है।

- दोनों चेले, इस नये गठबंधन के सहारे बिहार में भाजपा के नेतृत्व वाले एन.डी.ए. व आर.जे.डी. के नेतृत्व वाले महागठबन्धन के बाद तीसरा स्तम्भ बनना चाहते हैं, बिहार की राजनीति में।
- यह घटनाक्रम नीतीश कुमार के लिए खतरे की घंटी है, क्योंकि दोनों चेले, किसी जमाने में नीतीश कुमार के सबसे मजबूत साथी थे, जिन्होंने चार बार नीतीश का ई.बी.सी. वोट बैंक गढ़ा था, और नीतीश की "सुशासन" की छवि बनाने में कामयाबी हासिल की थी।
- प्रशांत किशोर उस जमाने में जे.डी.यू. के उपाध्यक्ष थे, तथा उनके जे.डी.यू. छोड़ने का एक बड़ा कारण आर.सी.पी. सिंह थे।
- आर.सी.पी. सिंह व प्रशांत किशोर के बीच इतनी राजनीतिक प्रतिस्पर्धा थी, कि आर.सी.पी. सिंह ने प्रशांत किशोर पर तीखी टिप्पणी की थी कि, प्रशांत एक ऐसे राजनीतिज्ञ हैं, जिन्होंने बिहार के लिए कुछ नहीं किया।

लगभग पांच माह बाद बिहार में विधानसभा चुनाव होने हैं। इस पृष्ठभूमि में, उनका एक होना यह प्रदर्शित करता है कि वे राज्य की राजनीति में भाजपा के नेतृत्व वाले एनडीए तथा आर जे डी के नेतृत्व वाले महागठबंधन के विरूद्ध तीसरे विकल्प के रूप में उभरना चाहते हैं। इस घटनाक्रम, अर्थात इस नज़दीकी को नीतीश कुमार के लिए चेतावनी की घंटी के रूप में लिया जाना चाहिए, क्योंकि आर सी पी और किशोर उनके निकटतम सहयोगी एवं सहायक रहे हैं तथा उन्होंने जे डी यू के लिए ई बी सी वोट बैंक बनाने में बहुत मदद की है। यही नहीं, इन दोनों ने नीतीश कुमार की "सुशासन" व्यक्ति की छवि भी बनाई है। आर सी पी मुख्यमंत्री कुमार की तरह "कुर्मी" ही हैं तथा दोनों ही नालन्दा से है। एक समय, आर सी पी, जे डी यू में सर्वाधिक शक्तिशाली नेता माने जाते थे और, कुछ समय तक पार्टी अध्यक्ष भी रहे हैं, फिर उनके नीतीश से मतभेद हो गए। इसी प्रकार, प्रशान्त किशोर एक समय जे डी यू के उपाध्यक्ष थे तथा उनके जे डी यू को छोड़ने का एक कारण आर सी पी के साथ उनकी प्रचंड प्रतिद्वन्द्विता भी बताई जाती है। उस समय आर सी पी ने किशोर का अपमान करते हुए, उन्हें एक ऐसा व्यक्ति बताया था, "जिसका बिहार के लिए कोई योगदान नहीं है।"

पर रविवार के दिन, उनकी सारी पुरानी शत्रुता और प्रतिद्वन्द्विता पीछे छूट गई तथा सिंह ने घोषणा की कि वे किशोर की "जन सुराज पार्टी (जे एस पी) में अपनी अल्पज्ञात पार्टी "आप सबकी आवाज" का विलय कर रहे हैं।

पर्यवेक्षकों का कहना है, "आर सी पी के जे एस पी में आने से कुर्मी मतदाताओं में जे एस पी की संभावनाएं तो काफी बढ़ ही जायेंगी, इसके साथ ही, ऐसे समय पर, जब किशोर सारे समुदायों को मिलाकर एक सामाजिक संयोजन की स्थिति लाने की कोशिश कर रहे हैं, आर सी पी की संगठनात्मक क्षमताओं से उन्हें

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

हाईकोर्ट ने परकोटे के 19 भवनों की पालना रिपोर्ट मांगी

जयपुर, 20 मई। राजस्थान हाईकोर्ट ने शहर की चारदीवारी के आवासीय इलाके में व्यावसायिक गतिविधियों के चलते अवैध तौर पर चिन्हित किए 19 भवनों के मामले में राज्य सरकार को 25 फरवरी के आदेश की पालना के लिए 7 जुलाई तक का समय दिया है। जस्टिस इन्द्रजीत सिंह व आनंद शर्मा की खंडपीठ ने ये आदेश मामले में लिए गए स्वप्रेरित प्रसंज्ञान में भवन मालिकों की ओर से दिए प्रार्थना पत्र पर सुनवाई करते हुए दिए।

सुनवाई के दौरान, राज्य सरकार के एएजी जीएस गिल ने कहा कि 19 भवन

- जयपुर की चारदीवारी के आवासीय इलाके में व्यावसायिक गतिविधियों के लिए चिन्हित 19 भवनों के मामले में 25 फरवरी को आदेश दिया था।

मालिकों में से अभी 10 का ही पक्ष सुन पाए हैं और 9 भवन मालिकों का पक्ष जानना बाकी है। इसलिए अदालत राज्य सरकार को तीन महीने का समय दे। इसका विरोध करते हुए न्याय मित्र शोभित तिवाड़ी ने कहा कि पालना रिपोर्ट के लिए तीन महीने का समय ज्यादा है। इस दौरान मामले से जुड़े सीनियर एडवोकेट विमल चौधरी ने कहा कि प्रभावितों ने अदालत से तथ्य छिपाए हैं और सुप्रीम कोर्ट में उनकी

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'ऑपरेशन सिन्दूर की जानकारियां विदेशी सरकार से साझा की जा रही हैं पर संसद में नहीं'

सी.पी.आई. के नेता डी. राजा ने कहा कि, भारत सरकार की ऑपरेशन सिन्दूर के बारे में सांसदों की यह अवहेलना हमें स्वीकार नहीं है

-डॉ. सतीश मिश्रा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 20 मई। भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (सीपीआई) के महासचिव डी. राजा ने आज एक महत्वपूर्ण बयान में कहा कि ऑपरेशन सिंदूर के मामले में विदेशी सरकारों को जानकारी दी जा रही है, जबकि भारतीय जनता "अंधेरे में रखी गई है", यह कदापि स्वीकार्य नहीं है।

- डी. राजा ने यह भी कहा कि देश के राजनीतिक दल कई बार यह मांग कर चुके हैं कि संसद का विशेष सत्र आहूत कर सरकार ऑपरेशन सिन्दूर के बारे में जानकारी दे। सांसद सेना के इस "युद्ध" के बारे में अनुभवों को जानना चाहते हैं। भारत सरकार ये अनुभव विदेशी राष्ट्रों से शेयर करने को तो लालायित है, पर सांसदों को इस बारे में कुछ साझा क्यों नहीं करना चाहती है।

सीपीआई महासचिव ने कहा कि, हालाँकि विपक्ष "ऑपरेशन सिंदूर" पर संसद का विशेष सत्र बुलाने की मांग कर रहा है, पर, सरकार को जनता द्वारा चुनी गई संसद की कोई परवाह नहीं है। ऑपरेशन सिंदूर के बाद सरकार ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) के सदस्य देशों सहित प्रमुख देशों में बहुदलीय प्रतिनिधिमंडली भेजने का जो निर्णय लिया है, उसमें पारदर्शिता का अभाव है तथा अधिकांश को इससे बाहर रखा गया "अपारदर्शिता" और "बहिष्करण" से भरा है, उन्होंने कहा।

उन्होंने कहा कि राजनीतिक दलों से इस मुद्दे पर न तो कोई सलाह ली गई और न ही उन्हें जानकारी दी गई, और इन प्रतिनिधिमंडलों का क्या उद्देश्य है, इस पर भी "कोई स्पष्टता नहीं" है।

उन्होंने एक्स पर लिखा, "यह अस्वीकार्य है कि विदेशी सरकारों को जानकारी दी जाए जबकि भारत की अपनी संसद और जनता को अंधेरे में रखा जाए।"

कांग्रेस सहित कई विपक्षी दल "ऑपरेशन सिंदूर" पर संसद का विशेष सत्र बुलाने की मांग कर रहे हैं, यह ऑपरेशन पहलगाम हमले के बाद शुरू किया गया था।

ऑपरेशन सिंदूर पर एक पोस्ट को लेकर अशोका विश्वविद्यालय के एक प्रोफेसर की हालिया गिरफ्तारी का मुद्दा उठाते हुए, सीपीआई नेता ने इसे असहमति की आवाज को दबाने का प्रयास बताया।

राजा ने भारत और पाकिस्तान के बीच युद्धिवराम की शर्तों को लेकर बढ़ रहे भ्रम और अमेरिका के राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप की भूमिका पर भी सरकार से स्पष्टीकरण मांगा, "जिन्होंने गैरजिम्मेदाराना ढंग से परमाणु संघर्ष का संकेत दिया था।" उन्होंने कहा, "चौंकाने वाली बात यह है कि सरकार ने अभी तक उनके दावों का स्पष्ट रूप से खंडन या निंदा नहीं की है। यह संसद की एक समिति के सामने विदेश सचिव द्वारा दिए गए कथित बयान से एकदम उलट है, जिसमें कहा गया था कि दोनों पक्षों ने पारंपरिक युद्ध का इस्तेमाल किया था।"

अब नये फ्रैश वकील सीधे ही जुडीशिएरी सर्विस के इम्तिहान में नहीं बैठ पायेंगे

सुप्रीम कोर्ट ने एक आदेश पारित कर यह व्यवस्था बिठाई है, कि, अनिवार्य रूप से एक फ्रेश ग्रैजुएट को कम से कम तीन साल लॉ की प्रेक्टिस करने का अनुभव होना जरुरी होगा, "जुडीशिएरी" एन्ट्री लैवल की परीक्षा में बैठने से पहले

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 20 मई। सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को फैसला सुनाया कि न्यायिक सेवा में आवेदन करने वाले अभ्यर्थियों को कम से कम तीन साल की वकालत का अनुभव होना अनिवार्य होगा। इस निर्णय के बाद अब ताजा लॉ ग्रैजुएट सीधे न्यायिक सेवा की परीक्षा में शामिल नहीं हो सकेंगे।

यह फैसला न्यायिक सेवा में करियर की तैयारी कर रहे छात्रों पर व्यापक प्रभाव डालेगा। मुख्य न्यायाधीश बी. आर. गवई की अध्यक्षता वाली पीठ ने कहा कि भावी न्यायाधीशों के लिए व्यावहारिक अनुभव अत्यंत आवश्यक है। मुख्य न्यायाधीश ने यह भी टिप्पणी की कि लॉ ग्रैजुएट्स की सीधी नियुक्तियों से कई समस्याएं उत्पन्न हुई हैं, जिनकी ओर विभिन्न उच्च न्यायालयों ने ध्यान दिलाया है। उन्होंने कहा कि कोर्ट रूम में व्यावसायिक अभ्यास से मिलने वाला अनुभव न्यायिक प्रक्रिया की दक्षता और गुणवत्ता के लिए अत्यंत जरूरी है।

इस फैसले के अनुसार, सिविल जज (कनिष्ठ श्रेणी) पद की परीक्षा में शामिल होने के लिए अब न्यूनतम तीन वर्ष की वकालत आवश्यक होगी। यह निर्णय अखिल भारतीय न्यायाधीश संघ (ऑल इण्डिया जजेज़ एसोसिएशन) द्वारा दायर एक याचिका के जवाब में सुनाया गया। मुख्य न्यायाधीश ने कहा कि नए कानून स्नातकों की सीधी भर्ती से व्यावहारिक समस्याएं पैदा हुई हैं, जो कि विभिन्न उच्च न्यायालयों की रिपोर्टों में सामने आई हैं। कोर्ट ने यह भी स्पष्ट किया कि यह तीन साल की अवधि प्रोविज़नल एनरोलमेंट (अस्थायी पंजीकरण) की तारीख से गिनी जाएगी।

तथापि, यह नई शर्त उन भर्तियों पर लागू नहीं होगी, जो इस निर्णय की तारीख से पहले उच्च न्यायालयों द्वारा शुरू की जा चुकी हैं। यह नियम केवल भविष्य की भर्तियों पर लागू होगा।

यह फैसला मुख्य न्यायाधीश बी. आर. गवई, न्यायमूर्ति ए. जी. मसीह और न्यायमूर्ति के. विनोद चंद्रन की पीठ ने सुनाया। इस निर्णय में सीमित विभागीय प्रतियोगी परीक्षा (लिमिटेड डिपार्टमैंटल कॉम्पिटिटिव एग्ज़ामिनेशन) के अंतर्गत पदोन्नति को लेकर भी निर्देश शामिल हैं।

सिरसी रोड बायपास से झारखंड मोड़ तक अतिक्रमण कब हटेगा

जयपुर, 20 मई। राजस्थान हाईकोर्ट ने 200 फीट सिरसी रोड बाईपास से झारखंड मोड़ के बीच शेष बचे अतिक्रमणों को हटाने की जानकारी मांगी है। अदालत ने जेडीए से 23 मई तक बताने को कहा है कि शेष बचे दस फीसदी अतिक्रमणों को कब और कैसे हटाया जाएगा। इसके साथ ही, अदालत ने मामले में जेडीए से तथ्यात्मक रिपोर्ट पेश करने को कहा है। जस्टिस इन्द्रजीत सिंह व जस्टिस आनंद शर्मा की खंडपीठ ने यह आदेश विजय कुमार की

- हाईकोर्ट ने जेडीए से 23 मई तक बताने को कहा।

अवमानना याचिका पर दिया।

सुनवाई के दौरान, अदालत ने जेडीए के अधिवक्ता अमित कुडी से पूछा कि मामले में अब तक क्या कार्रवाई हुई है। इस पर जेडीए की ओर से कहा गया कि मौके से 90 फीसदी अतिक्रमणों को हटा दिया है। वहीं, 9 अप्रैल को कार्रवाई के दौरान जेडीए को अत्यधिक विरोध का सामना करना पड़ा था। ऐसे में कार्रवाई को आगे टालने का निर्णय लिया था। इस मामले में जेडीए

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

कांग्रेस ने "ऑपरेशन सिन्दूर" पर भाजपा सरकार को घेरने का पूरा प्रयास किया

-डॉ. सतीश मिश्रा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 20 मई - 'ऑपरेशन सिंदूर' से निपटने को लेकर मोदी सरकार आज तीव्र आलोचना के घेरे में आ गई, जब कांग्रेस नेता पवन खेड़ा ने केन्द्र पर नया हमला बोलते हुए, उसे भारत-पाकिस्तान तनाव के बीच लापरवाह रवैया और "भारी कूटनीतिक भूल" का दोषी ठहराया।

कांग्रेस के संचार और प्रचार विभाग के अध्यक्ष खेड़ा ने एक्स पर एक विस्तृत बयान पोस्ट कर कई तीखे सवाल उठाए और इस मुद्दे पर सभी दलों की बैठक तथा संसद का विशेष सत्र बुलाने की मांग की।

खेड़ा ने लिखा, "ऐसे समय में, जब पूरा देश शोक में डूबा है और हमारी सीमाओं पर गंभीर सुरक्षा तनाव है, सत्ताधारी भाजपा ने चौंकाने वाली अपरिपक्वता और लापरवाही दिखाई।"

खेड़ा ने आगे कहा, "हम एक जिम्मेदार विपक्ष के रूप में हमेशा अपनी सेना के साथ मजबूती से खड़े रहे हैं, लेकिन जब सरकार उन नागरिकों की ही सुरक्षा में असफल रहती है, जिनकी रक्षा की उसने शपथ ली है, तब हम चुप नहीं रह सकते।"

- कांग्रेस के अनुसार प्र.मंत्री ने गत ग्यारह साल में 151 विदेश यात्राएं कीं, 72 देश गये, जिनमें अमेरिका की दस यात्राएं भी शामिल हैं, पर आतंकवादी हमले के सन्दर्भ में भारत के पक्ष में खड़ा होने के लिए कोई देश तैयार नहीं हुआ।
- आई.एम.एफ. ने पाकिस्तान को 1.4 बिलियन डॉलर की सहायता का पैकेज देना स्वीकार किया, लेकिन, यह जानते हुए कि इस रकम का उपयोग पाकिस्तान आतंकवादियों को तैयार करने पर खर्च करेगा, भारत यह पैकेज नहीं रुकवा सका।
- बार-बार ट्रम्प दावा कर रहे हैं, कि उन्होंने मध्यस्थता कर भारत-पाक के बीच सीज़ फायर करवाई, पर भारत अनर्गल बयानबाजी का भी प्रभावी ढंग से जवाब नहीं दे पाया।
- इसी प्रकार, विदेश मंत्री की यह स्वीकारोक्ति, कि उन्होंने पाकिस्तान पर हवाई बमबारी करने से पहले पाकिस्तान को पूर्व सूचना दी, एक बहुत गैर जिम्मेदाराना हरकत थी।

खेड़ा द्वारा उठाए गए प्रमुख सवालों में शामिल थे: ऑपरेशन से पहले पाकिस्तान को जानकारी क्यों दी गई, जबकि भारत के संवेदनशील क्षेत्रों जैसे पूंछ में नागरिकों को कोई सूचना नहीं दी गई? क्या इस चेतावनी ने मसूद अजहर और हाफिज सईद जैसे आतंकियों को भागने में मदद की? कितने आतंकी भागे और इससे भारत की राष्ट्रीय सुरक्षा को कितना नुकसान हुआ?

कांग्रेस, सरकार द्वारा ऑपरेशन सिंदूर के बाद अचानक युद्धिवराम की घोषणा के बाद से ही लगातार इस मुद्दे पर हमलावर है। यह सैन्य कार्रवाई 22 अप्रैल को पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले के जवाब में शुरू की गई थी, जिसमें 26 नागरिक मारे गए थे

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने भी खेड़ा के सवालों को दोहराते हुए एक्स पर लिखा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की लगातार विदेश यात्राओं के बावजूद, भारत अंतरराष्ट्रीय मंच पर अलग-थलग पड़ा है।

उन्होंने कहा, "पिछले 11 वर्षों में प्रधानमंत्री मोदी ने 151 विदेशी दौरे किए और वे 72 देशों में गए, जिनमें अमेरिका की 10 यात्राएँ शामिल हैं। फिर भी जब भारत को पाकिस्तान की सीमा-पार आतंकवाद में भूमिका उजागर करने के लिए वैश्विक समर्थन की आवश्यकता थी, तब कोई भी देश हमारे साथ खड़ा नहीं हुआ।"

उन्होंने पाकिस्तान को दिए गए 1.4 अरब डॉलर के राहत पैकेज को भारतीय

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

अटारी बॉर्डर पर12 दिन बाद रिट्रीट सैरमनी

अमृतसर, 20 मई। पहलगाम हमले का बदला लेने के लिए भारत की तरफ से ऑपरेशन सिंदूर चलाया गया। ऑपरेशन सिंदूर से बौखलाए पाकिस्तान ने भारत के साथ युद्ध जैसे हालात पैदा किए। दोनों देशों के बीच तनाव के चलते अमृतसर के अटारी-वाघा बॉर्डर पर रिट्रीट सेरेमनी बंद कर दी गई थी। अब हालात सामान्य होने पर मंगलवार को अटारी बॉर्डर पर रिट्रीट सेरेमनी एक बार फिर से शुरू कर दी गई। हालांकि पहले दिन रिट्रीट देखने जाने वाले लोगों की

- हालांकि दोनों ओर के गेट नहीं खोले गये, पर भारत की तरफ बड़ी संख्या में पर्यटक मौजूद थे, जिन्होंने भारत माता की जय के नारे लगाए।

संख्या एक हजार से 1500 के बीच रही।

अटारी बॉर्डर पर पहुंचे सैलानियों की ओर से वंदे मातरम और भारत माता की जय के नारे लगाए गए। वहीं सेरेमनी के दौरान बीएसएफ की ओर से गेट पूरी तरह से बंद रखे गए। रिट्रीट सेरेमनी के दौरान सैलानियों ने बीएसएफ जवानों का हौसला बढ़ाया। ऑपरेशन सिंदूर के बाद सात मई से रिट्रीट सेरेमनी बंद कर दी गई थी। रिट्रीट सेरेमनी शुरू हो जाने पर जहां

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

सुप्रीम कोर्ट ने मध्यप्रदेश के मंत्री के खिलाफ "एस.आई.टी." गठित करवाई

मंत्री ने सेना अधिकारी सोफिया कुरैशी के खिलाफ बड़ी भद्दी टिप्पणी की थी

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 20 मई। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को मध्य प्रदेश के कैबिनेट मंत्री कुँवर विजय शाह द्वारा कर्नल सोफिया कुरैशी, जिन्होंने हाल ही में ऑपरेशन सिंदूर के बारे में मीडिया को ब्रीफ किया था, के खिलाफ की गई "घिनौनी, असभ्य और शर्मनाक" टिप्पणी को लेकर कड़ी आपत्ति जताई और मंत्री के खिलाफ दर्ज एफआईआर की जाँच के लिये स्पेशल इन्वैस्टिगेशन टीम (एसआईटी) गठित करने का आदेश दिया।

न्यायमूर्ति सूर्यकांत और न्यायमूर्ति एन कोटिश्वर सिंह की बैंच ने टिप्पणी करते हुए कहा, "देश आप पर शर्मसार है", और मध्य प्रदेश के पुलिस महानिदेशक को 20 मई तक एसआईटी गठित करने का निर्देश दिया। इस टीम में राज्य कैडर के तीन वरिष्ठ आईपीएस अधिकारी शामिल होंगे, लेकिन कोई भी अधिकारी मध्यप्रदेश का मूल निवासी नहीं होगा। साथ ही, टीम में कम से कम एक महिला अधिकारी अनिवार्य रूप से होनी चाहिए और टीम का नेतृत्व कम से कम इंस्पेक्टर जनरल या डीजीपी रैंक के अधिकारी को करना होगा।

कोर्ट ने यह भी कहा कि यह एक "अग्निपरीक्षा" है और "हम चाहते हैं कि राज्य इस एसआईटी की रिपोर्ट हमें सौंपे। हम इस मामले पर कड़ी नज़र रखेंगे।"

हालाँकि कोर्ट ने फिलहाल शाह की गिरफ्तारी पर रोक लगा दी है, लेकिन यह भी स्पष्ट किया कि उन्हें जांच में सहयोग देना होगा। सुप्रीम कोर्ट ने हालांकि स्पष्ट किया कि वह जांच की निगरानी नहीं करेगा, लेकिन जांच की प्रगति पर करीबी नज़र रखेगा और एसआईटी को 28 मई तक स्टेटस रिपोर्ट दाखिल करने का आदेश दिया

- कर्नल सोफिया कुरैशी ने बड़ी सौम्यता व गम्भीरता से ऑपरेशन सिन्दूर के बारे में सेना की ओर से ब्रीफिंग की।
- सुप्रीम कोर्ट ने मंत्री पर बहुत सख्त टिप्पणी की ओर कहा, मंत्री ने घटना पर जो टिप्पणी की उसमें "सच्चाई" तक नहीं थी और मंत्री द्वारा खेद व्यक्त करना केवल एक औपचारिकता ही थी।
- कोर्ट के आदेश से अब तीन सदस्यीय एस.आई.टी. गठित होगी। जिसमें तीन वरिष्ठ पुलिस अधिकारी तथा कम से कम एक महिला पुलिस अधिकारी भी शामिल होगी तथा एस.आई.टी. का नेतृत्व एक आई.जी. व डी.जी.पी. रैंक का पुलिस अधिकारी करेगा।

शाह की सार्वजनिक माफी को "बनावटी" करार देकर को खारिज करते हुए न्यायमूर्ति सूर्यकांत ने तीखी टिप्पणी की:

"देश को आप पर शर्म आती है। आपको पश्चाताप करना चाहिए। यह किस तरह की माफी है? लोग कई बार माफी मांगते हैं, ताकि वे कानूनी जिम्मेदारी से बच सकें। कई बार मगरमच्छी आंसू भी बहाते हैं। मगर आपकी माफी में कोई सच्चाई नहीं है।"

बैंच ने कहा, किसने आपको गंभीर कोशिश करने से रोका है। "आपने कहा, "अगर किसी को ठेस पहुँची हो"... आप तो जिम्मेदारी लेने को भी तैयार नहीं हैं। हमें आपकी माफी की जरूरत नहीं है। हम जानते हैं कि कानून के अनुसार कैसे निपटना है।"

कोर्ट ने कहा कि एक अनुभवी राजनेता और सार्वजनिक पद पर होने के नाते शाह को अपने शब्दों का वजन समझना चाहिए था। "आपने असभ्य बातें कीं, बिना सोचे-समझे। जनता की भावनाओं को बुरी तरह आहत किया। अब आप पूरी तरह जनता के सामने बेनकाब हो गए हैं।"

इसके अलावा, कोर्ट ने राज्य पुलिस की निष्क्रियता और एफआईआर के शुरुआती कमज़ोर स्वरूप पर भी नाराज़गी जताई और कहा, "आपने क्या किया? जब हाई कोर्ट को खुद एफआईआर दोबारा लिखनी पड़ी, तो आपने अब तक क्या किया? क्या यह जांच की गई कि इसमें कोई संज्ञेय अपराध है? राज्य से अपेक्षा की जाती है कि वह निष्पक्ष कार्रवाई करेगा।" हाई कोर्ट ने अपनी जिम्मेवारी निभाई। उन्हें

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

अधीक्षण अभियंता का ऑफिस सील हो और वह बाहर बैठकर काम करें

जयपुर, 20 मई। राजस्थान हाईकोर्ट ने पीएचईडी की जनता जल योजना में कार्यरत रहे पंप चालकों को अदालती आदेश के बावजूद भी न्यूनतम वेतन नहीं देने पर कड़ा रुख अपनाया है।

- हाईकोर्ट ने सीकर डीजे को पी.एच. ई. डी. अधीक्षण अभियंता के बारे में निर्देश दिये।
- पंप चालकों के न्यूनतम वेतन के संबंध में अदालत ने 2020 में आदेश दिये थे, जिनकी आज तक पालना नहीं हुई।

अदालत ने कहा कि ऐसा लगता है कि अधीक्षक अभियंता, सीकर सर्किल ने अदालती आदेश की जानबूझकर

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

विचार बिन्दु

जो निर्बलों पर दया नहीं करता, उसे बलवानों के अत्याचार सहने पड़ेंगे। –शेख सादी

न्याय व्यवस्था की लेखा परीक्षा करती एक जरूरी रिपोर्ट

आम आदमी के जीवन से सरोकार रखने वाली बहसें लोकतंत्र को जीवंत बनाए रखती हैं। न्याय प्रणाली के बारे में ऐसी बहसें शीघ्र न्याय प्रदान करने के लिए समयबद्ध समाधान खोजने को भी प्रेरित करती हैं। न्यायिक संस्था में आम जन का विश्वास तभी बना रह सकता है जब न्याय में देरी न हो। ऐसा न हो कि कोई नौजवान न्याय के लिए अदालत का दरवाजा खटखटाए और अदालत का अंतिम फैसला आए तब तक वह बूढ़ा हो जाए। न्याय मिलने में अत्यधिक देरी के परिणामस्वरूप नागरिकों द्वारा कानून अपने हाथ में ले लेने की खबरें भी मिलती हैं। किसी भी अन्य संस्था की तरह न्याय प्रणाली को भी स्वतंत्र मूल्यांकन की आवश्यकता होती है। हाल ही में 'टाटा ट्रस्ट्स' के सहयोग से 'इंडिया जस्टिस रिपोर्ट 2025' जारी हुई है। न्याय प्रदान करने की प्रणाली का स्वतंत्र लेखा परीक्षण का कार्य कर रही सभ्य समाज की एक संस्था की यह रिपोर्ट है। इसमें न्याय व्यवस्था के सभी अंगों का समावेश है जैसे पुलिस और जेल प्रशासन व अभियोजन, क्योंकि ये सभी मिल कर न्याय प्रणाली बनाती हैं। यह रिपोर्ट एक कठोर मगर निर्विवाद सत्य को उजागर करती है कि हमारी न्याय प्रदान करने की प्रणाली अब भी अपने जनादेश को पूरा करने से बहुत दूर है। रिपोर्ट की प्रामाणिकता यह है कि अपने निष्कर्ष पर पहुंचने में वह पूरी तरह सरकार के ही आंकड़ों पर आधारित साक्ष्य पर निर्भर करती है। यह परीक्षण इस सर्वज्ञात वास्तविकता से फिर रूबरू कराता है कि संविधान में नागरिकों से किया गया कानून के जरिए समान न्याय का वादा अब भी पूरा होना बाकी है, वैसे ही जैसे सब बालकों को समान शिक्षा देने का वादा। रिपोर्ट में प्रस्तुत डेटा हमारी न्याय प्रणाली के प्रबंधन में रुचि रखने वालों के लिए यह बुनियादी सवाल उठाने का प्रयास करता है कि हम अपनी जड़ता के चक्र को कैसे तोड़ें तथा सुधार की राह पर कैसे आगे बढ़ने के लिए कदम बढ़ाएं। इस साल की रिपोर्ट हमें समस्या की पहचान करने को प्रेरित करती है। इसमें जो मूल थीसिस उभर कर आती है, वह सिस्टम में बैठे लोगों की आलोचना नहीं है। यह रिपोर्ट मानती है कि सिस्टम में बैठे लोगों को बहुत लंबे समय से स्वतंत्र रूप से कार्य करने की उनकी अंतर्निहित क्षमताओं से वंचित किया जाता रहा है। सिस्टम के भीतर सेवा देने वाले व्यक्ति अक्सर खुद को उन्हीं संरचनाओं से जूझते हुए पाते हैं जिन्हें बनाए रखने के लिए उन्हें बनाया गया है। सच्ची संस्थागत ताकत व्यक्तियों की क्षणभंगुर प्रतिभा या क्षणिक नवाचारों पर निर्भर नहीं हो सकती। वह तभी सुनिश्चित होती है जब आम लोगों के कौशल और प्रतिभा को उभार कर उन्हें एक मजबूत ढांचे में अपना योगदान देने के लिए प्रोत्साहित किया जाय, जो व्यक्तिगत योगदान से परे हो।

एक अच्छी तरह से काम करने वाली न्याय प्रणाली लचीलेपन, पूर्वानुमान और निष्पक्षता को प्राथमिकता देती है। इसी से असाधारण कौशल की नियमित दक्षता सुनिश्चित होती है। यह केवल इच्छाशक्ति पर निर्भर नहीं हो सकती। व्यक्तिगत योगदान से परे निरंतर, सुसंगत प्रदर्शन के लिए डिज़ाइन किये जाने से ही ऐसा हो सकता है। सही मायने में प्रभावी न्याय प्रणाली को एक स्पष्टस्वतंत्र दृष्टि और अडिग मूल्यों का आधार तैयार करना पड़ता है। भारतीय संविधान में इसकी व्यवस्था मौजूद हैं। संविधान के सिद्धांतों की न्याय प्रणाली के हर पहलू में व्याप्त होने की सबकी अपेक्षा रहती है। न्याय प्रणाली की रैंक में प्रवेश करने वाले सभी लोगों के प्रशिक्षण का यह अनिवार्य हिस्सा होनी चाहिए जिससे उनका अभिविन्यास वैसा बने जिसकी परिकल्पना संविधान में मौजूद है। किसी व्यक्तिगत दृष्टि से परे, प्रणाली में अच्छी तरह से परिभाषित संरचनाएं और प्रक्रियाएं होनी चाहिए, जो नियमितता, पूर्वानुमेयता, पहुंच, जवाबदेही तथा पारदर्शिता सुनिश्चित करती हो और वास्तविक भागीदारी को बढ़ावा देती हो। न्याय प्रणाली को उस विविध आबादी का प्रतिनिधित्व करना होता है जिसकी सेवा के लिए उसका गठन हुआ है। उसे उन उद्देश्यों तथा विशिष्ट आवश्यकताओं के अनुरूप बनाना जरूरी है जिनके लिए यह प्रणाली बनाई गई। महत्वपूर्ण रूप से यह व्यक्तिगत आधारित प्रयास नहीं होना चाहिए बल्कि एक समान प्रणाली–आधारित प्रयास होना चाहिए। आयोग, सरकारऔर नागरिक समाज के अलावा खुद न्यायालय देश की न्याय प्रणाली पर मुकदमों के बढ़ते बोझ का विश्लेषण करते आए हैं। वहीं न्याय पाने के लिए अदालतों में भटक रहे वादी–प्रतिवादी प्रतिदिन इस प्रणाली की जटिलताओं से झूंझते हैं। व्यवस्था ठीक करने के नुस्खों, सिफारिशों और प्रस्तावित समाधानों की लंबी फेहरिस्त है। फिर भी समस्या बनी हुई है, क्योंकि न्याय प्रणाली अलग–थलग नहीं है, वह एक व्यापक शासन ढांचे के भीतर बनी हुई है।

समग्र सुधार की व्यवस्था के लिए सभी घटकों-पुलिस, न्यायपालिका, कानूनी सहायता, बचाव और अभियोजन पक्ष के वकील, जेल, फोरेंसिक जांच संस्थाएं और मानवाधिकार आयोगों को एक साथ मजबूत किया जाना जरूरी है। व्यवस्था चलाने वालों की सहमति के बिना कोई भी सुधार सफल नहीं हो सकता।

वह राजनीतिक, वित्तीय और प्रशासनिक ताकतों के भी अधीन है जो इसके प्रदर्शन की नियति तय करते हैं। इसलिए, इसे सुधारने के लिए सिफारिशों की एक सूची बना देने से समाधान नहीं निकलने वाला है। इसके लिए निरंतर दबाव, राजनीतिक इच्छाशक्ति और बदलाव को प्रोत्साहित करने वाली एक स्पष्ट रणनीति की आवश्यकता है। सम्पूर्ण शासन तंत्र की उप–प्रणालियों में ऐसे उपायों की पहचान करनी होगी जो कागजी सिफारिशों को मूर्त, व्यावहारिक परिणामों में बदल सकें। 'इंडिया जस्टिस रिपोर्ट' इस बात का उदाहरण है कि किस तरह कठोर, डेटा–संचालित आकलन सुधार के लिए उत्प्रेरक का काम कर सकते हैं। यह रिपोर्ट समय के साथ राज्य के प्रदर्शन पर नज़र रखकर, यह ऐसे बेंचमार्क का उपयोग करती है जो नीतिगत निर्णय लेने का मार्ग प्रशस्त कर सकती है और उसके लिए सार्वजनिक चर्चा को आकार दे सकती है। यह रिपोर्ट पारदर्शिता और तुलनात्मक रैंकिंग देती है जो विभिन्न राज्यों के बीच प्रतिस्पर्धा की भावना पैदा कर सकती है, जिससे उन्हें अपनी स्थिति सुधारने के लिए प्रोत्साहन मिलता है। इन अंतर्दृष्टियों को ज़मीनी स्तर पर लाने के लिए नागरिक समाज, शिक्षाविद् और मीडिया इसमें एकत्रित डेटा का उपयोग कर सकते हैं। न्यायालयों, आयोगों और नीति निर्माताओं को इस रिपोर्ट की जानकारी को केवल एक अकादमिक अभ्यास के रूप में नहीं बल्कि वास्तविक जीवन को प्रभावित करने वाले सुधारों को आगे बढ़ाने के उपकरण के रूप में लेना चाहिए। रिपोर्ट का ध्यान एक ही चुनौती पर है कि न्याय संस्थानों के पास संसाधनों की कमी है। चाहे वह पांच करोड़ लंबित मामलों के बोझ तले दबी न्यायपालिका हो, बड़ी संख्या में रिक्त पदों पर काम कर रहे पुलिस विभाग हों या पुनर्वास के बजाय रोकथाम के लिए बनाई गई जेलें हों, वास्तविकता निराशाजनक है।

पिछले कुछ वर्षों में बजट आवंटन में वृद्धि हुई है, फिर भी उनका उपयोग अपर्याप्त है। संरचनात्मक अक्षमताओं पर ध्यान दिए बिना, केवल खर्च में वृद्धि से बेहतर परिणाम नहीं मिल सकते। क्षमता को ठीक करना वास्तव में सफलता के लिए एक आवश्यक कदम है – लेकिन यह अकेला पर्याप्त नहीं है। परिवर्तन की संभावना तब सबसे अधिक होती है जब प्रोत्साहन ठोस होते हैं। प्रदर्शन से जुड़ी फंडिंग, अच्छी तरह से काम करने वाली संस्थाओं के लिए मान्यता, अच्छा नेतृत्व, जवाबदेही तंत्र, उपयोगकर्ता, तथा नागरिक ऑडिट के माध्यम से मिले फीडबैक सभी सुधार के प्रेरक बनते हैं। उदाहरण के लिए, जो राज्य न्यायिक रिक्तियों, पुलिस प्रशिक्षण या जेल पुनर्वास कार्यक्रमों में सुधार प्रदर्शित करते हैं, उन्हें अतिरिक्त वित्तीय सहायता से पुरस्कृत किया जा सकता है। इसी तरह, संस्थानों के भीतर व्यक्तिगत अभिविन्यास और जवाबदेही – बेहतर प्रशिक्षण और पारदर्शी मूल्यांकन प्रणालियों, सेवा की गुणवत्ता से जुड़ी पदोन्नति से सकारात्मक परिणामों को प्रोत्साहित किया जा सकता है। यह भी स्पष्ट है कि अपराध की जांच और कानून और व्यवस्था दो अलग–अलग विषय हैं जिनके लिए अलग–अलग योग्यता और प्रशिक्षण की आवश्यकता होती है। अपराधों की वैज्ञानिक जांच समय की मांग है। सुधार टुकड़ों में नहीं हो सकता। न्याय अलग–अलग नहीं बल्कि परस्पर निर्भर संस्थाओं के नेटवर्क के माध्यम से दिया जाता है। यदि पुलिस बल में कम कर्मचारी और अप्रशिक्षित हैं तो न्यायालय कुशलता से काम नहीं कर सकते। यदि कानूनी सहायता अप्रभावी है तो जेल पुनर्वास नहीं कर सकते। दोषी कैदियों के मुकाबले विचाराधीन कैदियों की बड़ी संख्या इस समस्या का प्रतिबिंब है। समग्र सुधार की व्यवस्था के लिए सभी घटकों–पुलिस, न्यायपालिका, कानूनी सहायता, बचाव और अभियोजन पक्ष के वकील, जेल, फोरेंसिक जांच संस्थाएं और मानवाधिकार आयोगों को एक साथ मजबूत किया जाना जरूरी है। व्यवस्था चलाने वालों की सहमति के बिना कोई भी सुधार सफल नहीं हो सकता। न्यायपालिका, सरकार और सिविल सेवाओं का नेतृत्व करने वालों को बदलाव लाने, जोखिम उठाने और यथास्थिति को चुनौती देने के लिए तैयार रहना चाहिए। जनता के दबाव की भूमिका भी उतनी ही महत्वपूर्ण है। न्याय सुधार इतना महत्वपूर्ण है कि इसे केवल संस्थाओं पर नहीं छोड़ा जा सकता, इसे एक सामाजिक मांग बनना चाहिए। इसका मतलब यह है कि इस बात को व्यापक मान्यता मिलनी चाहिए कि न्याय प्रदान करना केवल नैतिक अनिवार्यता नहीं है, बल्कि राष्ट्र की आर्थिक प्रगति, सामाजिक शांति, तीव्र विकास और व्यक्तिगत स्वतंत्रता की प्राप्ति का एक महत्वपूर्ण मार्ग है। भारत न्याय रिपोर्ट इस आवश्यक संवाद के लिए एक महत्वपूर्ण उत्प्रेरक के रूप में काम कर सकती है। यह रिपोर्ट केवल आंकड़ों का दस्तावेज नहीं है। यह कार्रवाई का आव्हान है। इसके निष्कर्ष हमारी न्याय प्रणाली की वास्तविकता को दर्शाते हुए एक दर्पण और एक रोडमैप दोनों देती हैं। साथ ही वे आगे का रास्ता भी सुझाती हैं। हमारे सामने सवाल यह है कि क्या हम इस ज्ञान का उपयोग बदलाव लाने के लिए करेंगे या निष्क्रियता के एक और चक्र को पनपने देंगे। हमारे सामने जो स्पष्ट है वह है कार्य करने की इच्छाशक्ति।

–अतिथि संपादक,
राजेन्द्र बोड़ा
(वरिष्ठ पत्रकार एवं विश्लेषक)

डिजिटल इंडिया के आर्किटेक्ट और सूचना तकनीक दूरसंचार क्रांति के जनक एवं पंचायती राज के सशक्तिकरण के प्रणेता राजीव गांधी

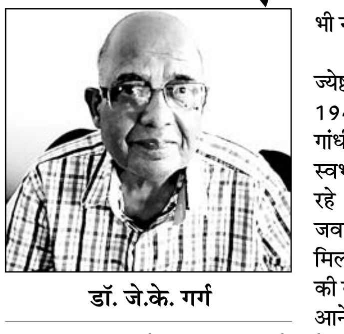

डॉ. जे.के. गर्ग

प्रधानमंत्री रहते हुए स्व गांधी ने कई महत्वपूर्ण काम किए, जिन्होंने देश के विकास को नई दिशा प्रदान की। राजीव गांधी को डिजिटल इंडिया का आर्किटेक्ट और सूचना तकनीक और दूरसंचार क्रांति का जनक कहा जाता है। राजीव गांधी ने अगस्त 1984 में भारतीय दूरसंचार नेटवर्क की स्थापना के लिए सेंटर पार डिवेलपमेंट ऑफ टेलीमैटिक्स की स्थापना करवाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इस पहल से शहर से लेकर गांवों तक दूरसंचार का जाल बिछना शुरू हुआ, जगह–जगह पीसीओ खुलने लगे। जिससे गांव की जनता भी संचार के मामले में देश–दुनिया से जुड़ सकी। फिर 1986 में राजीव की पहल से ही एमटीएनएल की स्थापना हुई, जिससे दूरसंचार क्षेत्र में और प्रगति हुई।

स्व. गांधी मानते थे कि युवा पीढ़ी ही भारत को विकसित राष्ट्र बनाने में अहम भूमिका निभाएगा, इसके लिए उनको कंप्यूटर टेक्नोलॉजी और विज्ञान की शिक्षा देना जरूरी है। कंप्यूटर की कीमतें घटाने के लिए राजीव ने इसे सरकारी नियंत्रण से बाहर निकल दिया और असेंबल कंप्यूटर का आयात शुरू किया। बड़ी टेलीकॉम कंपनी एमटीएनएल और बीएसएनएल की शुरुआत उनके कार्यकाल में ही हुई। राजीव ने ही पंचायती राज अधिनियम के माध्यम से केन्द्रीकृत सत्ता का विकेंद्रीकरण करके पंचायतों को कई महत्त्वपूर्ण और वित्तीय अधिकार दिये थे। अयोध्या में विवादित स्थल का ताला खुलवाया। उन्होंने सनातनधर्मीयों की नाराजगी को दूर करने के लिए अयोध्या के विवादित स्थल का ताला खुलवा दिया और 1989 में राम मंदिर के निर्माण के लिए शिलान्यास की इजाजत भी दे दी।

युवाओं को रोजगार देने के लिए जवाहर रोजगार योजना को शुरू किया था। राजीव ने 1986 की शिक्षा नीति के तहत ग्रामीण क्षेत्र के लाखों बच्चों को सर्वोत्तम शिक्षा देने के उद्देश्य से जवाहर नवोदय स्कूल प्रारम्भ किये है और आज तो स्थिति ऐसी है कि शहरी क्षेत्र के बच्चे भी नवोदय स्कूलों में प्रवेश ले रहे हैं।

इंदिरा गांधी एवं फिरोज गांधी के ज्येष्ठ पुत्र राजीव का जन्म 20 अगस्त 1944 को मुंबई में हुआ था। राजीव गांधी बचपन में बहुत ही संकोची स्वभाव के थे। जब वे दून स्कूल में पढ़ रहे थे, तब उनके नाना पंडित जवाहरलाल नेहरू पहली बार उनसे मिलने स्कूल पहुंचे तो राजीव बाथरूम की बास्केट में छिप गए थे। राजनीति में आने से पहले राजीव गांधी एयरलाइंस में पायलट की नौकरी करते थे। राजीव का पूरा नाम राजीव रत्न गांधी था उनका यह नाम उनके नाना नेहरूजी ने रखा क्योंकि नेहरू जी की पत्नी का नाम कमला था और राजीव का मतलब कमल होता है कमला की याद को ताजा बनाए रखने के लिए नेहरू जी ने राजीव नाम रखा था। राजीव गांधी संगीत प्रेमी थे, उनको पश्चिमी संगीत के साथ हिन्दुस्तानी शास्त्रीय एवं आधुनिक संगीत पसंद था। लन्दन में राजीव गांधी की मुलाकात एड्विगो मानिओ से हुई थी। 1968 में राजीव गांधी ने उनसे शादी कर ली और उनका ये नाम बदलकर सोनिया गांधी रखा गया। राजीव और सोनिया के पुत्र और पुत्री राहुल और प्रियंका है।

राजीव गांधी का स्वभाव स्नेहमय सहनशील और सरल था वे जन्म से ही दयालु और करुणा मय व्यक्ति थे स्वर्गीय राजीव गांधी एक ऐसे इंसान थे, जिन्होंने ज़मीन पर ही नहीं, किन्तु जनमानस के ह्रदय पर भी राज किया। स्व. राजीव गांधी ही वो इंसान थे जिन्होंने उन्नीसवीं सदी में इक्कीसवीं सदी के भारत का सपना देखा था। स्वभाव से धीर–गंभीर किन्तु आधुनिक सोच एवं तार्किक क्षमता के धनी राजीव ने बीसवीं सदी में ही हिन्दुस्तान को 21वीं सदी का उन्नत राष्ट्र बनाने का सपना संजोया था।

दूरदर्शी युवा राजीव का सपना था कि भारत एक मजबूत, आत्मनिर्भर, स्वावलंबी और मानवता की सेवा करने वाला दुनिया का अग्रणी राष्ट्र बने। राजीव कहते थे कि हमारे देश की एकता और अखंडता से बढ़कर कुछ भी नहीं है। भारत अविभाज्य है। भारत के ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में कठोर विभाजन भारत का विलुप्त होने वाला वर्गीकरण है जो स्थानीय स्वशासन के लिए औपनिवेशिक शासन व्यवस्था की सबसे बुरी विरासत है। राजीव भारत को 21वीं सदी की दहलीज पर पहुंचना चाहते थे, वो देश को गरीबी के बोझ से मुक्त कराकर विरासत, और हमारे लोगों की बढ़ती आकांक्षाओं को पूरा करने में सक्षम बनाना चाहते थे। लोकतांत्रिक तरीके से राष्ट्र निर्माण के लिए जरूरी है धैर्य, सतत प्रयास और मेल–मिलाप की भावना। हर व्यक्ति को इतिहास से सब लेना चाहिए। हमें चाहिए कि देश में कहीं भी आंतरिक कलह और संघर्ष होता है, तो देश कमजोर होता है। इस कारण, बाहर से खतरा बढ़ जाता है। क्या हमारा लक्ष्य जातिविहीन समाज है? यदि हमारा लक्ष्य, एक जातिविहीन समाज है, तो निश्चित रूप से हमारा हर कदम उस उद्देश्य की ओर होना चाहिए। किसानों के कमजोर होने से देश का स्वावलंबन खत्म हो जाता है। लेकिन, यदि वे मजबूत होते हैं तो देश की आजादी भी मजबूत होती है। वे देश की कंप्यूटर क्रांति के जनक के रूप में भी जाने जाते हैं। रेलवे का कम्प्यूटरीकरण करके उन्होंने इस देश के सामने क्रांतिकारी परिवर्तन करके रख दिया।

40 वर्ष की अल्पआयु में ही में राजीव गांधी विशाल जनादेश के साथ भारत के सबसे कम उम्र के प्रधानमंत्री बन गये थे। उस चुनाव में कांग्रेस को 508 में से रिकॉर्ड 401 सीटें प्राप्त हुई थी। स्मरणीय रहे कि राजीव गांधी राजनीति में आने अनिच्छुक थे किन्तु उनके छोटे भाई संजय की अकाल मृत्यु की वजह से परिस्थतीयां ऐसी बनी कि उन्हें राजनीति में जबरन प्रवेश करना पड़ा। राजीव गांधी को अपने नाना नेहरु की तरह सुरक्षाकर्मियों का घेरा बिलकुल पसंद नहीं था।

वे अपनी जीप और कार खुद ड्राइव करना पसंद करते थे। राजीव गांधी को अपने नाना से आराम हराम है और अपने पिता से अपना काम खुद करो की प्रेरणा मिली थी। विकास को पसंद करने वाले युवा राजीव गांधी ने अपने मन में भारत को मजबूत, आत्मनिर्भर और तकनीकी विकास के मार्ग तेज रफ्तार से दौड़ता मुल्क बनाने का सपना संजोये रक्खा। इक्कीसवीं सदी के भारत का निर्माण उनके जीवन का प्रमुख लक्ष्य था। राजीव गांधी सौम्य एवं निर्मल स्वभाव के दूरदर्शी राजनेता थे और किसी भी निर्णय में जल्दबाजी नहीं करते थे और निर्णय लेने से पहले पार्टी के नेताओं से गहन सलाह मशविरा करते थे क्योंकि उनके दिल मे लोकतंत्र की भावना समाई हुई थी। उन्होंने जो सोचा और किया वो वो पुराने ढर्रे की राजनीति से एक दम अलग था।

राजीव गांधी एक ऐसे प्रधानमंत्री थे, जो जनता से सीधे जुड़े थे और एक ऐसे नेता के रूप में विख्यात थे जिनकी पहुंच देश के आम आदमी के ह्रदय तक थी। राजीव गांधी ने देश के गरीबों के उत्थान के लिए 1 अप्रैल 1989 को जवाहर रोजगार गारंटी योजना, इंदिरा आवास योजना और 10 लाख कुआं जैसी योजनाएं चालू कीं। लोग राजीव गांधी को देखने व सुनने के लिए टीवी देखा करते थे। एक ऐसा प्रधानमंत्री जिसने उस दौर में पंजाब की यात्रा की, जब देश की खुफिया एजेंसियों ने ऐसा करने से उनको मना किया था। राजीव गांधी ने पंजाब समस्या के समाधान को प्राथमिकता देते हुए 24 जुलाई, 1985 को अकाली दल के अध्यक्ष संत हरचंद सिंह लोंगोवाल के साथ समझौता करके अशांत पंजाब में शांती और सौहार्द के वातावरण का निर्माण किया। राजीव गांधी वो इन्सान थे, जो जब यात्रा पर जाते थे तो तय रास्ते से अलग होकर गांवों में जाते और आम आदमी के घरों में जाना और हर व्यक्ति से हाथ मिलाना जैसे उनको अपनी मां और नाना से विरासत में मिला था। नवंबर 1982 में भारत में आयोजित सफल एशियाई खेलों के संचालन में उनकी महत्वपूर्ण एवं सराहनीय भूमिका थी। प्रधानमंत्री के रूप में राजीव गांधी अपनी माता इंदिरा गांधी से अधिक व्यावहारिक और उदार थे। लालफीताशाही पर लगाम लगाकर और नीतिगत बदलाव के जरिये उन्होंने निजी क्षेत्र को औद्योगिक और वाणिज्यिक गतिविधियों के विस्तार की अनुमति दी। कालांतर में यही दिशा 1990 के दशक में व्यापक आर्थिक उदारवाद और मुक्त व्यापार का आधार बनी जिसे नरसिम्हा राव और मनमोहन सिंह ने आगे बढ़ाया। वर्ष 1986 में मिजोरम में लालडेंगा के नेतृत्व में दशकों से चल रहे अलगाववादी हिंसक आंदोलन को मिजोरम समझौते के द्वारा खत्म कर राज्य में लोकतांत्रिक व्यवस्था की पुनर्स्थापना राजीव गांधी की बड़ी सफलता मानी जाती है। असम गणतन्त्र परिषद के साथ असम समझोता उन्होंने ही किया था, समझोते के बाद हुए चुनाव में विपक्ष की जीत और कांग्रेस की हार पर उन्होंने कहा कि भले ही उनकी पार्टी हार गई हो किन्तु प्रजातंत्र जीत गया है।

राजीव शालीनता की प्रतिमूर्ति थे उन्होंने कभी भी अपने किसी भी राजनेतिक विरोधि के प्रति अनर्गल एवं कर्कश शब्दों का प्रयोग नहीं किया। राजीव को जब मालुम पड़ा कि अटलजी गम्भीर रोग से ग्रस्त है तो उन्होंने उन्हें यू.एन.ओ. जाने वाले देलीएष्ण का सदस्य बना कर उनको अमेरिका भेजा और राजदूत को निर्देश दिय की उनका उपचार राजकीय खर्चे से करवायी जाये। राजीव के राजनेतिक विरोधी श्री अटलबिहारी वाजपेयीजी ने कहा था कि अगर वे आज जिन्दा है तो इसकी वजह राजीव ही है। लोग उनका भाषण सुनने के लिए घंटों इंतज़ार किया करते थे। राजीव ने राजनीति में भी नैतिकता को सर्वोच्च स्थान दिया, बोफोर्स कांड के आरोपी के बीच संसद भंग कर नये चुनाव करवाने का जज्बा उन्हीं में था। बोफोर्स कांड की कई वर्षों तक उनके विरोधीयों द्वारा करवाई गई जाँच में उनके विरुद्ध कोई साक्ष्य नहीं मिले थे, इस जाँच को करवाने में करदाताओं के करोडों रूपये बर्बाद हो गये। सीधे–सच्चे ईमानदार राजीव विरोधियों एवं मीडिया के झूठे कुत्सित प्रचार के शिकार बन गये। 1989 में हुये लोकसभा चुनाव में 195 सीटे जीतने और सबसे बड़े दल के नेता होने के बावजूद उन्होंने कहा कि जनादेश कांग्रेस के खिलाफ है इसलिए उन्होंने विरोधी पक्ष में बैठने का फैसला करके स्वस्थ लोकतान्त्रिक परम्परा स्थापित की थी। वहीं आज येनकेन प्रकारेण सत्ता प्राप्त का निर्लज्ज प्रदर्शन हो रहा है।

राजीव ने ही भारत को विश्व के साथ कदम से कदम मिलाकर चलना सिखाया था। उन्होंने दक्षिण एशिया में शांति के प्रयास किए और इस देश में भाषा के आधार पर हो रहे बिखराव को भी रोका। इसी का परिणाम था कि राजीव गांधी ने श्रीलंका में शांति प्रयासों के लिए भारतीय सैन्य टुकड़ियों को भेजा लेकिन इसके नतीजे में वे खुद लिट्टे के निशाने पर आ गए और उनकी बेरहमी से हत्या कर दी गई। 21 मई, 1991 को राजीव गांधी एक रैली को संबोधित करने के लिए चेन्नई से 30 किलोमीटर दूर श्रीपेरंबुदूर में पहुंचे। इन्हीं में एक लिट्टे सदस्य धनु भी थी। राजीव गांधी के आसपास काफी कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बावजूद धनु ने गाँधी के पैर छूये और एकाएक बम फट गया जिसको धनु ने जो कि उसे अपने कपड़ों में छुपाया हुआ था। राजीव गाँधी समेत 17 अन्य लोग भी काल के ग्रास बन गये। इसी कारण से 21 मई, राजीव गांधी बलिदान दिवस को आतंकवाद विरोधी दिवस के रूप में भी मनाया जाता है। राजीव भी अपनी माँ इंदिराजी के जैसे आतंकवाद के शिकार बनें। उन्हें 'भारत रत्न' से भी नवाजा गया था। कुछ लोग ज़मीन पर राज करते हैं और कुछ लोग दिलों पर। राजीव ने लोगों के दिलों में अपने को बसाया, स्वर्गीय राजीव गांधी एक ऐसे इंसान थे, जिन्होंने ज़मीन पर ही नहीं, किन्तु जनमानस के ह्रदय पर भी राज किया। समूचा राष्ट्र राजीव गांधी को उनकी 34वीं पुन्य तिथी पर उन्हें श्रद्धा सुमन अर्पित करता है।

–डॉ. जे. के. गर्ग,
पूर्व संयुक्त निदेशक कालेज शिक्षा जयपुर

अमेरिका अपनी आंखों से झूठ की पट्टी खोले : सच्चाई कबूल कर पाकिस्तान को आतंकी देश घोषित करे

बाल मुकुन्द ओझा

भारत एक शांतिप्रिय देश है। भारत ने कभी किसी देश पर चलाकर हमला नहीं बोला और न ही किसी की जमीन हड़पी। हां, यह जरूर है किसी ने भारत के साथ छेड़छाड़ का दु:साहस किया तो उसे छोड़ा भी नहीं। यहाँ हम बात कर रहे है ऑपरेशन सिन्दूर की। भारत पक्ष रखने के लिए देश के सांसद शीघ्र दुनिया का दौरा कर वास्तविकता से अवगत कराएँगे।

यहां सवाल यह पैदा होता है क्या दुनिया ने आंखे बंद कर रखी है कि उनकी आंखें खोलने या यूँ कहें उन्हें कुम्भकर्णी निंद्रा से जगाने हम जा रहे है। क्या दुनिया लोकतंत्र और छद्म लोकतंत्र को नहीं पहचानती। खैर यह विषय बहुत लम्बा है। अमेरिका स्वयं को सुपर लोकतान्त्रिक देश कहलवाने में बड़ा गर्व महसूस करता है। मगर आँखों पर पट्टी बांधकर अपना निर्णय दूसरे देशों पर थोपने में तनिक भी देर नहीं करता। वह इस बीच यह भी नहीं देखता कि कौन सही और कौन गलत है। यहाँ उसका स्वार्थ और व्यापर आड़े आ जाता है। अमेरिका सहित दुनियाभर के देशों की आंखें खोलने और सच्चाई से रूबरू कराने हमें जाना पड़ रहा है। पाकिस्तान की कुछ सच्चाई पर से हम भी इस लेख के माध्यम से पर्दा उठाने जा रहे हैं।

बता रहे हैं लोकतंत्र और छद्म लोकतंत्र की वास्तविकता। भारत और पाकिस्तान के बीच सीज़फायर का दावा कराने वाला अमेरिका स्वयं को दुनिया का सबसे बड़ा लोकतान्त्रिक देश कहता है, मगर आश्चर्य है उसे लोकतंत्र और छद्म लोकतंत्र में कोई फर्क नज़र नहीं आता। पाकिस्तान की अंदरूनी स्थिति से समूची दुनिया वाकिफ है मगर सच का साथ देने कोई तैयार नहीं है। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप स्वयं को हमारे प्रधानमंत्री मोदी का दोस्त कहता है मगर संकट में अपने दोस्त की सहायता के लिए आगे आकर अपनी दोस्ती का फ़र्ज़ नहीं निभाता। अमेरिका को चाहिए तो यह था की वह सच्चाई का साथ दे और पाकिस्तान को आतंकी देश घोषित कर तुरंत व्यापार और आर्थिक सहायता देना बंद करें।

आइये, आज मौका है हम अपने पाठकों को एक बार फिर पाक की सच्चाई से रूबरू कराएं। भारत से अलग होने के बाद पाकिस्तान ने भी लोकतंत्र का रास्ता चुना था। मगर शीघ्र ही लोकतंत्र की यह नकाब उतर गई। पाक में लोकतंत्र के पीछे सेना खड़ी हो गई और देखते देखते पाक पर छद्म रूप से सेना काबिज हो गई। कहा जाता है पाक पर वही पार्टी शासन करेगी जिसे सेना का समर्थन मिलेगा। अन्यथा सेना खुद शासन की कमान सँभालते देर नहीं करेगी। यह कोई कल्पित कहानी नहीं है अपितु पाक की असलियत है। कहते है पाक के शासक का पद काँटों के ताज से कम नहीं है। उसे कब सत्ताच्युत होकर जेल जाना पड़ेगा यह किसी को मालूम नहीं है। इससे पहले सुहरावर्दी से लेकर इमरान तक 5 निर्वाचित नेता गिरफ्तार हो चुके हैं। एक को फांसी दी गई थी। पाकिस्तान अपने पूर्व शासकों को जेल भेजने के लिए पूरी दुनिया में जाना जाता है।

पाक के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान सेना की मदद से पाक पर काबिज हुए थे। जितने दिन उन्हें सेना की छत्रछाया मिली वे निर्बाद रूप से राज करतेरहे फिर जैसे ही उन्होंने अपनी स्वतंत्र आवाज बुलंद करनी चाही तो उनसे जल्द ही शासन से बेदखल होना पड़ा। बेदखल होने के बाद इमरान पर कई मुक़दमे कायम किये गए और अन्तोगत्वा अपने पूर्ववर्ती शासकों की तरह जेल के सींकचों में बंद होना पड़ा। पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान तोशखाना केस में दोषी करार दिए गए। उन्हें तीन साल की सजा हुई। हुसैन सुहरावर्दी, जुल्फिकार अली भुट्टो, बेनजीर, परवेज मुशर्रफ ,नवाज शरीफ, शाहिद खाकान अब्बासी आदि की कहानी ज्यादा पुरानी नहीं है जिन्होंने पहले निर्बाद रूप से पाक पर शासन किया और फिर जेल जाना पड़ा। 1956 से 1957 तक पाकिस्तान के पांचवें प्रधानमंत्री हुसैन सुहरावर्दी को 1962 में गिरफ्तार किया गया था, जब उन्होंने 1958 में जनरल अयूब खान के तख्तापलट का समर्थन करने से मना कर दिया था। हुसैन को 1962 में पाकिस्तान सुरक्षा अधिनियम 1952 के तहत जेल में डाल दिया गया। इसके साथ ही उन्हें पाकिस्तान में राजनीति में भाग लेने से भी प्रतिबंधित कर दिया गया था। इसी तरह जुल्फिकार अली भुट्टो ने 1971 में पाकिस्तान के राष्ट्रपति के रूप में जनरल याह्या खान की जगह ली थी।

उन्होंने 1973–1977 तक प्रधानमंत्री के रूप में कार्य किया था। उनके शासनकाल में पाकिस्तान ने भारत के साथ शिमला समझौते पर हस्ताक्षर किए थे, उस समय इंदिरा गांधी भारत की प्रधानमंत्री थीं। लेकिन जुलाई 1977 में एक सैन्य तख्तापलट के माध्यम से जनरल जिया–उल–हक ने सत्ता हड़प ली। भुट्टो को एक राजनीतिक प्रतिद्वंद्वी की हत्या की साजिश के आरोप में गिरफ्तार कर लिया गया था।

सितंबर 1977 में रिहा तो किया गया लेकिन फिर से गिरफ्तार कर लिया गया। बाद में उन्हें अप्रैल 1979 में सेंट्रल जेल रावलपिंडी में फांसी दे दी गई। शाहिद खाकानअब्बासी, जिन्होंने 2017 से 2018 तक प्रधानमंत्री के रूप में नवाज शरीफ की जगह ली थी, उनको भी कथित भ्रष्टाचार के लिए जनवरी 2019 में 12–सदस्यीय राष्ट्रीय जवाबदेही ब्यूरो (एनएबी) की टीम ने गिरफ्तार किया था। 2001 से 2007 तक पाक के प्रधानमंत्री परवेज मुशर्रफ को भी सत्ताच्युत कर देश से निर्वासित गया था। पाकिस्तान के पूर्व तानाशाह परवेज मुशर्रफ का संयुक्त अरब अमीरात में निधन हो गया। मुर्शरफ के खिलाफ पाकिस्तान में कई मुकदमें चल रहे थे और इसी वजह से वह दुबई में निर्वासन में जी रहे थे। इससे पहले पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री नवाज शरीफ के साथ भी कुछ ऐसा ही हश्र हुआ था। अप्रैल 2018 में पाकिस्तान के सुप्रीम कोर्ट ने नवाज शरीफ को आजीवन सार्वजनिक पद धारण करने से अयोग्य घोषित कर दिया था।

1988 और 1990 के बीच 2 बार और फिर 1993 से 1996 तक पीएम बनने से पहले जुल्फिकार अली भुट्टो की बेटी बेनजीर भुट्टो को कई गिरफ्तारियों और जेल में कई शर्तों का सामना भी करना पड़ा था। 2007 में एक आत्मघाती हमलावर ने बेनजीर की हत्या कर दी थी। रिपोर्ट्स के मुताबिक यह हत्या पाकिस्तानी तालिबान और अलकायदा के इशारे पर की गई थी। पाक अपना इतिहास दोहरा रहा है। अब इमरान खान को गिरफ्तार कर जेल में डाल दिया गया है। असल में पाक में लोकतंत्र का दिखावा मात्र है वहां असली शासन की बागडोर सेना के हाथ में है। जो व्यक्ति सेना की हुक्म उदूली करेगा उसे सत्ता से हटना ही होगा।

–बाल मुकुन्द ओझा,
वरिष्ठ लेखक एवं पत्रकार

राशिफल

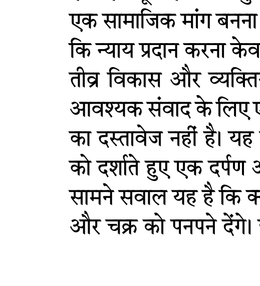

पंडित अनिल शर्मा

बुधवार 21 मई, 2025

ज्येष्ठ मास, कृष्ण पक्ष, नवमी तिथि, बुधवार, विक्रम संवत 2082, शतभिषा नक्षत्र सायं 6:58 तक, वैधृति योग रात्रि 12:34 तक, तैतिल सायं 4:04 तक, चन्द्रमा आज कुम्भ राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य–वृष, चन्द्रमा–कुम्भ, मंगल–कर्क, बुध–मेष, गुरू–मिथुन, शुक्र–मीन, शनि–मीन, राहु–मीन, केतु–सिंह राशि में।

आज कुमार योग रात्रि 3:22 से सूर्योदय तक है। आज वैधृति पुण्य, पंचक है। आज राजीव गांधी पुण्य दिवस है।

श्रेष्ठ चौघड़िया: लाभ अमृत सूर्योदय से 9:02 तक, शुभ 10:42 से 12:23 तक, चर 3:45 से 5:25 तक, लाभ 5:25 से सूर्यास्त तक।

राहूकाल: 12:00 से 1:30 तक। सूर्योदय 5:40, सूर्यास्त 7:06

मेष
आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। संभावित धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक कार्यों के लिए भागदौड़ रहेगी। परिवार में सुख–सुविधाएं बढ़ेगी।

वृष
व्यावसायिक कार्यों में आ रही अड़चनें दूर होने लगेंगी। व्यावसायिक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। महत्वपूर्ण कार्यों में उचित सफलता मिलेगी। आर्थिक मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा।

मिथुन
नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक संदेश प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। धार्मिक स्थान की यात्रा का कार्यक्रम बन सकता है। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

कर्क
चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। शुभ कार्यों में व्यवधान हो सकता है। व्यावसायिक मामलों में संयम रखना ठीक रहेगा। खान–पान के कारण स्वास्थ्य खराब हो सकता है।

सिंह
व्यावसायिक कार्यों के लिए भागदौड़ रहेगी। नौकरीपेशा व्यक्तियों को अतिरिक्त कार्य करना पड़ सकता है। आर्थिक स्थिति में सुधार होगा। परिवार में आपसी सहयोग–समन्वय बना रहेगा।

कन्या
आर्थिक मामलों से संबंधित विवादों से राहत मिल सकती है। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक कार्यों में व्यस्तता बनी रहेगी।

तुला
व्यावसायिक कार्यों के कारण मानसिक तनाव बना रहेगा। नौकरीपेशा व्यक्तियों को अतिरिक्त कार्य करना पड़ सकता है। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी। स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

वृश्चिक
घर–परिवार में अतिथियों का आगमन रहेगा। परिवार में धार्मिक–मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। व्यावसायिक संपर्क बनेंगे। आर्थिक स्थिति में सुधार होगा।

धनु
व्यावसायिक कार्यों के संबंध में उचित सोच–विचार हो सकता है। कार्य योजना का क्रियान्वयन हो सकता है। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी। परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे।

मकर
आर्थिक कारणों से अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक प्रयासों में उचित सफलता मिलेगी। व्यावसायिक वार्ता सफल रहेगी।

कुंभ
व्यावसायिक कार्यों से संबंधित परेशानियां दूर होने लगेगी। व्यावसायिक विवादों से राहत मिल सकती है। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। वर्तमान में चल रहा मानसिक तनाव दूर होगा।

मीन
घर–गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। पारिवारिक कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी। मन में असंतोष बना रहेगा। खान–पान के कारण स्वास्थ्य खराब हो सकता है।

कोटपूतली में मकानों और दुकानों की नगर पालिका द्वारा बेतरतीब तोड़फोड़ करने पर हाईकोर्ट ने फैसला सुरक्षित रखा

न्यायाधीश अनूप कुमार ढंढ ने करीब 150 याचिकाकर्ताओं की ओर से दायर याचिका पर सुनवाई पूर्ण की

जयपुर, (का.सं.)। कोटपूतली में करीब 150 मकानों-दुकानों व अन्य स्थाई निर्माणों पर नगर पालिका द्वारा उपयुक्त कानूनी प्रावधानों की पालना नहीं करते हुए तोड़फोड़ करने के मामले में सुनवाई हुई और सभी तथ्यों को सुनने के बाद हाईकोर्ट ने अपना फैसला सुरक्षित किया है। जैसा कि विदित है पिछली गहलोत सरकार के दौरान कोटपूतली में तत्कालीन नगर परिषद में हाईवे से जुड़े रास्ता जो अम्बेडकर स्कूल तक जाता था, इस सड़क मार्ग पर पर बने अस्थाई अतिक्रमण को हटाने के लिये नोटिस जारी किये थे। परंतु आमजन में प्रशासन में यह भय का माहौल तैयार किया था कि वह सड़क को 60 फीट तक चौड़ा करेगी और बीच में आने वाले मकानों और दुकानों को ध्वस्त करेगी।

हालांकि कई समृद्ध याचिकाकर्ताओं ने अदालत से अंतरिम राहत पाई थी और नगर परिषद को आदेश पारित किये थे कि वह सड़क चौड़ी करने से पूर्व आपत्तियों की सुनवाई करेगी। अदालत से अंतरिम सुरक्षा मिलने के दौरान राज्य सरकार द्वारा नगर परिषद को नगर पालिका में परिवर्तित कर दिया गया।

- याचिकाकर्ताओं का कहना था कि हाईकोर्ट के आदेश के बावजूद नगर पालिका ने सभी दुकानदार और मकान मालिकों से आपत्तियां नहीं सुनीं और ना ही इमारतों को तोड़ने से पूर्व कोई मुआवजा देने की बात की। कई याचिकाकर्ताओं का कहना था कि नगर पालिका के अधिकारियों ने बैक डेटिड नोटिस देकर मकान तोड़ने की कार्रवाई शुरू की थी
- याचिकाकर्ताओं का कहना है कि स्थाई अतिक्रमण हटाने के लिये नगर परिषद ने कभी नोटिस जारी नहीं किये थे

इस मामले में जिन याचिकाकर्ताओं के मकान टूटे उनकी तीन श्रेणियां बनीं, पहला जिन्हें खेतड़ी महाराज से पट्टे प्राप्त थे, दूसरे वे जिन्हें नगर परिषद ने पट्टे जारी किये थे और तीसरे वे जिनके पास पट्टे नहीं थे।

उल्लेखनीय है कि कई याचिकाकर्ताओं का कहना था कि हाईकोर्ट के आदेश के बावजूद नगर पालिका ने सभी दुकानदार और मकान मालिकों से आपत्तियां नहीं सुनीं और ना ही इमारतों को तोड़ने से पूर्व कोई मुआवजा देने की बात की। कई याचिकाकर्ताओं का कहना था कि नगर पालिका के अधिकारियों ने बैक डेटिड नोटिस देकर मकान तोड़ने की कार्रवाई शुरू की थी।

नगर पालिका की ओर से तर्क दिये कि उसने केवल अतिक्रमण कारियों के ही मकान तोड़े हैं और सड़क चौड़ा करने के लिये ही कार्रवाई की है। नगर पालिका की ओर से कहा गया है कि उन्होंने तोड़फोड़ करने से पूर्व सभी याचिकाकर्ताओं को नोटिस भी जारी किये थे। इस मामले में नगर पालिका की ओर से बहस में कहा गया था कि जिन याचिकाकर्ताओं को पट्टे जारी किये हैं, वे अवैध रूप से जारी किये हैं और जिन लोगों के पास पट्टे नहीं हैं वे अतिक्रमणकारी हैं। परंतु हैरानी की बात है कि नगर परिषद ने स्थाई अतिक्रमण हटाने के लिये कभी नोटिस जारी नहीं किये थे। और मास्टर प्लान में बदलाव कर सड़क को चौड़ी करने के लिये और फिर अधिकारिक गजट में प्रकाशित करने के लिये कभी कोई कानूनी कार्रवाई नहीं की थी।

न्यायाधीश अनूप कुमार ढंढ ने इस मामले पर पूरी सुनवाई को सुना है और अपना अंतिम निर्णय सुरक्षित रखा है।

राज्यपाल हरिभाऊ बागडे से मंगलवार को राजभवन में विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने पहुंचकर मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने राज्यपाल को वर्ष प्रतिपदा पर प्रकाशित नववर्ष की डायरी भेंट की। राज्यपाल ने वर्ष प्रतिपदा पर प्रकाशित नव वर्ष डायरी की सराहना की। देवनानी और बागडे ने इस दौरान विभिन्न विषयों पर संवाद किया। उनकी यह शिष्टाचार भेंट थी।

काग़ज़ी क्रिकेट एकेडमी का शुभारंभ

शिकारपुरा रोड, सांगानेर में मंगलवार को काग़ज़ी समाज द्वारा स्वमं की भूमि पर बनाया गया क्रिकेट ग्राउंड का शुभारंभ पूर्व उपमुख्यमंत्री, एआईसीसी के महासचिव व विधायक सचिन पायलट ने किया। इसके बाद उन्होंने मैदान में किक्रेट खेलने का आनंद लिया।

जयपुर। शिकारपुरा रोड, सांगानेर में आज काग़ज़ी समाज द्वारा स्वेम की भूमि पर बनाया गया क्रिकेट ग्राउंड जिसका शुभारंभ पूर्व उपमुख्यमंत्री एआईसीसी के महासचिव व विधायक सचिन पायलट, किशनपोल विधायक अमीन काग़ज़ी, आरसीए के पूर्व उपाध्यक्ष अमीन पठान , इंडिया टीम के खिलाड़ी अनिकेत चौधरी द्वारा किया गया। पायलट ने बताया खेल हमें अनुशासन सिखाता है, खेल में खिलाड़ी की काबिलियत को छुपाया नहीं जा सकता। कागज़ी ने कहा क्रिकेट अकादमी हमारी इस यात्रा में एक और मील का पत्थर साबित होगी और अपने समाज की और से आयोजकों का व समाज के सभी लोगो का धन्यवाद दिया।

पठान ने कहा एकेडमी के माध्यम से युवा खिलाड़ियों को उच्च स्तरीय क्रिकेट प्रशिक्षण मिलेगा। इस कार्यक्रम में लाडनूं विधायक मुकेश भाकर, पूर्व विधायक वेद प्रकाश सोलंकी, अजमेर क्रिकेट के पूर्व अध्यक्ष इलयास कुरैशी, अल्पसंख्यक वित्त आयोग के पूर्व सदस्य असरार कुरैशी सहित कई लोगो ने शिरकत की।

नगरीय विकास कर जमा कराने के लिए लगेंगे नियमित शिविर

जयपुर। हेरिटेज निगम की नगरीय विकास कर समिति की बैठक मंगलवार को हेरिटेज निगम मुख्यालय में संपन्न हुई। इस दौरान समिति चेयरमैन प्रकाश चंद्र शर्मा ने समिति सदस्यों के साथ की बैठक की। बैठक में सचिव सुनील कुमार बैरवा ने समिति के सदस्यों के सामने विभिन्न एजेंडे रखे। इस दौरान चेयरमैन प्रकाश चंद्र शर्मा ने निगम अधिकारियों को निर्देश दिए कि नगरीय विकास कर के बकायादारों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएं। साथ ही नगरीय विकास कर जमा करने के लिए जोन स्तर पर कैंप आयोजित किए जाएं।

नगरीय विकास कर समिति चेयरमैन और सदस्य हर महीने रिव्यू करेंगे।

कारोबारी के घर से 3 नौकर उड़ा ले गए 67 लाख, पुलिस पहुंची बिहार

जयपुर। बनीपार्क थाना इलाके में एक कारोबारी के घर से तीन नौकरों ने 67 लाख रुपए पार कर लिए। घटना का पता लगने पर पीड़ित ने पुलिस की शरण ली। फरार नौकरों की तलाश में पुलिस की टीम बिहार सहित उनके संभावित स्थानों पर छापामारी कर रही है। मामले की जांच एएसआई मोहम्मद रफीक कर रहे है। बिहार गई टीम को जांच अधिकारी लीड कर रहे है।

थानाधिकारी बृजमोहन कविया ने बताया कि सिंधी कॉलोनी बनीपार्क निवासी मनीष चांदवानी कारोबार करता है। उसके घर पर तीन नौकर काम करते थे। इसमें स्वागतम, सुनील तूती और सिकंदर शामिल है। आरोपियों ने

- नौकरों के वेरिफिकेशन को लेकर की जाएगी जांच
- प्रॉपर्टी का हो सकता है पैसा

कारोबारी के घर से करीब 67 लाख रुपए पार कर लिए। पीड़ित ने शिकायत में बताया कि यह राशि 8 से 14 मई के बीच निकाली गई है। रुपए पार करने के बाद आरोपी एक-एक कर घर से गायब हो गए। आरोपियों से पीड़ित ने सम्पर्क भी करने का प्रयास किया, लेकिन उनके नम्बर बंद आए। इस पर पीड़ित ने पुलिस की शरण ली। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

थानाधिकारी ने बताया कि पीड़ित ने आरोपी नौकरों का वेरिफिकेशन करवाया था या नहीं इसकी भी जांच की जा रही है। अगर उनका वेरिफिकेशन नहीं करवाया होगा तो मालिक के खिलाफ मामला दर्ज कर कार्रवाई की जाएगी। फिलहाल फरार नौकरों की तलाश में आधा दर्जन टीमों का गठन किया गया है जो कि नौकरों के संभावित स्थानों पर छापामारी कर रही है। पुलिस फरार नौकरों का आपराधिक रिकॉर्ड भी खंगाल रही है। इसके अलावा पीड़ित के घर और उसके आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज भी जुटाई जा रही है ताकि साक्ष्य के रूप में काम में लिए जा सके।

थानाधिकारी ने बताया कि पीडित छोटा कारोबारी है। उसके पास इतना पैसा कहा से आया, यह भी जांच का विषय है। लेकिन प्राथमिक जांच में यह सामने आया है कि कारोबारी ने कोई प्रॉपर्टी बेची थी और यह राशि उसकी थी जो कि अलमारी में रखी थी। तीनों नौकर लम्बे समय से काम कर रहे थे। ऐसे में उन्हें हर बात की जानकारी थी। यह भी जानकारी ली जा रही है कि क्या फरार सभी नौकर पुराने है या नए भी है। हो सकता है कि इस अपराध को पूरी योजना बनाकर अंजाम दिया गया हो।

प्रतिबंधित दवाइयों का भारी मात्रा में जखीरा पुलिस ने पकड़ा

- 14 हजार 400 प्रतिबंधित गौलियां, 157 प्रतिबंधित शीशी, सफेद रंग का 3 हजार 911 ग्राम पाउडर एवं 944 ग्राम हल्के गुलाबी रंग का पाउडर बरामद
- फरार आरोपियों की जा रही है तस्दीक

जयपुर। सोडाला थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए बाईस गोदाम करतारपुरा रोड स्थित एक दुकान से प्रतिबंधित दवाइयों का भारी मात्रा में जखीरा पकड़ा है और 14 हजार 400 प्रतिबंधित गोलियां, 157 प्रतिबंधित शीशीयॉ, सफेद रंग का 3 हजार 911 ग्राम पाउडर एवं 944 ग्राम हल्के गुलाबी रंग का पाउडर बरामद किया गया है। वहीं फरार आरोपियों की तस्दीक कर उनकी तलाश की जा रही है।

अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त जयपुर (दक्षिण) ललित शर्मा ने बताया कि अंकित ताम्बी निवासी सिरसी रोड गोविन्दपुरी जयपुर ने पुलिस कन्ट्रोल रूम में सूचना दी थी कि सोडाला थाना इलाके में स्थित बाईस गोदाम करतारपुरा रोड पर उसने दुकान श्री देव कृष्णा टोंबर 22 गोदाम करतारपुरा रोड जयपुर पर कृष्णा खंडेलवाल पत्नी देवेन्द्र खंडेलवाल निवासी मानसरोवर जयपुर से किराये पर ले रखी है। जिसकी एक चाबी उनके पास है और 17 मई को दुकान मंगल कर के गया था और 19 मई को दुकान को खोला तो वहा पर एक बैग में कुछ प्लास्टिक के डिब्बों में पाउडर जैसा भरा है दो कार्टून सीसीयो से भरे रखे है जो संदिग्ध है। इस पर औषधि नियंत्रण अधिकारी जयपुर और सोडाला थाना जाब्ता मौके पर पहुंचा। टीम ने दुकान से काफी भारी मात्रा में कोलिसेड की शीशियां, अल्प्राजोलम टैबलेट गोलियां,पाउडर आदी रखे हुए थे। वहीं सूचनाकर्ता अंकित ताम्बी से इन प्रतिबंधित दवाइयों व पाउडर के बारे में पूछताछ में सामने आया कि उसकी दुकान की एक चाबी मकान मालिक देवेन्द्र खण्डेलवाल के पास है। जिसका लड़का धीरज व देवेन्द्र किराये लेते व दुकान को संभालने के लिए आते रहते है तो यह दवाइयों व पाउडर उन्हीं का हो सकता है। इसी दौरान मुखबिर खास से भी सूचना प्राप्त हुई कि इस बिल्डिंग का मालिक देवेन्द्र खण्डेलवाल व उसका लड़का धीरज पूर्व में अवैध मादक पदार्थ की तस्करी में लिप्त रहे है और उक्त नशीली दवाईया वपाउडर भी उन्हीं के है। पुलिस टीम संदिग्ध आरोपी देवेन्द्र खंडेलवाल एवं धीरज खंडेलवाल का पूरा नाम पते तस्दीक की जा रही है।

फर्जी आई बना कर क्रिप्टोकरेंसी यूएसडीटी लूट और धोखाधड़ी करने वाला मास्टर माइंड गिरफ्तार

जयपुर। सिंधी कैंप थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए फर्जी आई बना कर सोशल मीडिया के मार्फत क्रिप्टो करेंसी यूएसडीटी लूट और धोखाधड़ी करने वाले मास्टर माईंड को धर-दबोचा है। पुलिस जानकारी में सामने आया कि गिरफ्तार आरोपी आईआईटी का छात्र है। फिलहाल आरोपी से पूछताछ की जा रही है।

पुलिस उपायुक्त जयपुर पश्चिम अमित कुमार ने बताया कि सिंधी कैंप थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए फर्जी आई बना कर सोशल मीडिया के मार्फत क्रिप्टो करेंसी यूएसडीटी लूट और धोखाधड़ी करने वाले मास्टर माईंड और वांछित आरोपी 21 वर्षीय दीव्यांशु सिंह श्याम उर्फ गुल्ला निवासी सुभाष चौक जयपुर को गिरफ्तार किया है।

थानाधिकारी (पुलिस उप निरीक्षक) श्याम सुन्दर शर्मा ने बताया कि 21 नवम्बर 2024 को पीडित समीर खान निवासी चुरू ने सिंधी कैंप थाने में मामला दर्ज करवाया था कि 14 नवम्बर 2024 को श्याम नामक व्यक्ति ने शेयर मार्केट में नौकरी दिलाने का मैसेज कर जयपुर बुलाया। जहां पीड़ित अपने दो दोस्तों के साथ जयपुर आने पर सिंधी कैंप से उन्हें गाडी में बैठा कर दौलतपुरा टोल की तरफ सुनसान जगह ले गए।

सात प्रतिष्ठानों से लिए गए सैंपल अनसेफ मिले

जयपुर। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. रवि सिंह शेखावत ने बताया कि आयुक्त खाद्य सुरक्षा एवं औषधि नियंत्रण राजस्थान के निर्देशानुसार लिये गये खाद्य पदार्थों के नमूनों में से अनसेफ पाये गये प्रकरणों में निम्न फर्मों रस्तोगी सेल्स प्राइवेट लिमिटेड जयपुर का एमडीएच गरम मसाला, श्याम धणी इंडस्ट्रीज जयपुर का श्याम धणी गरम मसाला, लक्ष्मी स्वीट्स केटर्स सुभाष चौक जयपुर की नमकीन,पेट पूजा होटल महादेव बनीपार्क जयपुर की ग्रेवी, अमरलाल स्वीट्स केटर्स जयपुर के लडडू,लक्ष्मी जोधपुर मिष्ठान भंडार, स्वेज फार्म जयपुर के लड्डू, मोहम्मदी पैलेस चांदपोल जयपुर की ग्रेवी, चिकन चंगेजी एवं काली मिर्च, के विरुद्ध प्रकरण मुख्य महानगर मजिस्ट्रेट जयपुर प्रथम/द्वितीय में प्रस्तुत किये जा चुके हैं।

मालवीय नगर मडल में निकली तिंरगा यात्रा

जयपुर। मालवीय नगर विधानसभा के मालवीय नगर मंडल में तिरंगा यात्रा को विधायक कालीचरण सराफ ने रवाना किया। मंडल अध्यक्ष हरीश खड़िया ने बताया कि तिरंगा यात्रा सेक्टर 10 काली माता मंदिर से रवाना होकर पालिका बाजार होते हुए शहीद अमित भारद्वाज पार्क पर जाकर संपन्न हुई। तिरंगा यात्रा महिला आयोग की पूर्व अध्यक्ष सुमन शर्मा के नेतृत्व में निकली।

चार पुलिस स्टेशनों पर बम की झूठी सूचना देने वाला बदमाश गिरफ्तार

जयपुर। विधायकपुरी थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए चार पुलिस स्टेशनों पर बम गिराने की धमकी की झूठी सूचना देने वाले बदमाश को गिरफ्तार किया है। पुलिस पूछताछ में सामने आया कि आरोपी ने भारत-पाकिस्तान के बीच तनावपूर्ण माहौल के चलते शराब के नशे में पुलिस कंट्रोल रूम में कॉल कर पाकिस्तान से आए कुछ लोगों के चौमू,सामोद, बनीपार्क और सांगानेर थानों पर बम गिराने की झूठी सूचना दी थी। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से धमकी में यूज मोबाइल व सिम कार्ड को जब्त किया है। फिलहाल आरोपी से पूछताछ की जा रही है।

पुलिस उपायुक्त जयपुर (दक्षिण) दिगंत आनंद ने बताया कि विधायकपुरी थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए चार पुलिस स्टेशनों पर बम गिराने की धमकी देने वाले बदमाश समुद्र सिंह (40) निवासी गांव भोपावास सामोद जयपुर ग्रामीण को गिरफ्तार किया। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से धमकी भरा कॉल में यूज मोबाइल व सिम कार्ड जब्त किए है। पुलिस पूछताछ में सामने आया है कि आरोपी समुद्र सिंह एम.ए पास है, जो शराब के नशे का आदी है। उसके खिलाफ पहले लड़ाई-झगड़े और जमीन से संबंधित मामले चल रहे है। जिससे परेशान होकर शराब के नशे में जानबूझकर भारत-पाकिस्तान के बीच चल रहे तनावपूर्ण माहौल को ढाल बनाकर पुलिस कंट्रोल रुम में फोन कर चार थानों पर पाकिस्तान से आए कुछ लोगों के बम गिराने की झूठी सूचना दे डाली। थानाधिकारी बनवारी लाल मीणा ने बताया कि विधायकपुरी थाने में पुलिस कंट्रोल रूम में तैनात एएसआई रमेश चंद्र ने थाने में मामला दर्ज करवाया था कि अनजान कॉलर ने मोबाइल से पुलिस के डायल-100 पर कॉल किया।

जयपुर की रुचि गुर्जर का 'रेड कारपेट लुक' बना चर्चा का विषय

जयपुर। जयपुर की रुचि गुर्जर कांस के रेड कारपेट पर चर्चा का विषय बनी हुई है। अपने राजस्थानी पहनावे और अनोखे जेवरों से रुचि ने कांस में सभी के आकर्षण अपनी ओर खींचा।

जयपुर की रहने वाली रुचि ने मुंबई में अपनी एक्टिंग का सिक्का जमाया और अब अपनी फ़िल्म 'लाइफ' के लिए कांस फ़िल्म फेस्टिवल की 2025 जा पहुंची है। इस दौरान रुचि ने रेड कारपेट पर रेड और गोल्ड थीम पर राजस्थानी पोशाक और संस्कृति को शोकेस किया। वहीं राजस्थानी बोलड़े को माथे पर सजाए रुचि ने गले के हार में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की तस्वीरों को सजाया। डिज़ाइनर रूपा शर्मा ने रुचि की रेड कारपेट पोशाक गोल्डन रेड लहंगे को शीशे, गोटा पट्टी और कढ़ाई से सजाया। जिसमे जयपुर की शाही कला को आधुनिक स्टाइल से परोसा। जहां लहंगे के साथ ज़रिबारी के डिज़ाइनर राम द्वारा बनाया गया बंधनी दुपट्टा पहना, जो ज़रदोज़ी और गोटा पट्टी से सुसज्जित था। इस लुक का असली आकर्षण का केंद्र रुचि के प्रधानमंत्री मोदी से प्रेरित हार था। बारीकी से बनाई गई इस जड़ाऊ ज्वेलरी ने न सिर्फ फैशन स्टेटमेंट दिया, बल्कि देशभक्ति की भावना को भी उजागर किया।

सेवानिवृत होने वाले कर्मचारियों को न्याय दिलाने की मांग

जयपुर। आज अखिल राजस्थान राज्य कर्मचारी संयुक्त महासंघ एकीकृत एवं राजस्थान राज्य कर्मचारी संघ के संयुक्त शिष्ट मंडल ने अतिरिक्त मुख्य सचिव वित्त अखिल अरोड़ा एवं कार्मिक सचिव के के पाठक को ज्ञापन सौंप कर छोटे विभाग के कर्मचारियों को भी आर्थिक न्याय दिलाने की मांग की। कर्मचारी महासंघ के प्रदेश अध्यक्ष गजेंद्र सिंह राठौड़ एवं राजस्थान राज्य कर्मचारी संघ के प्रदेश महामंत्री देवेंद्र सिंह नरूका ने संयुक्त विज्ञिप्त जारी कर बताया कि छोटे विभाग में पदोन्नति के कम अवसरों के कारण चार बार कैडर रिव्यू करने के पश्चात भी ऐसे मंत्रालयिक कर्मचारी जिनका पहला प्रमोशन 2022 साल में हुआ है वह आज 4200 के वेतन में ही सेवानिवृत होने को मजबूर है जबकि उनके ही साथके बड़े विभाग में पद स्थापित साथी ग्रेड पे 6600 तक वेतन ले रहे हैं। अतिरिक्त मुख्य सचिन अखिल अरोड़ा एवं कार्मिक शासन सचिव के के पाठक द्वारा आश्वस्त किया गया से जल्दी ही सबकी प्रथम नियुक्ति की दिनांक और वर्तमान में धारित पद एवं वेतन की सूचनाये एकत्रित कर सभी के साथ न्याय किया जाएगा।

शिष्टमंडल में गजेंद्र सिंह राठौड़, देवेंद्र सिंह नरूका, ओम प्रकाश चौधरी, पप्पू शर्मा आशीष सिंह शेखावत रामावतार मीणा आदि कर्मचारी नेता शामिल थे।

प्रदेश में प्रत्येक ग्राम पंचायत स्तर पर निकलेगी तिरंगा यात्रा : अंकित चेची

जयपुर। भाजपा प्रदेश मंत्री एवं तिरंगा यात्रा के प्रदेश संयोजक भूपेंद्र सैनी ने मंगलवार को प्रदेश कार्यलय में तिरंगा यात्रा और सिंदूर यात्रा को लेकर प्रेसवार्ता की। सैनी ने बताया कि ऑपरेशन सिंदूर की सफलता के बाद

- राजस्थान के 7 संभाग, 44 जिलों, 72 विधानसभाओं और 338 मंडल स्तर पर निकाली गई तिरंगा यात्रा, 4.45 लाख नागरिकों की रही सहभागिता : भूपेंद्र सैनी

देशभर में तिरंगा यात्रा निकाली जा रही है। देशवासियों में देशभक्ति की भावना को और अधिक मजबूत करने के उद्देश्य से निकाली जा रही तिरंगा यात्रा को प्रदेश में भरपूर समर्थन मिल रहा है। तिरंगा यात्रा में महिलाएं, पुरूष, सेना के सेवानिवृत्त अधिकारी, जवान, शहीदों परिवार के सदस्य, एनसीसी के स्टूडेंट्स, साधु-संत शामिल हो रहे है।

तिरंगा यात्रा प्रदेश संयोजक भूपेंद्र सैनी ने बताया कि राजस्थान में 15 मई से जयपुर संभाग स्तर पर शुरू की गई तिरंगा यात्रा जिला, मंडल, विधानसभा, शक्ति केंद्र, बूथ, ग्राम पंचायत स्तर तक निकाली जाएगी। अब तक प्रदेश के 7

भाजपा प्रदेश मंत्री एवं तिरंगा यात्रा के प्रदेश संयोजक भूपेंद्र सैनी और अंकित चेची ने मंगलवार को प्रदेश कार्यलय मे तिरंगा यात्रा और सिंदूर यात्रा को लेकर प्रेसवार्ता की।

संभाग और 44 जिलों में तिरंगा यात्रा निकाली जा चुकी है। प्रदेश की 72 विधानसभाओं में और भाजपा के 338 मंडल स्तर पर भी बड़े स्तर पर तिरंगा यात्रा निकाली गई। अब तक प्रदेशभर में 454 कार्यक्रम आयोजित किए गए, इनमें 4 लाख् 45 हजार नागरिकों की सहभागिता रही। सैनी ने बताया कि 31 मई तक प्रदेश के 8297 शक्ति केंद्र और 52187 बूथ स्तर पर भी तिरंगा यात्रा निकाली जाएगी। इसके साथ ही प्रदेश के प्रत्येक ग्राम पंचायत स्तर पर भी तिरंगा यात्रा निकलेगी।

तिरंगा यात्रा प्रदेश संयोजक अंकित चेची ने बताया कि तिरंगा यात्रा किसी राजनीतिक पार्टी का कार्यक्रम नहीं है, ना ही इसमें भाजपा का झंडा, भाजपा के नारे लगाए जा रहे है, बल्कि तिरंगा यात्रा भारतीय सैनिकों के मनोबल बढ़ाने के लिए आमजन का कार्यक्रम है। इसमें हर वर्ग, हर समुदाय और हर क्षेत्र के लोग बढ़चढ़ कर अपनी भागीदारी निभा रहे है। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने भी सीमा पर जाकर भारतीय जवानों को बधाई दी और मुंह मीठा करवाया। भारतीय सेना के समर्थन में निकाली जा रही तिरंगा और सिंदूर यात्रा में प्रत्येक नागरिक अपने आप को गौरवान्वित महसूस कर रहा है। आगामी तिरंगा यात्रा में हम सभी को बढ़ चढ़कर सहभागिता निभानी है। प्रेसवार्ता में भाजपा प्रदेश मीडिया संयोजक प्रमोद वशिष्ठ और प्रेमसिंह बनवासा भी उपस्थित रहे।

बीकानेर में पीएम मोदी की सभा में करीब एक लाख लोगों के आने की संभावना

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने बताया कि सभा में एक लाख के करीब लोग शामिल होंगे

बीकानेर, (कासं)। ऑपरेशन सिंदूर की सफलता के बाद प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पहली बार बीकानेर में आमसभा को संबोधित करेंगे। साथ ही देशनोक सहित देशभर के सौ से ज्यादा रेलवे स्टेशनों के नवीनीकरण का लोकार्पण करेंगे। भारतीय जनता पार्टी संभाग कार्यालय में आायोजित पत्रकार वार्ता में जानकारी देते हुए भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने बताया कि सभा में एक लाख के करीब लोग शामिल होंगे। राठौड़ ने बताया कि ऑपरेशन सिंदूर में हमारे सैन्य बलों के शौर्य वीरता का परिचय देते हुए दुश्मन देश पाकिस्तान की धरती पर जो आतंकी कैंपों को ध्वस्त कर 100 से ज्यादा आतंकियों को मार गिराया, पाकिस्तान में गैर जिम्मेदाराना हरकत हुए हमारे नागरिकों को निशाना बनाने का असफल प्रयास किया। इस ऑपरेशन सिंदूर में हमारे सैन्य बलों के साथ-साथ नागरिकों के जोश राष्ट्रीय भक्ति की भावना का जो परिचय दिया वह अपने आप में ऐतिहासिक है। सेना ने पाकिस्तान की 12 एयरबेस को तबाह किया। कई सैन्य ठिकानों को तबाह किया जहां से आतंकी संगठनों को सहयोग, आतंकी गति विधियों का संचालन किया जाता था।

भाजपा संभाग कार्यालय में भाजपा प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़ व केन्द्रीय मंत्री अर्जुनराम मेघवाल ने पत्रकार वार्ता को संबोधित किया।

■ **ऑपरेशन सिंदूर की सफलता के बाद प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पहली बार बीकानेर में आमसभा को संबोधित करेंगे**

ऑपरेशन सिंदूर में अहम भूमिका निभाने वाली मुस्लिम सैन्य अधिकारी पर मध्यप्रदेश के मंत्री द्वारा दिए गये विवादित बयान पर पूछे गये प्रश्न का गोलमोल जबाब देते हुए भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने कहा कि भाजपा धर्म के आधार पर भेदभाव की अनुशासनहीनता का बर्दाश्त नहीं करती है। इस प्रकार की बयानबाजी पर पार्टी ने नाराजगी जताई है। हमने उनका सम्मान नहीं किया बल्कि प्रताड़ित किया। किन्तु उन्हें पद से नहीं हटाने पर जबाब देने से बचते दिखे। साथ ही तिरंगा यात्रा के दौरान जयपुर विधायक व बीकानेर विधायक द्वारा तिरंगे के अपमान पर बचाव करते नजर आए।

राठौड़ द्वारा स्थानीय विधायकों व कार्यकर्ताओं की सुनवाई नहीं होने पर पूछे सवाल का जबाव देते हुए डेढ़ साल में किये गये कार्यों का गुणगान जरूर किया पर इनकी सुनवाई नहीं होने पर संतोषजनक जबाव नहीं दे पाए। बीकानेर शहर व देहात कार्यकारिणी के गठन में हो रहे विलम्ब पर पार्टी संविधान का हवाला देते हुए जल्द गठन के संकेत दिए। फाइटर प्लेन पर राहुल गांधी के सवाल पर राठौड़ ने कहा कि राहुल किसी विषय पर तैयारी ही नहीं करते।

डोटासरा के इस्तीफे पर राठौड़ ने कहा कि उनका व्यवहार कैसा है, किसी से छिपा नहीं है। वे सदन से बहिष्कृत किये जा चुके हैं। पत्रकार वार्ता के दौरान केन्द्रीय मंत्री अर्जुनराम मेघवाल, राजस्थान किसान आयोग बोर्ड के अध्यक्ष सी. आर. चौधरी, प्रदेश उपाध्यक्ष मुकेश दाधीच, शहर जिलाध्यक्ष सुमन छाजेड़, देहात जिलाध्यक्ष श्याम पंचारिया, संगठन प्रभारी दशरथ सिंह शेखावत, ओम सारस्वत, प्रदेश मंत्री विजेंद्र पूनिया, मनीष सोनी, मुकेश आचार्य, विक्रम सिंह राजपुरोहित, देवीलाल मेघवाल, पवन स्वामी आदि उपस्थित थे।

कार और वैन की टक्कर में दो की मौत, पांच घायल

पाली, (नि.सं.)। पाली में बेकाबू अल्टो कार और वैन में आमने-सामने की भिड़ंत हो गई। हादसे में दो लोगों की मौत हो गई। वहीं पांच जने घायल हो गए। टक्कर इतनी भीषण थी कि दोनों गाड़ियां बुरी तरह डैमेज हो गई। लोगों ने कड़ी मशक्कत के बाद वैन और कार में फंसे घायलों को निकालकर अस्पताल भिजवाया। हादसा रानी थाने के वारकाना इलाके के रानी-नाडोल रोड पर हुआ। हादसे में घायल बच्ची बिलखते हुए पानी मांगती रही।

रानी थाना प्रभारी पन्नालाल ने बताया कि वारकाना के पास मंगलवार दोपहर 12 बजे दो गाड़ियों में आमने-सामने की टक्कर हो गई। हादसे में कार सवार जालोर के शंखवाली गांव निवासी रूप सिंह (50) और गुड़ा एंदला निवासी कूकाराम (60) की मौत हो गई। वहीं, राजू सिंह गंभीर घायल है, जिसे जोधपुर रेफर किया है। वैन सवार गुड़ा केसर सिंह निवासी देवी कंवर (50), उनका बेटा युगवीर (13), बेटी अक्षिता (10) और ड्राइवर वीराराम (50) घायल हो गए। उनका पाली के बांगड़ अस्पताल में इलाज चल रहा है। कार में सवार चाचा-भतीजा रूप सिंह और राजू सिंह घर में धार्मिक आयोजन के लिए कूकाराम को लेने आए थे। तीनों जालोर की तरफ जा रहे थे। कूकाराम की मौत की सूचना मिलने पर उनके परिजन हॉस्पिटल पहुंचे।

बच्ची से दुष्कर्म, दो गिरफ्तार

बीकानेर, (निसं)। फैक्टरी में काम करने वाले श्रमिक परिवार की 10 साल की बच्ची से दो पड़ोसियों ने दुष्कर्म किया। पुलिस ने आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। मुक्ताप्रसाद थाना पुलिस को दी गई रिपोर्ट में बताया गया है कि फैक्टरी में काम करने वाला श्रमिक परिवार थाना क्षेत्र में रहता है। पति-पत्नी काम पर चले जाते थे और 10 साल की बच्ची घर पर अकेली रहती थी। इस दौरान पड़ोस में रहने वाले पश्चिम बंगाल निवासी नरेश प्रधान और रिंकू बर्मन बच्ची को डरा-धमकाकर उससे दुष्कर्म करते थे। मामले की जांच कर रहे सीओ सिटी श्रवणदास संत ने बताया कि अभियुक्त नरेश श्रमिकों को बंगाल से लाकर बीकानेर की फैक्ट्रियों में काम दिलाता है। पीड़िता के माता-पिता को भी फैक्टरी में मजदूरी पर लगवाया इसलिए उसका घर आना-जाना था।

RAJASTHAN STATE GANGANAGAR SUGAR MILLS LIMITED
(Centre of Excellence for Revenue Research & Analysis) तृतीय मंजिल, अरण्य भवन के पास, झालाना डूंगरी, जयपुर-302004
Tel: 0141-2740841, Fax: 0141-2740676, Email-ID : dgmpurchase.rsgsm@rajasthan.gov.in

NIB. No. RSGSM/GP/RC/2025-26/PUR/07 Dated :- 19/05/2025

SHORT E-BIDS NOTICE

Bids for gum paste are invited from interested bidders up to 6.00 p.m. of 02.06.2025. Other particulars of the bid may be visited on the procurement portal **(http://eproc.rajasthan.gov.in and http://sppp.rajasthan.gov.in)** of the state.

UBN: GSM2526GLRC00018

Raj.Samwad/C/25/2599 Dy. General Manager (Purchase)

कार्यालय नगर पालिका राजगढ़ (चूरू) (राज0)

क्रमांक : — 1126 दिनांक :— 15.05.2025

Notice Inviting Bid

Bids for FIRM/CONT./COMPNY are invited from interested bidders upto 09:30 AM (time) 15-05-2025 (date). Other particulars of the bid may be visited on the procurement portal (http://eproc.rajasthan.gov.in, http://sppp.raj.nic.in) of the state website. The approximate value of the procurement in Rs 22.07 lacs

NIB Code-	UBN Code-
DLB2526A1321	DLB2526WSOB04831
DLB2526A1322	DLB2526SSOB04832

राज.संवाद / सी / 25 / 2673 Executive Officer Municipal Board Rajgarh (Churu)

अजमेर विकास प्राधिकरण, अजमेर
टोडरमल लेन, सिविल लाईन्स, अजमेर, Email :- ajmerada@gmail.com,
Website :- www.rajasthan.gov.in/ada, Tel.No. :- 0145-2627748-2627749

क्रमांक :- अविप्रा/प.2/तकनीकी/2025-26/15385163 दिनांक :- 19/05/2025

ई-निविदा सूचना संख्या 08/2025-26

अजमेर विकास प्राधिकरण, अजमेर की ओर से कार्य का नाम Supply, Assembly and installation of furniture at New office Building of ADA. राशि 236.00 लाख की ई-निविदा दिनांक 12.06.2025 सांय 06:00 बजे तक आमंत्रित की जाती है। निविदा से संबंधित समस्त विवरण वेबसाईट (http:://eproc.rajasthan.gov.in) एवं (http:://sppp.raj.nic.in) http:://www.urban.rajasthan.gov.in/ada पर देखा जा सकता है।

UBN No. : AJD2526GLOB00013

राज.संवाद/सी/25/2596 अधिशाषी अभियन्ता

रोडवेज बस और ट्रेलर की भिड़ंत, 13 से अधिक लोग घायल

सभी घायलों को एमडीएम अस्पताल में भर्ती कराया, तीन जनों की हालत गंभीर

जोधपुर, (कासं)। जोधपुर-नागौर हाइवे पर मंगलवार दोपहर एक रोडवेज बस और गलत दिशा में आए ट्रेलर की भिड़ंत हो गई। हादसे में 13 से अधिक लोग घायल हो गए। सभी घायलों को एमडीएम अस्पताल में भर्ती कराया गया है। तीन की स्थिति गंभीर बताई जा रही है।

करवड़ पुलिस ने बताया कि दोपहर साढ़े बारह बजे के करीब नागौर डिपो की बस गंगाराम प्याऊ इलाके में पहुंची थी, तभी सामने से रॉन्ग साइड में आ रहे ट्रेलर से टक्कर हो गई। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार ट्रेलर चालक शराब के नशे में था। डीसीपी (ईस्ट) आलोक श्रीवास्तव के निर्देशन में पुलिस ने क्रेन से वाहनों को हटवाकर यातायात सुचारू कराया। एमडीएम अस्पताल अधीक्षक डॉ. विकास राजपुरोहित के नेतृत्व में मेडिकल टीम पहले से तैयार थी। घायलों में वीरेंद्र, जितेंद्र, इश्तियाक अहमद, यास्मीन, किस्तूर राम, झूमरू देवी, प्रियंका, जसोदा, नरेंद्र, भगवान राम, पप्पू देवी और पोकरराम सहित अन्य शामिल हैं। एमडीएमएच में भर्ती इश्तियाक अहमद ने बताया कि उनके परिवार के तीन सदस्य घायल हुए हैं, लेकिन अब खतरे से बाहर हैं। एक अन्य घायल जनू देवी, जो खींवसर से जोधपुर जा रही थी, के पैर में चोट आई है।

सड़क हादसे में मां-बेटे की मौत

गुडामालानी, (नि.सं.)। मुख्यालय के अहिंसा सर्किल मेगा हाइवे पर दर्दनाक सड़क हादसे में मां-बेटे की मौके पर मौत हो गई। वहीं पिता घायल हो गया। सूचना पर पुलिस ने मौके पर पहुंचकर 108 एंबुलेंस की सहायता से दोनों शवों को गुडामालानी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र की मोर्चरी में रखवाया। अहिंसा सर्किल मेगा हाइवे पर मंगलवार सांय केसाराम पुत्र विरधाराम कलबी निवासी उद्दंडी जो अपनी पत्नी निर्मला देवी पुत्र मनमोहन के साथ मोटरसाइकिल पर गुडामालानी से अपने गांव जा रहे थे। इस दौरान अहिंसा सर्किल से थोड़ा सीनियर विद्यालय के पास पीछे आ रहे ट्रेलर चालक ने तेजगति एवं लापरवाही से चलाते हुए मोटरसाइकिल के टक्कर मारी दी। जिसमें केसाराम कलबी के मामूली चोंट आई। वहीं निर्मला देवी, उसका सात वर्षीय पुत्र मनमोहन टायर के निचे आने से दोनों की मौत हो गई।

पावटा : विराटनगर नगर पालिका क्षेत्र के भीमसेन पहाड़ी क्षेत्र में एक पैंथर के 20 फीट गहरे सूखे कुएं में गिरने से इलाके में हड़कंप मच गया। घटना की जानकारी मिलते ही स्थानीय ग्रामीणों ने तुरंत वन विभाग को सूचित किया। सूचना मिलते ही क्षेत्रीय वन अधिकारी वीरेंद्र सिंह अपनी टीम के साथ मौके पर पहुंचे और रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू किया। टीम सतर्कता और सूझबूझ के साथ कार्य करते हुए कुएं में एक सीढ़ी, रस्सियों की मदद से उतरी, ताकि पैंथर स्वयं ऊपर चढ़ सके। करीब दो घंटे चले रेस्क्यू ऑपरेशन के बाद पैंथर सुरक्षित रूप से कुएं से बाहर निकल आया। उसे किसी प्रकार की चोट नहीं आई और वह पास के पहाड़ी वन क्षेत्र की ओर चला गया।

राजस्थान सरकार
कार्यालय अधिशाषी अभियंता, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग, खण्ड द्वितीय, जयपुर
सी-ब्लॉक, बेसमेन्ट, स्वास्थ्य भवन, तिलक मार्ग, सी-स्कीम, जयपुर-302005 (राज.),

क्रमांक:248 **ई-निविदा सूचना संख्याः 05/2025-26** दिनांक:9-5-25

राजस्थान के राज्यपाल महोदय की ओर से चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग के अन्तर्गत जयपुर खंड कार्यालय में 12 सिविल एवं 03 विद्युत कार्य हेतु कुल राशि रू. 680.15 लाख के उपयुक्त श्रेणी में सार्वजनिक निर्माण विभाग / राज्य सरकार / केन्द्र सरकार के अधिकृत संगठनों / केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग / डाक एवं दूर संचार विभाग / रेल्वे इत्यादि में पंजीकृत अनुभवी संवेदकों, जो कि राजस्थान सरकार के उपयुक्त श्रेणी के संवेदकों के समकक्ष किसी भी श्रेणी में पंजीकृत अनुभवी संवेदकों से निर्धारित प्रपत्र में ई-प्रोक्यूरमेंट निविदायें आमंत्रित की जाती है। निविदा से सम्बन्धित विवरण DIPR की वेब साईट www.dipronline.Org. www.sppp.raj.nic.in. http://eproc.rajasthan.gov.in व विभागीय वेब साईट http://rajswasthya.nic.in पर देखा जा सकता है। अधिशाषी अभियन्ता चिकित्सा एवं स्वास्थ्य खण्ड द्वितीय, जयपुर
यू.बी.एन.न.- 1. MHS2526WSOB00920, 2. MHS2526WSOB00924, 3. MHS2526WSOB00927
4. MHS2526WSOB00928, 5. MHS2526WSOB00929, 6. MHS2526WSOB00931
7. MHS2526WSOB00932, 8. MHS2526WSOB00934, 9. MHS2526WSOB00935
10. MHS2526WSOB00936, 11. MHS2526WSOB00937, 12. MHS2526WSOB00939
13. MHS2526WSOB00941, 14. MHS2526WSOB00942, 15. MHS2526WSOB00943

DIPR/C/6353/2025 अधिशाषी अभियन्ता चिकित्सा एवं स्वास्थ्य खण्ड द्वितीय, जयपुर

राजस्थान राज्य वन विकास निगम लिमिटेड
कार्यालय महाप्रबंधक, क्षेत्रीय कार्यालय जयपुर अरावली भवन,संस्थानिक क्षेत्र झालाना डूंगरी जयपुर-302004

क्रमांक :- एफ3( )विकास/RSFDCLROJ/2025-26/ दिनांक :- 01/05/2025

खुली बोली नीलामी सूचना (UBN Code : FOR2526WSOB00104)

महाप्रबंधक, राजस्थान राज्य वन विकास निगम लिमिटेड, जयपुर के क्षेत्राधीन प्रादेशिक वनमण्डल, जयपुर की रेंज फागी के वनखण्ड झाराना बीड के वृक्षारोपण क्षेत्र में मौजूद वनोपज प्रोसोपिस जूलीफ्लोरा (विलायती बबूल) को जड़ सहित उन्मूलन हेतु दिनांक 21/05/2025 को 1.00 बजे तक खुली बोली नीलामी की जानी है। नीलामी की अनुमानित कीमत 100 लाख रूपये है। खुली बोली नीलामी से संबंधित अन्य विस्तृत दस्तावेज एवं शर्तें राज्य लोक उपापन पोर्टल की बेवसाईट sppp.raj.nic.in अथवा निगम की वेबसाईट http://forest.rajasthan.gov.in से देखे जा सकते है।

UBN : FOR2526WSOB00104

राज.संवाद/सी/25/2612 महाप्रबंधक राजस्थान राज्य वन विकास निगम लिमिटेड क्षेत्रीय कार्यालय, जयपुर

श्रीगंगानगर में 46.3, पिलानी में 45.9 डिग्री पहुंचा तापमान

शेखावाटी में लगातार तीसरे दिन पिलानी सबसे गर्म रहा

■ **सीकर में 42 तथा चूरू में 45.6 डिग्री तापमान दर्ज किया**

झुंझुनूं, (निसं)। लगातार तीसरे दिन मंगलवार को भी झुंझुनूं का पिलानी शेखावाटी में सबसे गर्म जगह रही। सीकर और चूरू से ज्यादा तापमान पिलानी का रहा। वहीं पिछले दो दिन से पिलानी प्रदेश की भी सबसे गर्म जगह थी, लेकिन मंगलवार को श्रीगंगानगर में सबसे ज्यादा गर्मी रही। श्रीगंगानगर में तापमान 46.3 डिग्री दर्ज किया गया। जो पिलानी से प्वाइंट 4 डिग्री ही ज्यादा था। पिलानी में अधिकतम तापमान 45.9 डिग्री दर्ज किया गया, जबकि सीकर में 42 तथा चूरू में 45.6 डिग्री तापमान दर्ज किया गया।

इससे पहले तीन दिन से पिलानी में लगातार दिन और रात, दोनों का तापमान बढ़ रहा था, जो अब थम गया। मंगलवार को ना केवल दिन का तापमान थोड़ा लुढका तो वहीं रात का तापमान में कोई परिवर्तन नहीं रहा। रात का तापमान मंगलवार को 30.2 डिग्री दर्ज किया गया। मौसम विभाग की मानें तो आने वाले दो-तीन दिनों तक गर्मी से राहत नहीं मिलेगी। नौतपा से पहले ही सूरज ने झुंझुनूं के लोगों को तपा दिया है।

बढ़ती गर्मी के चलते आमजन के साथ-साथ मंदिरों की दिनचर्या भी प्रभावित हुई है। गर्मी से निजात पाने के लिए लोगों ने अपने तरीके अपनाए हैं, वहीं मंदिरों में भगवान की प्रतिमाओं को ठंडक पहुंचाने के लिए विशेष प्रबंध किए गए हैं।

दादा की अस्थियां बहाने गए पांच भाई गंगा नदी में डूबे, दो की मौत

दोनों भाइयों के शव कछला घाट से आठ किमी दूर झाड़ियों में फंसे मिले

■ **जोर से चिल्लाने पर नाव चलाने वाले व्यक्ति ने तीन भाइयों को बचा लिया, दो नदी में डूब गये**

■ **परिवार के 35 सदस्य ट्रैक्टर-ट्रॉली से दादा की अस्थियां विसर्जन के लिए यूपी के सोरोंजी गए थे**

भरतपुर, (निसं)। सोमवार सुबह गंगा नदी (यूपी) में डूबे दो भाइयों के शव कछला घाट से करीब आठ किलोमीटर दूर झाड़ियों में फंसे मिले। दोनों के शव बदायूं अस्पताल की मोर्चरी में रखवा दिए हैं। पोस्टमार्टम के बाद उनके शवों को भरतपुर लाया जाएगा।

जानकारी के अनुसार भरतपुर जिले में चिकसाना थाना इलाके के पीरनगर गांव से दोनों भाई अपने परिवार के साथ दादा की अस्थियां विसर्जन के लिए यूपी के सोरोंजी गए थे। वहां से जब वह बदायूं जिले में गंगा नदी के कछला घाट पर नहाने लिए गए तो परिवार के पांच भाई गंगा नदी में डूब गए, जिसमें से तीन को बचा लिया गया, लेकिन सुमित (17) पुत्र विजय सिंह और समीर (16) पुत्र रामवीर सिंह नदी में बह गए। 24 घंटे बाद मंगलवार सुबह दोनों के शव झाड़ियों में फंसे मिले।

मोनू ने बताया कि मैं और मेरे चाचा-ताऊ के चार बेटे गंगा नदी में नहाने के लिए गए थे। नहाने वाली जगह एक गड्ढा था, जिसमें हम पांचों भाई डूबने लगे। वहां पास से एक नाव जा रही थी, नाव चलाने वाले व्यक्ति ने जब हमें डूबते देखा तो वह नाव से कूदकर हमारे पास आया और उसने हम तीन भाइयों भोला, अमित और मुझे (मोनू) बचा लिया। वह हमें नदी किनारे छोड़कर वापस सुमित और समीर को बचाने के लिए गया, तो वहां पर वे दोनों नहीं मिले। मोनू ने बताया कि जब हम लोग डूब रहे थे तो, हमारे नाक और मुंह में पानी चला गया। हम पानी में हाथ-पैर मारते रहे, हम जोर से चिल्लाये तो, नाव वाला व्यक्ति हमें बचाने के लिए आया। हम पांचों भाई बेहोश हो गए, उसके बाद हमें कुछ याद नहीं है।

परिवार के सदस्य नवीन कुमार ने बताया कि 13 मई को हमारे बाबा अमर सिंह (90) का निधन हो गया था। रविवार को करीब 35 सदस्य ट्रैक्टर-ट्रॉली से उनकी अस्थियां विसर्जन के लिए सोरोंजी गए थे। शाम के समय हम वहां पहुंच गए। शाम को सोरोंजी रुके और सोमवार सुबह अस्थि विसर्जन कर कछला घाट चले गए। वहां पर परिवार के सभी लोग नहा रहे थे। इस दौरान भोला (24), अमित (26), मोनू (18), सुमित (17), समीर (16) नहाने के लिए गहरे पानी में चले गए, वहां पांचों भाई डूबने लगे, जहां एक नाविक ने तीन भाइयों को बचा लिया, दो भाई नहीं मिले।

नवीन ने बताया कि घटना की सूचना वहां मौजूद पुलिस को दी गई। पुलिस ने सुमित और समीर को बचाने के लिए रेस्क्यू ऑपरेशन चलाया। सुबह दोनों के शव कछला पुल से करीब आठ किलोमीटर आगे झाड़ियों में फंसे मिले। फिलहाल उनके शवों को बदायूं अस्पताल की मोर्चरी में रखवा दिया गया है। पोस्टमार्टम करवाकर उनके शवों को भरतपुर लाया जाएगा।

कार्यालय नगर पालिका मांगरोल, जिला-बारां (राज0)

क्रमांक / न.पा.मा. / 2025 / 777 दिनांक 13.05.2025

ई निविदा सूचना वर्ष 2025-26

NIB CODE- DLB2526A1499

नगर पालिका मांगरोल द्वारा सिविल कार्य हेतु सक्षम श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों / फर्मो से 01 कार्यो की मोहरबन्द **Online** निविदा (तकनीकी व वित्तीय दो लिफाफा पद्धति) आमंत्रित की जाती हैं। निविदा **Online** दिनांक 21.05.2025 से 02.06.2025 तक प्राप्त कर दिनांक 03.06.2025 को खोली जावेगी। निविदा संबंधी विवरण का अवलोकन नगर पालिका मांगरोल कार्यालय में किसी भी कार्य दिवस को देखा जा सकता है।

कार्य का विवरण www.sppp.raj.nic.in पर देखा जा सकता हैं एवं कार्य की **Online** निविदा http://eproc.rajasthan.gov.in पर ही प्राप्त की जावेगी।

क्र.सं.	UBN No.
1	DLB2526WSOB05276

राज.संवाद / सी / 25 / 2618 अधिशाषी अधिकारी नगर पालिका मांगरोल

जयपुर विकास प्राधिकरण
इन्दिरा सर्किल, जवाहर लाल नेहरु मार्ग, जयपुर-302004

क्रमांक : जविप्रा / अ.अ.-7 / 093 / 2025-26 / डी-369 दिनांक : 17.05.2025

निविदा सूचना

निविदा सूचना सं. जविप्रा / अधि.अभि.-7 / 14 / 2025-26

जयपुर विकास प्राधिकरण द्वारा "जविप्रा जोन-7 क्षेत्र में गिरधारीपुरा कच्ची बस्ती में पम्पिंग स्टेशन का निर्माण कार्य जिसकी अनुमानित लागत राशि रू. 149.18 लाख के लिए ऑनलाईन बिड्स दिनांक 28.05.2025 सांय 6:00 बजे तक आमंत्रित की जाती हैं। निविदा बोली का ऑनलाईन आवेदन व भुगतान जविप्रा पोर्टल पर करने की अन्तिम तिथि 28.05.2025 को सांय 6.00 बजे तक हैं। निविदा बोली के दस्तावेजों का विस्तृत विवरण www.sppp.rajasthan.gov.in, www.eproc.rajasthan.gov.in and www.jda.rajasthan.gov.in पर देखा जा सकता है।

UBN No.: JDA2526WSOB00168

निविदा में भाग लेने वालो को निम्न शर्तो की पूर्ति करनी होगी :-

1. निविदादाता जयपुर विकास प्राधिकरण की वेबसाईट www.jda.rajasthan.gov.in पर पंजीकृत हो एवं निविदा में भाग लेने के लिए बोलीदाता को आवेदन करने के लिए दस्तावेज शुल्क, अमानत राशि, आर.आई.एस.एल प्रोसेसिंग शुल्क ऑनलाईन जमा करनी होगी।
2. ऑनलाईन निविदा प्रस्तुत करने के लिए निविदादाताओं का राजस्थान सरकार के ई-प्रोक्यूरमेंट पोर्टल www.eproc.rajasthan.gov.in पर पंजीकृत हो।

राज.संवाद/सी/25/2679 अधिशाषी अभियन्ता-7

झाड़ियों में युवती का लहूलुहान शव मिला

युवती के हाथों में मेहंदी लगी हुई है, बाएं हाथ पर 'ॐ' का टैटू बना है

■ **युवती का चेहरा कुचलकर शिनाख्त मिटाने की कोशिश की गई थी**

■ **एफएसएल और डॉग स्क्वायड टीम को साक्ष्य जुटाने के लिये बुलाया**

■ **पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद खुलासा होगा**

उदयपुर, (कासं)। उदयपुर में गोगुंदा थाना क्षेत्र में मंगलवार को एक युवती का शव लहूलुहान अवस्था में खून से सना हुआ मिला। घटना का पता लगते ही गांव में सनसनी फैल गई।युवती का चेहरा इस कदर कुचला हुआ था कि उसके आंख, नाक और मुंह में गहरे घाव हैं। हाथ-पैर पर भी चोट के निशान थे।

जानकारी के अनुसार घटना जसवंतगढ़ स्थित आड़ी सड़क पावर हाउस के पास की है, जहां किसी ग्रामीण ने शव पड़ा हुआ देखा तो तुरंत पुलिस को सूचना दी। सूचना पर गोगुंदा थाना पुलिस मौके पर पहुंची और घटना की जानकारी ली। साथ ही एफएसएल और डॉग स्क्वायड टीम भी साक्ष्य जुटाने में लगी है।

दोनों हाथों में मेहंदी लगी थी और बाएं हाथ पर 'ॐ' का टैटू :-पुलिस के अनुसार युवती के दोनों हाथों में मेहंदी लगी हुई थी। वहीं बाएं हाथ पर 'ॐ' का टैटू बना हुआ है। प्राथमिक जांच युवती की हत्या की आशंका जताई जा रही है। संभावना है कि अज्ञात बदमाशों ने किशोरी की बेरहमी से हत्या कर शव को झाड़ियों में फेंका और पहचान छिपाने के इरादे से उसके चेहरे को पत्थरों से बुरी तरह कुचल दिया। हालांकि पुलिस का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट और गहनता से जांच के बाद पूरे मामले का खुलासा होगा।

गोगुंदा थाना अधिकारी श्यामसिंह ने बताया कि संभावना है कि युवती को किसी ने पत्थर से कुचलकर मारा है। मृतक की फिलहाल शिनाख्त नहीं हो पाई है। युवती की पहचान के लिए फोटो भेजकर कर आस-पास के थानों में गुमशुदगी की रिपोर्ट खंगालनी शुरू कर दी है। फिलहाल पुलिस ने अज्ञात बदमाशों के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। युवती के शव को उदयपुर चिकित्सालय की मोर्चरी में रखवाया गया है।

गौरतलब है कि करीब एक साल पहले थाना क्षेत्र के भादवि गुड़ा के पास भी एक युवती का शव इसी तरह झाड़ियों में मिला था, जिसकी शिनाख्त आज तक नहीं हो सकी है। उस मामले को पुलिस ने देह व्यापार से जोड़कर जांच की थी। इधर ग्रामीणों का कहना है कि इस क्षेत्र में हाइवे के किनारे कई होटल संचालित हैं जहां अवैध रूप स देह व्यापार का धंधा चल रहा है। पुलिस को इस मामले में सख्त कदम उठाने चाहिए।

ट्रांसफार्मर से भरे ट्रक में आग लगी, लाखों का नुकसान

■ **डेढ़ घंटे बाद पहुंची फायर ब्रिगेड**

बीकानेर, (निसं)। महाजन में एक्सप्रेस-वे राजमार्ग पर ट्रांसफार्मर से भरे ट्रक में लगी आग से लाखों का सामान जल गया। आग के बाद ट्रांसफार्मर सिर्फ लोहे के ढांचे रह गए।

महाजन थाना अधिकारी कश्यप सिंह ने बताया कि रात करीब साढ़े आठ बजे एक्सप्रेस-वे पर जैतपुर टोल प्लाजा से हनुमानगढ़ की तरफ एक ट्रक में आग लगने की सूचना मिली। सूचना के तुरंत बाद पुलिस मौके पर पहुंची। फायर ब्रिगेड को बुलाया गया और आग पर काबू पाया गया। थाना अधिकारी ने बताया कि मिली सूचना से प्रथमदृश्य ट्रक पूर्व में यहीं पर खड़ा था, जिसमें अचानक अज्ञात कारणों से आग लग गई। हालांकि दमकल के देरी से पहुंचने के कारण आग पर काबू करीब डेढ़ घंटे बाद पाया गया। फायर ब्रिगेड को सूचना करने के बाद भी करीब एक घण्टे देरी से पहुंची। फायर ब्रिगेड को सूरतगढ़ से बुलाया गया था, हालांकि इससे पहले सूरतगढ़ थर्मल स्टेशन पर फायर ब्रिगेड को सूचना की गई थी। समय रहते दमकल की व्यवस्था होती तो इतना बड़ा नुकसान नहीं होता। पुलिस ने बताया कि ट्रक की छानबीन करने पर ट्रक में कोई व्यक्ति नहीं मिला और ना ही ट्रक के ड्राइवर व खलासी आसपास कहीं दिखाई दिए। उक्त ट्रक हरियाणा नंबर का बताया जा रहा है, जो पंजाब की तरफ से आ रहा था और बीकानेर की तरफ जा रहा था, जोकि वहां पर पूर्व में ही खड़ा था।

कार्यालय नगर पालिका मण्डल, चाकसू

क्रमांक न.पा.चा. / विकास / 2025 / 1092 दिनांक: 16.05.2025

ई-निविदा सूचना संख्या 08/2025-26

नगर पालिका चाकसू की ओर से निम्न कार्य के लिए उपयुक्त श्रेणी में नगर पालिका चाकसू में पंजीकृत उपयुक्त श्रेणी के संवेदकों एवं अन्य विभागो के संबंधित "A" "AA" श्रेणी में पंजीकृत संवेदको एवं स्वायत्त शासन विभाग में पंजीकृत उपयुक्त श्रेणी के संवेदको से, जो कि राजस्थान सरकार के उपयुक्त श्रेणी के संवेदकों के समकक्ष हो, उनके निर्धारित प्रपत्र में ई-प्रोक्युरमेन्ट प्रक्रिया हेतु ऑन-लाईन बोली आमंत्रित की जाती है, बोली फार्म एवं ई-बोली से सम्बन्धित विवरण व शर्ते वेब साईट www.sppp.rajasthan.gov.in & http://www.eproc.rajsthan.gov.in पर देखा जा सकता है।

S. No	UBN No.	S. No	UBN No.
1	DLB2526WSOB04969	12	DLB2526WSOB04984
2	DLB2526WSOB04971	13	DLB2526WSOB04985
3	DLB2526WSOB04972	14	DLB2526WSOB04986
4	DLB2526WSOB04973	15	DLB2526WSOB04987
5	DLB2526WSOB04974	16	DLB2526WSOB04989
6	DLB2526WSOB04976	17	DLB2526WSOB04990
7	DLB2526WSOB04977	18	DLB2526WSOB04991
8	DLB2526WSOB04978	19	DLB2526WSOB04992
9	DLB2526WSOB04980	20	DLB2526WSOB04993
10	DLB2526WSOB04981	21	DLB2526WSOB04994
11	DLB2526WSOB04982		

राज.संवाद / सी / 25 / 2622 अधिशाषी अधिकारी नगर पालिका चाकसू

ए.सी.एस. के आदेश के पांच दिन बाद भी दिनेश कूकना जेडीए की कुर्सी नहीं छोड़ रहे

अतिरिक्त मुख्य सचिव भास्कर सावंत ने 15 मई को संयुक्त शासन सचिव को आदेश दिए थे कि तत्काल दिनेश कूकना को जलदाय विभाग जॉइन कराया जाए

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। जलदाय मंत्री कन्हैया लाल चौधरी और अतिरिक्त मुख्य सचिव भास्कर ए सावंत के आदेश के बावजूद भी अधिशासी अभियंता दिनेश कूकना जेडीए की कुर्सी नहीं छोड़ रहे हैं। जबकि एसीएस सावंत ने इस 15 मई को जलदाय विभाग के संयुक्त शासन सचिव प्रथम प्रवीण कुमार लेखरा को निर्देश दिए थे कि आसियान दिनेश कूकना को तुरंत विभाग जॉइन कराया जाए। इस आदेश के पांच दिन बाद भी न तो दिनेश कूकना ने जेडीए की कुर्सी छोड़ी और ना ही जलदाय विभाग ने उनके खिलाफ कोई एक्शन लिया।

उधर संयुक्त शासन सचिव प्रवीण कुमार लेखरा ने एसीएस के आदेश की पालना करवाने के बजाय इस मामले को इधर उधर टरकाकर लीपापोती कर डाली। उन्होंने मुख्य अभियंता और अतिरिक्त सचिव संदीप शर्मा को पत्र लिखकर एसीएस के आदेश की पालना करवाने के लिए कहते हुए मामला टालने की कोशिश की, जिसके जवाब में अब संदीप शर्मा ने वापस लेखरा को पत्र लिख कर कहा है कि, यह कार्रवाई आपके स्तर पर होनी है, मेरे नहीं। कुल मिलाकर जनवरी माह में हुए ट्रांसफर आदेश की 4 माह बाद भी पालना करवाने के बजाय जलदाय विभाग के अफसर एक्सएन दिनेश कूकना पर मेहरबानी बनाए हुए हैं। जबकि राजस्थान सिविल सेवा प्राधिकरण ने भी कूकना को ट्रांसफर आदेश पर स्टे देने से मना कर दिया था, इसके बाद राजस्थान हाईकोर्ट में जब उन्होंने स्टे याचिका लगाई तो कोर्ट ने उन्हें फटकार लगाते हुए तुरंत ट्रांसफर आदेश की पालना सुनिश्चित करते हुए नव पदस्थापित स्थान पर ड्यूटी जॉइन करने के लिए कहा था। अदालत की इस फटकार के बाद कूकना की ओर से हाईकोर्ट में कहा गया कि वे जल्द ही ट्रांसफर आदेश की पालना कर लेंगे, परंतु उन्होंने अपनी हठधर्मिता नहीं छोड़ी।

मजेदार बात यह है कि, इस पूरे प्रकरण में जयपुर विकास प्राधिकरण के अफ़सर दिनेश कूकना को रिलीव करने के बजाय चुप्पी साधे हुए है। जबकि जलदाय विभाग के मुख्य अभियंता संदीप शर्मा ने गत 29 अप्रैल को कूकना को पत्र लिखकर तत्काल जेडीए से स्वयं रिलीव होकर अधिशासी अभियंता कार्यालय मुख्य अभियंता (शहरी एवं एनआरडब्ल्यू) के पद का कार्यभार संभालने के आदेश दिए थे। इस पत्र में कहा गया था कि अगर आपको जयपुर विकास प्राधिकरण रिलीव नहीं करता है तो आप स्वयं कार्यमुक्त होवे । इस नोटिस की प्रतिलिपि जेडीए कमिश्नर को भी भेजी गई थी।

संदीप शर्मा ने इसी प्रकार का अन्याय एक नोटिस राजस्थान हाउसिंग बोर्ड में कार्यरत एक्सएन लखन सिंह मीणा को भी दिया था, जिसकी प्रति आवासन सचिव को भी दी गई थी । इस पत्र के बाद आवासन मंडल ने लखन सिंह मीणा को रिलीव कर दिया था । हालाँकि वहाँ भी अधिशासी अभियन्ता रामनिवास सिंघल और गीताराम मीणा भी कार्यरत हैं, जलदाय विभाग ने इन का भी तबादला 15 जनवरी के आदेश में किया था, परंतु वे ट्रिब्यूनल से स्टे आदेश ले आए।

इस पूरे प्रकरण में जलदाय मंत्री कन्हैयालाल चौधरी, प्रतिनियुक्ति पर लगे इस इंजीनियर्स की हठधर्मिता और ट्रांसफ़र आदेशों की अवहेलना से काफ़ी नाराज है । संभावना है कि जल्द ही इन अफसरों पर निलंबन जैसी कार्रवाई की जा सकती है।

जेल में स्मैक की तस्करी करने वाली महिला को पकडा

जयपुर। लाल कोठी थाना इलाके में स्थित जयपुर जेल में बन्दियों से मुलाकात करने के बहाने अवैध मादक पदार्थ स्मैक की तस्करी करने वाली एक महिला तस्कर को पकडा है और उसके पास से 2.67 ग्राम अवैध मादक पदार्थ स्मैक जब्त की गई है। पुलिस जांच में सामने आया कि आरोपित महिला तस्कर अपने पति की मदद से इस काम को अंजाम देती थी और आरोपित महिला के पति से जेल परिसर में स्मैक बरामद की है। फिलहाल आरोपी महिला तस्कर से पूछताछ की जा रही है।

पुलिस के अनुसार जयपुर जेल में बन्दियों से मुलाकात करने के बहाने जेल में स्मैक सप्लाई करने वाली महिला तस्कर सब्बिरन निवासी रामगंज को गिरफ्तार आरोपी महिला अपने पति की मदद से काम को अंजाम देती थी और वहीं जेल प्रशासन की भूमिका पर भी सवाल उठ रहे है।

इसके अलावा रामलाल निवासी राजावास जयपुर से भी जेल परिसर में स्मैक बरामद की है। पुलिस आरोपियों से पूछताछ करने में जुटी है।

16 लाख रुपये कीमत की अवैध मादक पदार्थ स्मैक सहित दो तस्कर गिरफ्तार

80 ग्राम अवैध मादक पदार्थ स्मैक और परिवहन में प्रयुक्त एक चौपहिया वाहन जब्त

बस्सी थाना इलाके में अवैध मादक पदार्थ स्मैक की तस्करी करने वाले दो सप्लायरों को पकड़ा है।

जयपुर। जयपुर कमिश्नरेट की स्पेशल टीम (सीएसटी) ने ऑपरेशन क्लीन स्वीप के तहत बस्सी थाना इलाके में कार्रवाई करते हुए अवैध मादक पदार्थ स्मैक की तस्करी करने वाले दो सप्लायरों को पकड़ कर उनके पास से 80 ग्राम अवैध मादक पदार्थ स्मैक और परिवहन में प्रयुक्त एक चौपहिया वाहन बरामद किया है। पुलिस के अनुसार जब्त की गई अवैध मादक पदार्थ स्मैक की बाजार कीमत 16 लाख रुपये आंकी गई है। फिलहाल आरोपी से पूछताछ की जा रही है।

पुलिस उपायुक्त (अपराध) कुंदन कंवरिया ने बताया कि पुलिस कमिश्नरेट की ओर से चलाए जा रहे ऑपरेशन क्लीन स्वीप के तहत सीएसटी ने बस्सी थाना इलाके में कार्रवाई करते हुए अवैध मादक पदार्थ स्मैक की तस्करी करने वाले सप्लायर 40 वर्षीय मनोज जाट और 31 वर्षीय विवेक कुमार जाट को गिरफ्तार किया है और दोनो ही आरोपी बलदेव जिला मथुरा (उत्तर प्रदेश) के रहने वाले है। पुलिस ने आरोपियों के पास से 16 लाख रुपये कीमत की 80 ग्राम अवैध मादक पदार्थ स्मैक और परिवहन में प्रयुक्त एक चौपहिया वाहन जब्त किया है। पुलिस पूछताछ में सामने आया कि आरोपित यह अवैध मादक पदार्थ स्मैक इरफान निवासी (उत्तर प्रदेश) से लेकर रआना और ट्रांसपोर्ट नगर जयपुर में बना जी नाम के व्यक्ति को देना बताया। पुलिस आरोपियों से अवैध मादक पदार्थ स्मैक की खरीद-फरोख्त के बारे में पूछताछ कर रही है।

वकील के ऑफिस में बदमाशों ने की तोड़फोड़

- मारपीट कर चेंबर में रखे रुपए और सामान ले गए
- मारपीट करने वालों की पैरवी नहीं करेगा कोई वकील

जयपुर। बजाज नगर थाना इलाके में सोमवार शाम कुछ बदमाशों ने एक वकील के चैंबर में तोड़फोड़ कर मारपीट की। इसके बाद घायल वकील अपने साथियों के साथ बजाज नगर थाने पहुंचा। देर रात पुलिस ने वकीलों के द्वारा दी गई रिपोर्ट के आधार पर एफआईआर दर्ज की।

पीड़ित वकील कृष्णा स्वामी के दोस्त राहुल मीणा ने बजाज नगर थाने में रिपोर्ट दी कि सोमवार शाम 8 बजे वह 355 हिम्मत नगर गोपालपुरा स्थित अपने कार्यालय में बैठा हुआ था। इसी दौरान तीन गाड़ियों में हथियारों के साथ सौरभ फौजदार, अंकित चौधरी, राजीव टोकस, ऋषभ माचीवाल, अक्षित के साथ 4 से 5 लोग ऑफिस पहुंचे। ऑफिस में तोड़फोड़ करना शुरू कर दिया। अचानक तोड़फोड़ और मारपीट का शोर सुनने के बाद स्थानीय व्यापारी भी कार्यालय में घुसे। इसके बाद सभी बदमाश बाहर खड़ी तीन गाड़ियों में बैठ कर फरार हो गए। मारपीट में घायल राहुल और वकील कृष्णा स्वामी के सिर में गम्भीर चोट आई है। बदमाश कार्यालय में रखे 70 हजार रुपए व अन्य सामान भी लूट ले गए। हमला करने आए बदमाश तीन अलग-अलग गाड़ियों में आए। इसमें से एक गाड़ी काले रंग की थी। अन्य दो गाड़ियों के नम्बर नहीं देखे। बार एसोसिएशन के अध्यक्ष गजराज सिंह राजावत ने बताया कि वकील कृष्णा स्वामी पर हुए हमला करने वाले बदमाशों की पैरवी कोई भी वकील नहीं करेगा। अगर किसी ने पैरवी की तो उस वकील के खिलाफ बार की ओर से अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी।

पुलिस के साथ मिलीभगत कर बिल्डर ने साफ किया घर से सामान

जयपुर। मुहाना थाना इलाके में एक बिल्डर द्वारा पुलिस से मिलीभगत कर मकान से सामान चोरी करने का मामला सामने आया है। इस सम्बंध में पीडिता रिया अग्रवाल ने मंगलवार को एक प्रेसवार्ता में बताया कि वह मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के निर्वाचन क्षेत्र सांगानेर में पत्रकार कॉलोनी मानसरोवर में रहती है। मुहाना थाना इलाके में हाज्यावाला गांव के पास गणपति नगर कॉलोनी के विलाज में अप्रैल-मई 2024 से निवास करती थी। यहां उनके परिचित जीत विक्रम सिंह ने दो विला 27 और 29 नंबर खरीदे थे। जीत विक्रम सिंह की मौखिक सहमति से रिया अग्रवाल परिवार सहित विला नंबर 29 में रहती था। उनके पति ने विला मालिक को कुछ रकम दी गई थी, जिससे उसने कॉलोनी में बिल्डर देवेंद्र सिंघल से दो विला खरीद लिए थे। तय हुआ था कि भविष्य में इन विलाज को बेचने से जो फायदा होगा। उसमें से रकम के हिसाब से प्रॉफिट मिल जाएगा और तब तक आप यहां रह सकते हैं। इसी रकम के बदले तब तक आप यह बिना किसी भुगतान के निवास कर सकते हैं। ऐसे में बतौर विश्वास के लिए मुझे यहां परिवार सहित रहने दिया गया था। रिया अग्रवाल ने बताया कि पिछले 10 अप्रैल शाम को वे परिवार सहित किसी काम से गुरुग्राम गए थे। पीछे से बिल्डर देवेन्द्र सिंघल, महिपाल चौधरी और पुलिस थाना मुहाना के कुछ पुलिसकर्मियों ने मिलकर मेरे रहवासशुदा घर विला नंबर-29 का ताला तोड़ा और अंदर घुस गए। तीन मंजिला विला में से सभी चार बेडरूम का सामान, बाइक, ज्वेलरी, कैश, बच्चे का कम्प्यूटर, बुक्स, कपड़ों समेत सारा सामान चुरा लिया। इसकी जानकारी मिलने पर पीडिता ने पुलिस कंट्रोल नंबर 100 व 112 कॉल किए, पुलिस भी मौके पर आई। वहां से थाना मुहाना पहुंच कर शिकायत दी। पर वहां कोई सुनवाई नहीं हुई। उसके बाद इसकी जानकारी जयपुर पुलिस के उच्च अधिकारियों को भी दी। इस घटना की एक माह से भी अधिक समय बीत चुका, पर आज तक पुलिस की तरफ से कोई कार्यवाही नहीं हुई। बल्कि महिला और उसके परिवार को ही डराया धमकाया जा रहा है। महिला की गुजारिश है कि उसके घर से जो सामान चोरी किया गया, वह सम्मान लौटाया जाए और नुकसान की भरपाई कराई जाए।

आंखों में मिर्च डालकर दिनदहाड़े बुजुर्ग महिला से लूट

जयपुर। गांधी नगर थाना इलाके में मिर्च पाउडर डालकर दिनदहाड़े एक बुजुर्ग महिला से लूट का मामला सामने आया है। बदमाश महिला से गहने-कैश छीनकर भाग निकले। पुलिस ने पीड़िता की शिकायत पर लूट का मामला दर्ज कर बदमाशों की तलाश शुरू कर दी है। पुलिस ने बताया कि लूट की वारदात झालाना डूंगरी के शिव कॉलोनी निवासी मन्नी देवी (65) के साथ हुई। जो सोमवार दोपहर करीब 1 बजे वह बकरियों को पानी पिलाने झालाना के जंगल में गई थी। बकरियों के पानी पीने के दौरान वह पेड़ के नीचे बैठ गई। इस दौरान पीछे से दो लड़कों ने उसकी आंखों में मिर्च पाउडर जैसा पदार्थ डाल दिया। आंखों में जलन के दौरान बदमाशों ने उसके कान के टॉपस व गले से जोल्या तोड़ लिया। उसके पर्स में रखे 20 हजार रुपए भी छीन लिए। बदमाशों के लूट की वारदात कर भागते समय आंख मसलते हुए देखा तो उनमें एक लड़का कालू उर्फ अनिकेत होना दिखाई दिया। गांधी नगर थाने जाकर पीड़िता ने देर शाम दोनों बदमाशों के खिलाफ गहने-कैश लूट का मामला दर्ज करवाया।

बावरिया गैंग के तीन शातिर बदमाशों को प्रोडक्शन वारंट पर गिरफ्तार

- विद्युत ट्रांसफार्मर से कॉपर वायर और तेल चोरी करते थे आरोपी

कोटखावदा थाना पुलिस ने ट्रांसफार्मर से कॉपर वायर और तेल चोरी करने वाले बावरिया गैंग के तीन शातिर बदमाशों को गिरफ्तार किया है।

जयपुर। कोटखावदा थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए विधुत ट्रांसफार्मर से कॉपर वायर और तेल चोरी करने वाले बावरिया गैंग के तीन शातिर बदमाशों को प्रोडक्शन वारंट पर गिरफ्तार किया गया है। फिलहाल आरोपियों से पूछताछ की जा रही है।

पुलिस उपायुक्त जयपुर (दक्षिण) दिगंत आनंद ने बताया कि कोटखावदा थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए विधुत ट्रांसफार्मर से कॉपर वायर और तेल चोरी करने वाले बावरिया गैंग के राजेंद्र बावरिया उर्फ आंधा उर्फ महेन्द्र बावरिया,धर्म सिंह और सरदार उर्फ जंगा कोजयपुर जेल से प्रोडक्शन वारंट पर गिरफ्तार किया है और तीनों ही दौसा हाल शिवदासपुरा इलाके के रहने वाले है। तीनों ही आरोपियों के खिलाफ दौसा सहित जयपुर शहर के विभिन्न थानों में आपराधिक मामले दर्ज है। आरोपियों ने पूछताछ में कई इलाकों में विद्युत ट्रांसफार्मर में से कॉपर-आयल की कई वारदातों को अंजाम देना कबूला है। गौरतलब है कि तीनों ही आरोपित नकबजनी की वारदात में गत दिनों पहले चाकसू पुलिस की ओर से गिरफ्तार किया गया था।

जिन्होंने पूछताछ में चाकसू और कोटखावदा थाना इलाके में विद्युत ट्रांसफार्मर में से कॉपर-ऑयल चोरी करने की वारदात करना कबूली थी।

जयपुर पुलिस कमिश्नर 29 मई को झोटवाड़ा थाने में करेंगे जनसुनवाई

जयपुर। आमजन में विश्वास और अपराधियों में भय कायम रखने के लिए जयपुर पुलिस कमिश्नर बीजू जॉर्ज जोसफ 29 मई (गुरुवार) को शाम 5 से 8 बजे तक पुलिस थाना झोटवाड़ा में जनसुनवाई करेंगे।

जनसुनवाई के दौरान अतिरिक्त पुलिस कमिश्नर (अपराध) कुंवर राष्ट्रदीप, पुलिस उपायुक्त पश्चिम अमित कुमार, अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त पश्चिम आलोक सिंघल, सहायक पुलिस आयुक्त झोटवाड़ा एवं चौमू एवं संबंधित थानाधिकारी और थाने के अधिकारी उपस्थित रहेंगे। गौरतलब है कि इससे पूर्व पुलिस कमिश्नर द्वारा शिप्रा पथ (जयपुर दक्षिण), कानोता (जयपुर पूर्व), करधनी (जयपुर पश्चिम), विद्याधर नगर (जयपुर उत्तर), शिवदासपुरा (जयपुर दक्षिण), बगरू (जयपुर पश्चिम), चौमू (जयपुर पश्चिम), प्रताप नगर (जयपुर पूर्व), जयसिंहपुरा खोर (जयपुर उत्तर) जवाहर सर्किल (जयपुर पूर्व), वैशाली नगर (जयपुर पश्चिम), मुहाना (जयपुर दक्षिण), आमेर (जयपुर उत्तर) महेश नगर (जयपुर दक्षिण) एवं जामडोली (जयपुर पूर्व) थाने में जनसुनवाई कर परिवादियों की समस्याओं का मौके पर निस्तारण किया जा चुका है।

रोजी रोटी अधिकार अभियान का 8वां राष्ट्रीय सम्मेलन 24 से

तीन दिवसीय सम्मेलन में खाद्य सुरक्षा, भूख और पोषण की स्थिति सहित अन्य मुद्दों पर की जाएगी चर्चा

- देश के 16 राज्यों के 500 से अधिक कार्यकर्ता होंगे शामिल
- प्रख्यात सामाजिक कार्यकर्ता अरुणा रॉय करेंगी उद्घाटन

रोजी-रोटी अधिकार अभियान का 8वां राष्ट्रीय सम्मेलन के बारे में संयोजक कविता श्रीवास्तव ने जानकारी दी।

जयपुर। रोजी रोटी अधिकार अभियान का 8वां राष्ट्रीय सम्मेलन 24 से 26 मई तक जयपुर में आयोजित होगा। सम्मेलन में देशभर के 16 राज्यों से 500 से अधिक कार्यकर्ता व शोधकर्ता शामिल होंगे। सम्मेलन में खाद्य सुरक्षा, भूख और पोषण की स्थिति, उभरते मुद्दों और अगले दो वर्षों के लिए आंदोलन की रणनीतियों पर चर्चा की जाएगी। मंगलवार को आयोजित प्रेसवार्ता में सम्मेलन संयोजक कविता श्रीवास्तव ने बताया कि डॉ. अंबेडकर मेमोरियल वेलफेयर सोसायटी के प्रांगण में होने वाले सम्मेलन में वर्तमान में भोजन के अधिकार को प्रभावित करने वाले विभिन्न मुद्दों पर विचार-विमर्श किया जाएगा। कृषि और ग्रामीण अर्थव्यवस्था की स्थिति, उच्च बेरोजगारी और अनिश्चित आजीविका, इन मुद्दों पर सामूहिक कार्यवाही के कम होते अवसर व आर्थिक और राजनीतिक रूप से लोकतंत्र को मजबूत करने की आवश्यकता पर चर्चा की जाएगी। प्रेसवार्ता में अभियान संयोजक आयशा खान, सह संयोजक नेसार अहमद व सामाजिक कार्यकर्ता सुमिता चौपड़ा, सम्मलेन सचिवालय समन्वयक विनीत अग्रवाल मौजूद रहे।

सम्मेलन में ओडिशा के एंटी माइनिंग आंदोलन के नेता लिंगराज आजाद, संयुक्त किसान मोर्चा पंजाब के प्रतिनिधि हरिंदर बिंदु, महाराष्ट्र के जनआन्दोलन के नेतृत्व उल्का महाजन, की कन्वीनर अंजलि भारद्वाज सहित अनेक जन आंदोलनों के प्रतिनिधि और आईआईटी दिल्ली से प्रो. रीतिका खेरा, स्कॉलर नवशरण सिंह, ज्यॉ द्रेज़ जैसे शोधकर्ता और बुद्धिजीवी भी शामिल होंगे। सामाजिक कार्यकर्ता अरुणा रॉय एवं सैयदा हमीद, निखिल डे, हर्ष मंदर, शोधकर्ता दीपा सिन्हा, साहू पटोले (खाद्य संस्कृति लेखक) सहित विभिन्न सामाजिक कार्यकर्ता व विभिन्न राजनीतिक दलों के प्रतिनिधि सम्मेलन में भाग लेंगे। रोजी रोटी अधिकार अभियान का पिछला राष्ट्रीय सम्मेलन 2019 में रायपुर, छत्तीसगढ़ में हुआ था। 8वां सम्मेलन छह वर्ष बाद जयपुर में हो रहा है।

सार-समाचार

फ्लैटों में नौकरी कर नकबजनी की वारदात करने वाला आरोपी गिरफ्तार

जयपुर। गांधीनगर थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए फ्लैटों में नौकरी कर नकबजनी की वारदात करने वाले शातिर आरोपी को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने आरोपी के पास से सोने की चैन व सोने के कंगन बरामद किए गए है। पुलिस के अनुसार चोरी किये गये सोने के आभूषणों की कीमत 8 लाख रुपये बताई गई है। फिलहाल आरोपी से पूछताछ की जा रही है। पुलिस उपायुक्त जिला जयपुर पूर्व तेजस्वनी गौतम ने बताया कि गांधीनगर थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए फ्लैटों में नौकरी कर नकबजनी की वारदात करने वाले शातिर आरोपी 25 वर्षीय संदीप वर्मा निवासी बस्ती उत्तर प्रदेश को गिरफ्तार किया है। गौरतलब है कि पीड़िता हेमलता ऐलानी निवासी गांधीनगर ने मामला दर्ज कराया था कि उसके सास-ससुर की देखभाल के लिए संदीप चौधरी नाम के लडके को रखा जो 03 अप्रैल को काम पर आया और 09 अप्रैल को बिना बताए झूठ बोलकर जो अपना सामान और घर से जेवरात चोरी करके ले गया। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच पड़ताल में जुटी तो पता चला कि बीस मई को आरोपी की शादी है और वह घर पर ही है। इस पर पुलिस गांधीनगर पुलिस थाना कोतवाली जनपद बस्ती उत्तर प्रदेश आरोपित संदीप वर्मा के घर पहुंची और उसे गिरफ्तार किया ।

सीपीआर प्रशिक्षण और रक्तदान शिविर का आयोजन

जयपुर। फिक्की फ्लो जयपुर चैप्टर की अध्यक्ष डॉ. रिम्मी शेखावत के नेतृत्व में फ्लो रुधिर एक सशक्त और संवेदनशील अभियान में सीपीआर प्रशिक्षण कार्यशाला और रक्तदान शिविर एसएमएस मेडिकल कॉलेज, ट्रोमा एवं ऑर्थोपेडिक्स संस्थान में आयोजित किया गया। कार्यक्रम के दौरान हर बूंद और हर सेकंड की अहमियत को बारीकी से समझा गया। इस कार्यक्रम की पहल फिक्की फ्लो जयपुर चैप्टर और श्री मानप्रताप फाउंडेशन के सहयोग से किया गया। इसका नेतृत्व देवेंद्र सिंह सिंहासन ने किया। इसमें जीवन बचाने के महत्व को सशक्त रूप से उजागर किया गया। कार्यक्रम के दौरान एके प्राचार्य डॉ. दीपक महेश्वरी, एसएमएस मेडिकल कॉलेज के अतिरिक्त प्राचार्यडॉ. मनीष अग्रवाल, प्रताप ग्रुप एवं चेयरमैन, मानप्रकाश फाउंडेशन के सीईओ देवेंद्र सिंह सिंहासन का सम्मान किया गया। सीपीआर प्रशिक्षण कार्यशाला के अहम हिस्सा जीवन बचाने की कला रही। प्रशिक्षण का संचालन राजकुमार राजपाल और राष्ट्रपति पुरस्कार विजेता वरिष्ठ नर्सिंग अधिकारी राधेलाल शर्मा ने किया। रक्तदान अभियान में 500 यूनिट रक्त एकत्र किया गया।

5100 बालिकाओं को मिले नए वस्त्र

जयपुर। मानव सेवा ट्रस्ट राजस्थान ने अपने सामाजिक उत्तरदायित्व के तहत अमन लाइफस्टाइल कंपनी के सहयोग से विभिन्न क्षेत्रों की 5100 बालिकाओं को नए वस्त्र वितरित किए। यह कार्यक्रम बालिकाओं के आत्म-सम्मान और सामाजिक सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए आयोजित किया गया। स्वास्थ्य कल्याण होम्योपैथिक मेडिकल कॉलेज एवं रिसर्च सेंटर के वरिष्ठ आचार्य, चिकित्सक, ट्रस्ट सदस्य व मिडिया प्रभारी, प्रो. डॉ. राजीव सक्सेना ने कहा कि ट्रस्ट समाज के प्रति अपने दायित्व को निभाने में गर्व महसूस करता हैं। कार्यक्रम संयोजक कौशल सत्यार्थी ने बताया कि गत एक माह से चल रहे वस्त्र वितरण अभियान के तहत प्रताप नगर, वाटिका, गिरधारीपुरा कच्ची बस्ती, सांगानेर, विजयपुरा, मालपुरा, हरमाड़ा, बगराना, झालाना कच्च्ची बस्ती आदि में वस्त्र वितरित किए।

जुआ खेलते दस व्यक्तियों को पकड़ा

जयपुर। संजय सर्किल थाना पुलिस ने एक ही दिन में अलग-अलग छह जगहों पर कार्रवाई करते हुए जुआ खेलते और सट्टे की खाईवाली करते हुए दस व्यक्तियों को पकड कर उनके पास से साढे 19 हजार रुपये की जुआराशि भी जब्त की है। पुलिस उपायुक्त जयपुर (उत्तर)राशि डोगरा डूडी ने बताया कि संजय सर्किल थाना पुलिस ने एक ही दिन में अलग-अलग छह जगहों पर कार्रवाई करते हुए जुआ खेलते और सट्टे की खाईवाली करते हुए राहुल सैनी,विजय शर्मा,इस्लामुद्दीन उर्फ गब्बर,सूर्य मणी उपाध्याय, आरिफ खान, अशोक चौधरी, शकील अहमद, अशोक, नीरज और सौराज बंजारा को गिरफ्तार कर उनके पास से साढे 19 हजार रुपये की जुआ राशि बरामद की है।

हेरिटेज टूरिज्म बॉडी ने घटती पर्यटकों की संख्या पर चिंता जताई

जयपुर। भारत की पश्चिमी सीमा पर मौजूदा भू-राजनीतिक तनाव के कारण पर्यटकों की संख्या में भारी गिरावट आई है। इससे पर्यटन अर्थव्यवस्था को बड़ा नुकसान हुआ है, विशेषकर राजस्थान, गुजरात और पंजाब जैसे सीमा वाले राज्यों को। इसी कारण, इंडियन हेरिटेज होटल्स एसोसिएशन (आईएचएचए) ने केंद्रीय पर्यटन मंत्रालय से अपील की है कि पर्यटकों और आगंतुकों के बीच विश्वास फिर से कायम करने के लिए आवश्यक कदम उठाए जाएं।केंद्रीय पर्यटन मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत को संबोधित एक पत्र में इंडियन हेरिटेज होटल्स एसोसिएशन (आईएचएचए) के महासचिव, कैप्टन गज सिंह अलसीसर ने कहा है कि फॉरेन ट्रैवल एडवाइज़री का असर न केवल लेज़र ट्रैवल की बुकिंग पर, बल्कि शादियों और माईस इवेंट्स पर भी पड़ रहा है, जो घरेलू पर्यटन के मुख्य आधार हैं। कल्चरल फेस्टिवल, डेजर्ट सफारी, मेले और लग्जरी ट्रेन यात्राएं जैसे सीजनल ईवेंट्स भी इससे प्रभावित हो रहे हैं।

आईडब्ल्यूएन लीडरशिप समिट 23 को

जयपुर। कन्फेडरेशन ऑफ इंडियन इंडस्ट्री (सीआईआई), इंडियन वुमन नेटवर्क (आईडब्ल्यूएन), राजस्थान चैप्टर द्वारा 23 मई को जयपुर के आईटीसी राजपूताना होटल में आईडब्ल्यूएन राजस्थान वुमन लीडरशिप समिट 2025 का छठा संस्करण एवं वार्षिक सत्र आयोजित किया जाएगा। उप मुख्यमंत्री दीया कुमारी और एवीएसएम, वाईएसएम, वीएसएम, जनरल ऑफिसर कमांडिंग-इन-चीफ, दक्षिण-पश्चिमी कमान, लेफ्टिनेंट जनरल मनजिंदर सिंह समिट को संबोधित करेंगे। समिट में 150 से अधिक वुमन बिजनेस लीडर्स, पॉलिसी मेकर्स, उद्यमी, ब्यूरोक्रेट्स और प्रोफेशनल महिलाएं हिस्सा लेंगी। वुमन लीडरशिप समिट का एक खास सत्र सेलिब्रेटिंग ट्रांसफॉर्मेटिव लीडरशिप थीम पर केंद्रित होगा, जिसमें बदलाव लाने वाली और अपनी बाधाओं को चुनौती देते हुए अपने-अपने क्षेत्रों में उत्कृष्टता हासिल करने वाली अग्रणी महिलाएं अपनी प्रेरणादायक कहानियां साझा करेंगी।

World Meditation Day: Embracing Inner Peace

World Meditation Day, celebrated every May 21, highlights the power of meditation to promote mental well-being and inner peace. This global observance encourages people to take a moment from their busy lives to practice mindfulness, reduce stress, and enhance emotional balance. Meditation has been shown to improve focus, boost creativity, and support overall health. On this day, individuals, communities, and organizations come together through workshops, guided sessions, and events to share the benefits of meditation. World Meditation Day serves as a reminder that taking time for quiet reflection can transform our minds and lives for the better.

#INTERNATIONAL TEA DAY

Celebrating India's Timeless Love Affair with Tea

Honouring the rich heritage, livelihoods, and future of tea cultivation in India.

Every year on May 21, the world comes together to celebrate International Tea Day, a day dedicated by the United Nations to honour the cultural and economic importance of tea. For India, one of the world's largest producers and consumers of tea, this day holds special significance. Tea is not just a beverage here, it's woven deeply into the fabric of everyday life, regional culture, and millions of livelihoods.

India's tea story began in the 19th century, flourishing in regions like Assam, Darjeeling, and Nilgiris. These areas are known for their distinctive tea varieties that delight palates globally. Today, the Indian tea industry supports over 1.5 million smallholder farmers and workers, many from rural and tribal communities, making it a backbone of rural employment and economic growth.

International Tea Day offers an opportunity to recognize these hardworking individuals who cultivate and process tea leaves under often challenging conditions. It also sheds light on critical issues facing the sector, climate change, fair wages, and sustainable farming. Erratic weather patterns threaten yields and quality, making sustainable agricultural practices and support for farmers vital for the industry's future.

The Food and Agriculture Organization (FAO) leads global efforts to promote sustainable tea production, with the 2025 theme 'Tea for Better Lives,' spotlighting the invaluable role of women in tea gardens across India. Women play a crucial part in tea plucking and processing, contributing significantly to the sector's resilience. For Indian tea lovers, International Tea Day is also a moment to savor the simple joy of a well-brewed cup, from the robust Assam chai to the delicate floral notes of Darjeeling. It's a day to appreciate the centuries-old traditions and the social rituals surrounding tea, from roadside stalls to family gatherings. By choosing ethically sourced and sustainably grown teas, consumers can support fair trade practices that ensure better wages and working conditions for tea garden workers. Awareness campaigns and festivals across India on this day celebrate the nation's deep connection to tea, blending cultural pride with a commitment to sustainability.

In essence, International Tea Day in India is a celebration of heritage, hard work, and hope. It reminds us that every sip of chai carries the stories of countless hands and hearts, and it urges us to protect the future of this beloved beverage and the communities that nurture it. As India honours International Tea Day, it also recommits to preserving tea's legacy, one that nourishes not just the body, but the spirit of a nation.

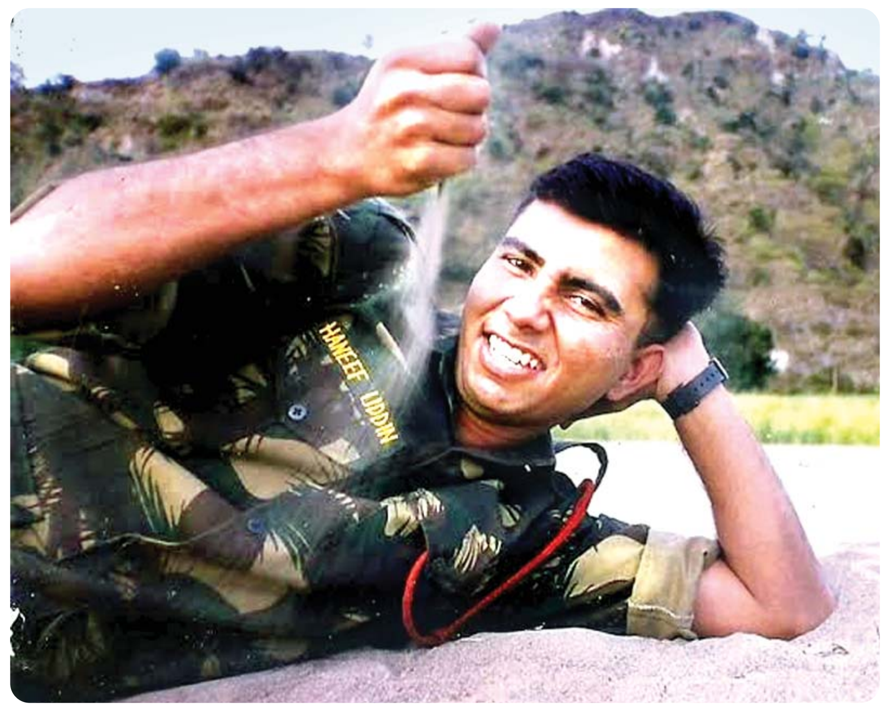

Kargil In Retrospect

In the fierce firefight, Captain Haneef Uddin received multiple gunshot wounds, yet he didn't move an inch from his position till his team reached a safer location. The officer, however, succumbed to his injuries while fighting on the icy heights of Point 5590. Inspired by the sacrifice of their young officer, his team established a foothold on the mountain and held it against all odds.

#CAPTAIN HANEEF UDDIN

● Anusha Mishra

The Kargil War was fought on one of the most difficult and inhospitable terrains in the world. The war lasted for a span of approximately two months in which the Tri-Services, Indian Army, Indian Air Force, and the Indian Navy, came together to repulse the alien forces from India and emerged victorious on 26 July, 1999.

The battles fought during the Kargil war are examples of high-altitude warfare in which Indian soldiers distinguished themselves in valour and sacrifice. This article brings to you a hero of Kargil who not only ensured the capture of the objective but also made it an objective to save his men from impending death. Captain Haneef Uddin of 11 RAJPUTANA RIFLES was one of the gallant warriors of Indian Army who fought and made the supreme sacrifice in the battleground of Karchan Glacier during the Kargil War.

> The Kargil War was fought on one of the most difficult and inhospitable terrains in the world. The war lasted for a span of approximately two months in which the Tri-Services, Indian Army, Indian Air Force, and the Indian Navy, came together to repulse the alien forces from India and emerged victorious on 26 July, 1999. The battles fought during the Kargil war are examples of high-altitude warfare.

HIS SACRIFICE OUTLIVES HIM

Captain Haneef Uddin was born on 23 August, 1974 in Delhi to a Hindu mother, Mrs. Hema Aziz and a Muslim father, Mr. Aziz Uddin. His mother and father both being artists, a classical singer and a drama practitioner respectively, worked for the Ministry of Information and Broadcasting. Since their jobs demanded them to tour across the country and perform for soldiers posted in border areas, Captain Haneef Uddin lived with his grandmother in Old Delhi during his formative years.

It was only after the demise of his father at the age of eight, he started living with his mother and older brother Nafees, while his younger brother lived with his aunt in Bengaluru. He was an exceptional student and a popular figure in his school and college. Captain Haneef Uddin was a man who had many feathers in his hat, he had a mesmerizing voice and was also popular as a computer genius among his peers. Interestingly, while completing his graduation in science at the Shivaji College, University of Delhi, he was also crowed as Mr. Shivaji. Captain Haneef Uddin's discipline and ambition distinguished him. Despite having an offer of a lucrative career in computers, he was determined to join the Indian Army. In conversation with author Mrs. Rachna Rawat Bishti, Mrs. Hema Aziz smiles nostalgically as she recalls her conversation with her son on the matter and how overjoyed he was when she asked him to choose his dream. He cleared his Service Selection Board (SSB) interview and joined the Indian Military Academy in 1996. He commissioned into the Army Service Corps (ASC) regiment of Indian Army on 07 June, 1997. When the Kargil War broke out, he was attached to 11 RAJPUTANA RIFLES deployed at the Siachen Glacier.

> Captain Haneef Uddin's discipline and ambition distinguished him. Despite having an offer of a lucrative career in computers, he was determined to join the Indian Army. In conversation with author Mrs. Rachna Rawat Bishti, Mrs. Hema Aziz smiles nostalgically as she recalls her conversation with her son on the matter and how overjoyed he was when she asked him to choose his dream.

Captain Haneef Uddin and his Company were just back from their four-month long tenure at the Siachen Glacier. Normally when a unit comes back from Siachen deployment, they are given a rest period but the Kargil War had changed circumstances then. Captain Haneef Uddin and his company were at the Siachen Base Camp when 12 JAT reported an enemy intrusion in Sub-Sector West's Turtuk Sector. Due to intense clashes in Batalik Sector between Indian troops and Pakistani intruders, 11 RAJPUTANA RIFLES, which was in the process of de-inducting, was quickly moved through Tutuk-Lungpa to occupy defences on the LOC at Point 5500 and adjacent areas. The entire area was dotted with deadly crevasses and the last point of communication was a small Post Zangpal, which was six kms before the Karchen Glacier. By 22 May, 1999, Colonel Anil Bhatia, Commanding Officer of 11 RAJ RIF, had ensured that the Battalion had firmed in and no further intrusion could take place.

On the night of 06-07 June, 1999, in an attempt to identify the enemy positions along Point 5590, Captain Haneef Uddin volunteered to patrol Karchen Galcier. Accompanied by Naib Subedar Mangej Singh, he led a special mission patrol, consisting one Junior Commissioned Officer and twelve Other Ranks. Advancing through sub-zero temperatures along the sharp razor edge from the South-Westerly direction, the patrol reached as near as 200 meters to the enemy positions.

> When General Ved Prakash Malik, then Chief of the Army Staff, informed Mrs. Hema Aziz about the possible delay in recovering the body of her brave son, she politely said, "I wouldn't want a son of another mother to die to extricate the body of my dead son, but when the war ends, I want to visit the place where my son took his last breath."

However, the patrol was spotted by the enemy and carried out indiscriminate fire upon them. Captain Haneef Uddin and two Other Ranks bore the brunt of enemy fire. Acting upon his instincts, Captain Haneef Uddin, with sole intention of safeguarding his men from the enemy fire and providing them a passage to extricate, took up a position and opened fire to pin down the enemy. Despite being grievously injured and bleeding profusely, this valiant officer chose to save lives of his team over his own.

In the fierce firefight, Captain Haneef Uddin received multiple gunshot wounds, yet he didn't move an inch from his position till his team reached a safer location. The officer, however, succumbed to his injuries while fighting on the icy heights of Point 5590. Inspired by the sacrifice of their young officer, his team established a foothold on the mountain and held it against all odds.

Due to incessant enemy fire, it was only forty-three days later on 18 July, 1999 that the frozen bodies of their fallen heroes, one of them being Captain Haneef Uddin, were extricated. For the display of exemplary leadership and gallantry beyond the call of duty, Captain Haneef Uddin was awarded Vir Chakra posthumously.

When General Ved Prakash Malik, then Chief of the Army Staff, informed Mrs. Hema Aziz about the possible delay in recovering the body of her brave son, she politely said, "I wouldn't want a son of another mother to die to extricate the body of my dead son, but when the war ends, I want to visit the place where my son took his last breath." Captain Haneef Uddin was a brave son of a brave mother. He lives forever in the memories of everyone who ever knew him. In the honour of his sacrifice, the Sub-Sector West was renamed as the Haneef Sub Sector and it is where the Indian Army continues to stand vigil every day.

This year marks twenty-five years of Kargil War, yet the thought of grief, experienced by people who lost their loved ones, leaves me with an unsettling feeling, which is often a mix of pride and pain.

rajeshsharma1049@gmail.com

#CALM DOWN

Yutori: Japan's Secret to a Calmer, Happier Life

In a world obsessed with speed and productivity, this Japanese philosophy invites us to slow down, breathe, and make space for what truly matters.

Ever felt like the world's moving too fast and you're always running to catch up? Emails piling up, deadlines breathing down your neck, and not a moment to just breathe? Enter Yutori, Japan's quietly powerful life philosophy that says, "Hey, slow down. You're allowed to have space in your life." In a world that glorifies hustle, Yutori is a gentle rebellion. It's not just a word, it's a mindset, a lifestyle, and for many in Japan (and beyond), a new way of living more meaningfully.

So, what exactly is Yutori?

In Japanese, Yutori loosely translates to 'room,' 'space,' or 'leeway.' But the beauty of this concept lies in its application. It's about creating mental, emotional, and physical space, in your mind, your schedule, and even your conversations. Imagine waking up not to a blaring alarm but a calm morning with time to sip your tea. Or choosing a 30-minute walk over a rushed Uber ride, so that you can enjoy the breeze. That's Yutori. It's living with a buffer, where you're not stretched thin or constantly racing against time.

Yutori in Education: A Movement That Sparked a Debate

The term gained national attention in the early 2000s when Japan introduced Yutori education, an attempt to reduce academic pressure on school children. The idea? Fewer school hours, less rote learning, and more room for creativity and emotional development.

Sounds dreamy, right? But it was controversial. Critics argued that students under Yutori education lacked discipline and competitiveness. Some even called them the 'Yutori Generation,' often unfairly linked to a decline in academic performance. Yet, this generation is now bringing balance back into Japan's workaholic culture. Many young Japanese adults today embrace Yutori not as laziness, but as a way to work smarter, live fuller, and care deeper.

Yutori vs Hustle: The Global Tug-of-War

While much of the world, especially in urban India, continues to chase productivity, hustle culture is slowly wearing people down. Burnouts are rising, and mental health is taking a hit. In this chaos, Yutori feels like a warm, comforting hug. It encourages intentional pauses. Not everything has to be optimized. Not every second has to be productive. Sometimes, it's okay to just be.

Think about it. When was the last time you did nothing, and felt good about it?

What Can India Learn from Yutori?

India, like Japan, has a deeply rooted culture of discipline and achievement. Whether it's competitive exams, tech careers, or startup sprints, we've long celebrated the 'no pain, no gain' philosophy. But now, with urban burnout rates rising and Gen Z prioritizing work-life balance, we're at a turning point.

Imagine if Indian schools allowed more room for play and creative thinking. If offices normalized short midday breaks without guilt. If weekends were sacred again. Yutori could be our secret weapon against chronic stress. Already, some Indian startups are experimenting with 4-day work weeks, no-meeting days, and mental health leaves. These are, in a way, Yutori in action, creating breathing room in systems that are otherwise gasping for air.

How to Bring Yutori into Your Life

You don't have to move to Kyoto to experience Yutori. Here are a few small ways to add it to your everyday routine!

- Schedule buffer time between meetings. A 15-minute pause can do wonders.
- Say no more often. Every 'no' to clutter is a 'yes' to clarity.
- Enjoy slow mornings, wake up a little earlier, stretch, breathe.
- Practice single-tasking. One thing at a time. Mindfully.
- Declutter your physical space. A tidy desk is a tidy mind.

Yutori and the Art of Being Human

At its core, Yutori reminds us that we're not machines. We're not meant to run endlessly on deadlines, caffeine, and hustle. We need space, to feel, to rest, to think, to be. And that space is not a luxury. It's essential. So, this week, try this: Do one thing the Yutori way. Walk slower. Eat without a screen. Take a guilt-free nap. Observe what shifts inside you. You might just find that in slowing down, you actually get closer to what really matters.

THE WALL

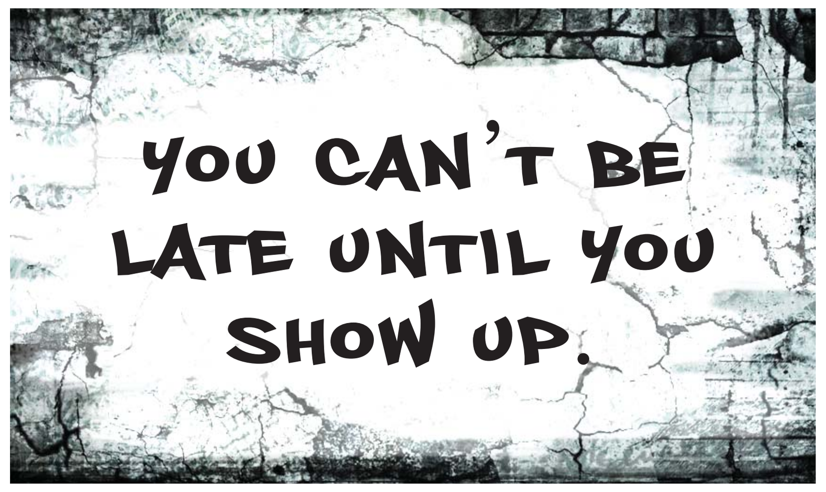

BABY BLUES

By Rick Kirkman & Jerry Scott

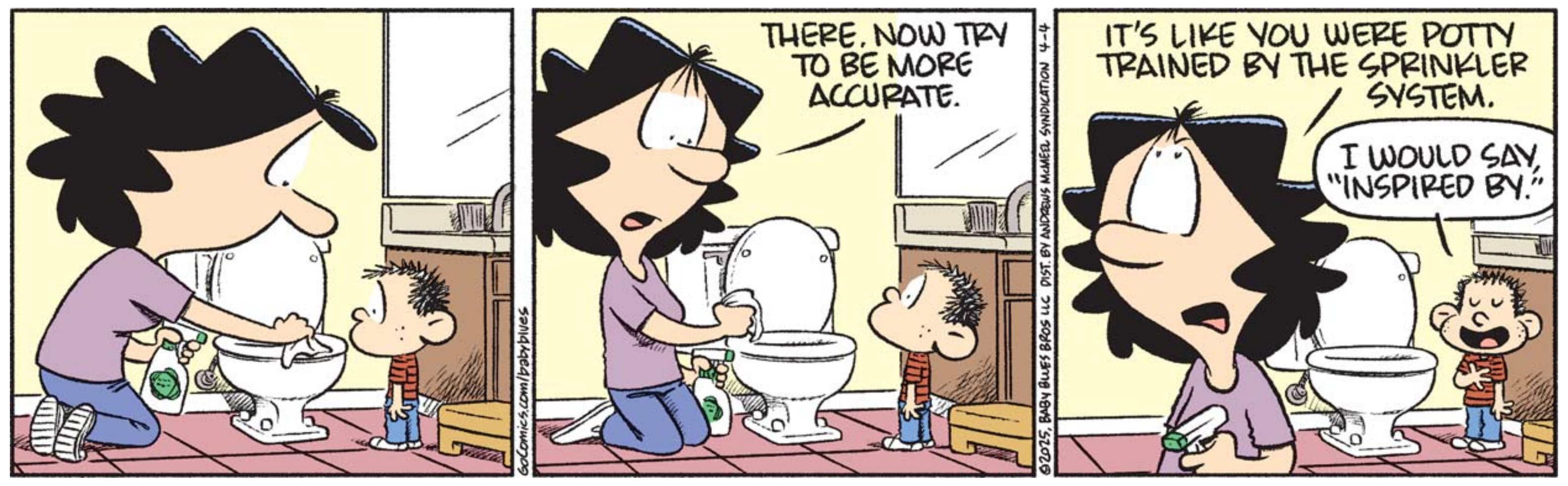

ZITS

By Jerry Scott & Jim Borgman

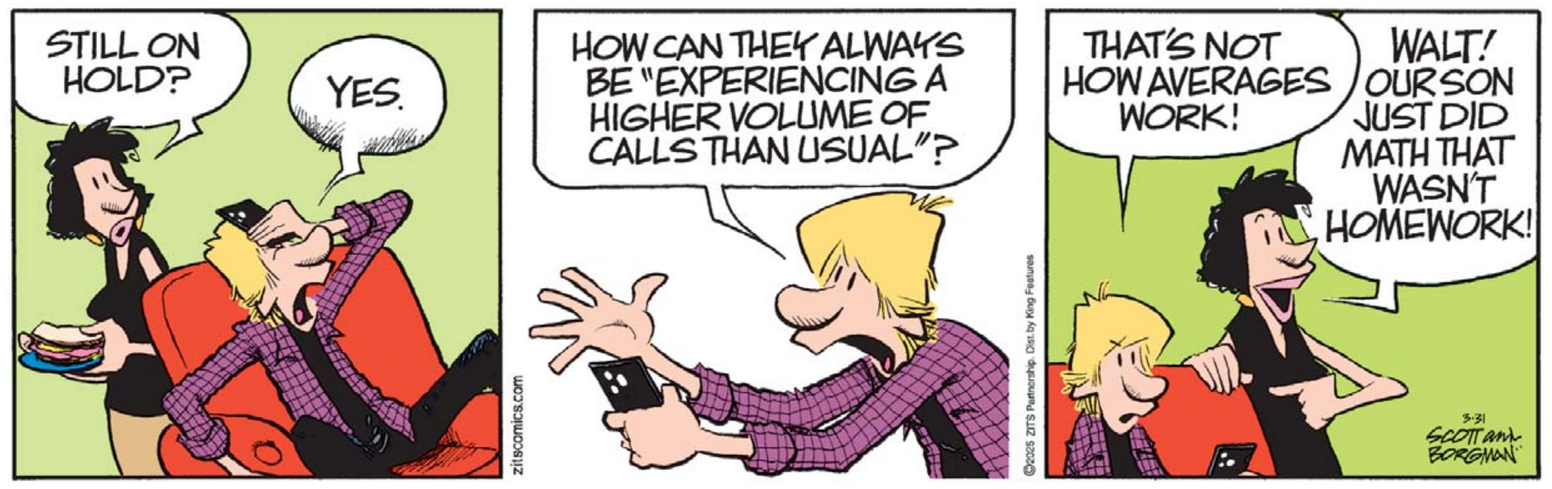

भीलवाड़ा, पाली और राजसमंद कलेक्ट्री परिसर को बम से उड़ाने की धमकी भरा ई-मेल मिला

सभी कार्यालय को तत्काल प्रभाव से खाली करवाया, अजमेर से बम निरोधक दस्ते को भीलवाड़ा बुलाया

भीलवाड़ा/पाली/राजसमंद, (निसं)। भीलवाड़ा जिला मुख्यालय स्थित कलेक्ट्री परिसर को बम से उड़ने की धमकी भरा मेल मिलने के बाद प्रशासन में हड़कंप मचा गया। आनन-फानन में कलेक्टर परिसर में स्थित सभी कार्यालय को तत्काल प्रभाव से खाली करवाया गया और अजमेर से बम निरोधक दस्ते को भीलवाड़ा बुलाया गया।

जानकारी के अनुसार जिला मुख्यालय स्थित भीलवाड़ा कलेक्टर कार्यालय को बम से उड़ने की धमकी भरा एक संदिग्ध मेल मिलने के बाद जिला कलेक्टर जसमीत सिंह संधू ने तत्काल एक्शन लेते हुए परिसर के सभी कार्यालयों को तत्काल खाली करने के निर्देश दिए। जिला पुलिस अधीक्षक धर्मेंद्र सिंह ने मामले में गंभीरता दिखाते हुए अजमेर से बम निरोधक दस्ते को भीलवाड़ा बुलाया। स्थानीय पुलिस के साथ ही प्रशासनिक अधिकारियों ने कलेक्टर परिसर में बम की तलाश शुरू की। अचानक हुए इस घटनाक्रम के बाद अधिकारियों और कर्मचारियों में हड़कंप मच गया, कुछ देर बाद यह स्पष्ट हो पाया कि धमकी भरा मेल प्रशासन की एक मॉक ड्रिल थी जो विभागों की सतर्कता और सुरक्षा व्यवस्था के इंतजामों को जचने के लिए की गई थी।

राजसमंद कलेक्ट्रेट परिसर को बम से उड़ाने की मिली धमकी के बाद पुलिस और विभिन्न जांच एजेंसियों ने जांच की।

पाली कलेक्ट्रेट को बम से उड़ाने की धमकी मिलने के बाद जोधपुर से बम निरोधक दस्ता, खोजी डॉग को बुलाया।

- पाली कलेक्ट्रेट को ई-मेल के जरिए बम से उड़ाने की धमकी मिली, प्रशासन हुआ अलर्ट, जोधपुर से बम निरोधक दस्ता बुलाया
- राजसमंद जिला कलेक्ट्रेट को ई-मेल के माध्यम से बम से उड़ाने की धमकी मिलने के बाद पुलिस और विभिन्न जांच एजेंसियों द्वारा चलाए गए सघन सर्च ऑपरेशन में कोई भी संदिग्ध वस्तु नहीं मिली

पाली संवाददाता के अनुसार :-पाली कलेक्ट्रेट को मंगलवार सुबह बम से उड़ाने की धमकी ई-मेल के जरिए मिली। जिला कलेक्टर एलएन मंत्री के निर्देश पर तुरंत पुलिस प्रशासनिक एक्टिव हुआ और तुरंत सभी कर्मचारियों को बाहर निकाला। चंद मिनटों में पूरा कलेक्ट्रेट खाली करवाया गया। जोधपुर से बम निरोधक दस्ता, खोजी डॉग बुलाया गया। जिन्होंने पूरा कलेक्ट्रेट छान मारा लेकिन कोई संदिग्ध वस्तु नहीं मिली। मौके पर साइबर एक्सपर्ट को बुलाया गया है जो मेल कहां से आया है इसकी जांच कर रहे हैं। कलेक्टर एलएन मंत्री, एसपी चूनाराम जाट, एडीएम सीलिंग अश्विन के पंवार, एसडीएम विमलेंद्र सिंह राणावत, एसपी विपिन शर्मा, सीओ सिटी ऊषा यादव, कोतवाल अनिल विश्नोई सहित भारी जाप्ता मौके पर तैनात रहा। दमकल और एम्बुलेंस भी बुलाई गई।

मामले में जिला कलेक्टर एलएन मंत्री ने बताया कि ई-मेल मिलने के बाद तुरंत सुरक्षा को लेकर कलेक्ट्रेट को खाली करवाया और बम निरोधक दस्ते को भी मौके पर बुलाया गया है ताकि पूरे कलेक्ट्रेट भवन की जांच की जा सके। जांच के दौरान नहीं मिली कोई संदिग्ध वस्तु, तब जाकर राहत की सांस ली।

राजसमंद संवाददाता के अनुसार :- राजसमंद जिला कलेक्ट्रेट को ई-मेल के माध्यम से बम से उड़ाने की धमकी मिलने के बाद हड़कंप मच गया। हालांकि, पुलिस और विभिन्न जांच एजेंसियों द्वारा चलाए गए सघन सर्च ऑपरेशन में कोई भी संदिग्ध वस्तु नहीं मिलने से प्रशासन ने आखिरकार राहत की सांस ली।

जानकारी के अनुसार सोमवार सुबह जिला कलेक्ट्री प्रशासन के ऑफिसियल ई-मेल आईडी के जरिए कलेक्ट्रेट परिसर को 3:30 बजे बम से उड़ाने की धमकी मिली थी। इस सूचना के मिलते ही जिला प्रशासन और पुलिस महकमे में तुरंत सक्रियता आ गई। जिला कलेक्टर बालमुकुंद असावा और जिला पुलिस अधीक्षक मनीष त्रिपाठी ने तत्काल मोर्चा संभालते हुए स्थिति पर पूरी नजर बनाए रखी। सुरक्षा के मद्देनजर निर्धारित समय सीमा में पूरे कलेक्ट्रेट परिसर को खाली करवा लिया गया। साथ ही, परिसर के बाहर 100 फीट रोड पर यातायात को भी बंद कर दिया गया और यातायात पुलिस द्वारा अनाउंसमेंट कर सभी को जागरूक किया गया। सूचना पर बम डिस्पोजल यूनिट, डॉग स्क्वायड और एटीएस की टीमों ने अत्याधुनिक उपकरणों की मदद से कलेक्ट्रेट परिसर की गहन जांच की। पुलिस, जिला विशेष शाखा और सिविल डिफेंस के जवानों ने भी पूरे परिसर में चप्पे-चप्पे की तलाशी ली।

सर्च ऑपरेशन के दौरान टीम को कोई भी संदिग्ध वस्तु नहीं मिली। पुलिस अधीक्षक मनीष त्रिपाठी ने इस मामले को मॉकड्रिल की अटकलों को खारिज करते हुए कहा कि ई-मेल के जरिए मिली धमकी को गंभीरता से लिया गया था। उन्होंने बताया कि इस प्रकरण में एफआईआर दर्ज कर आगे की जांच शुरू कर दी गई है। इस दौरान एडीएम नरेश बुनकर, एएसपी महेन्द्र पारीक, रजत विश्नोई, एसडीएम बृजेश गुप्ता, आरएएस प्रशिक्षु लतिका पालीवाल, तहसीलदार विजय कुमार सहित भारी संख्या में पुलिस जाब्ता तैनात कर दिया और मौके पर फायर टीम, मेडिकल टीम सहित अन्य प्रशासनिक अधिकारी भी मौजूद रहे। इस घटना के बाद कलेक्ट्रेट परिसर की सुरक्षा व्यवस्था को और भी खडा कर दिया गया है ताकि भविष्य में ऐसी किसी भी अप्रिय घटना से बचा जा सके।

चिकित्सक की सड़क हादसे में दर्दनाक मौत

हादसे में कार दुर्घटनाग्रस्त हो गई।

- कार चालक की गंभीर स्थिति को देखते हुए जयपुर रेफर किया
- जानवर को बचाने के चक्कर में कार की एक ट्रक से टक्कर हो गई

पावटा, (निसं)। उपखंड पावटा क्षेत्र में मंगलवार दोपहर एक भीषण सड़क हादसे में क्षेत्र के चर्चित चिकित्सक डॉ. गोकुल गिठाला की मौत हो गई। पावटा से कोटपुतली की तरफ आते समय रघुनाथपुरा के पास जानवर को बचाने के चक्कर में उनकी कार की एक ट्रक से टक्कर हो गई। टक्कर इतनी जोरदार थी कि मौके पर ही डॉ. गोकुल गिठाला की मौत हो गई, जबकि उनका वाहन चालक गंभीर रूप से घायल हो गया। स्थानीय लोगों की मदद से डॉ. गोकुल गिठाला व वाहन कार चालक घायल को तत्काल नजदीकी बीडीएम जिला अस्पताल कोटपुतली में भर्ती कराया गया, जहां वाहन कार चालक की गंभीर स्थिति को देखते हुए जयपुर रेफर कर दिया गया।

घटना की जानकारी मिलते ही उनके पैतृक निवास पर सैकड़ों की संख्या में लोग जमा हो गए। शोक में डूबे परिजनों को सांत्वना देने के लिए कई स्थानीय नेता, चिकित्सक, जनप्रतिनिधि, व्यापारी, ग्रामीण पहुंचे। डॉ. गोकुल गिठाला न केवल एक कुशल चिकित्सक थे, बल्कि अपने मधुर व्यवहार और सामाजिक सेवा के लिए भी पूरे इलाके में सम्मानित थे। उनकी अचानक मौत से न सिर्फ उनके परिवार, बल्कि चिकित्सा जगत और आम जनता को गहरा आघात पहुंचा है। क्षेत्र के लोगों का कहना है कि उनकी मौत से भविष्य की कई उम्मीदें एक झटके में खत्म हो गईं। पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

बांदनवाड़ा रेलवे स्टेशन पर ट्रेनों के नहीं रुकने से आमजन सुविधा से वंचित

बांदनवाड़ा, (निसं)। अंग्रेजों के जमाने के बने हुए सबसे पुराने रेलवे स्टेशन बांदनवाड़ा से होकर प्रतिदिन दस से पंद्रह ट्रेनें निकलती है, लेकिन केवल मात्र एक ट्रेन के रुकने से आमजन सुविधा से वंचित हो रहे हैं। रेल प्रशासन की अनदेखी से यात्रियों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। बांदनवाड़ा रेलवे स्टेशन से होकर सरपट गुजरने वाली ट्रेनों के ठहराव के लिए स्थानीय जन प्रतिनिधियों द्वारा कई बार प्रयास किया जा चुका है। दिल्ली, चैन्नई, मुम्बई,रतलाम सहित अन्य महानगरों की ओर यात्रा करने वाले यात्रियों को अजमेर, भीलवाड़ा जाकर उक्त ट्रेनों से अपनी यात्रा शुरू करने के लिए मजबूर होना पड़ रहा है।

- रेलवे स्टेशन बांदनवाड़ा से होकर प्रतिदिन दस से पंद्रह ट्रेनें निकलती है, लेकिन मात्र एक ट्रेन रुकती है

रेल प्रशासन की ओर से किसी भी ट्रेन का बांदनवाड़ा स्टेशन पर ठहराव घोषित नहीं होने से क्षेत्र के लोगों को लम्बी दूरी तक यात्रा करने के लिए बेहतर रेल सेवा से महरूम रहना पड़ रहा है। रोगियों को ट्रेवल्स व रोडवेज बसों के जरिए अहमदाबाद तक यात्रा करने के लिए मजबूर होना पड़ रहा है। कस्बे के विभिन्न संगठनों द्वारा रेल प्रशासन, रेल मंत्री, सांसद को कई बार ज्ञापन दिए जाने के बावजूद भी कोई सुनवाई नहीं होने से क्षेत्र की जनता में रेल प्रशासन के खिलाफ भी आक्रोश बढ़ता जा रहा है। लोकसभा चुनावों से पूर्व क्षेत्र की जनता भगीरथ चौधरी को भी आड़े हाथ ले चुकी है, तब चौधरी ने आश्वासन दिया था कि चुनाव जीतते ही पहली प्राथमिकता बांदनवाड़ा में ट्रेन रुकवाने की रहेगी। अब चुनाव जीतने और मंत्री बनने के एक साल बाद भी ट्रेन का स्टोपेज़ नहीं होने से कस्बे के समाजसेवी आहूजा ने रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव, कृषि मंत्री भागीरथ चौधरी व मंडल रेल प्रबंधक अजमेर को पत्र लिखकर दिल्ली-उदयपुर चेतक एक्सप्रेस, इंदौर-जोधपुर एक्सप्रेस, जयपुर-उदयपुर इंटर हॉलिडे ट्रेन रुकवाने की मांग करते हुए बताया कि उक्त ट्रेनों के रुकने से ना केवल रेलवे को राजस्व मुनाफा होगा बल्कि यात्रियों को भी सुविधा मिल सकेगी। इसके साथ ही आहूजा ने बताया कि ब्रॉडगेज होने से पूर्व मीटर गेज लाइन पर लगभग सभी ट्रेंनें रूकती थी और उस दौरान काफ़ी यात्री भार रहता था और रेलवे को राजस्व लाभ भी मिलता था इसलिये अब उक्त ट्रेनों का ठहराव सुनिश्चित किया जाना आवश्यक है।

मोबाइल की दुकान में अज्ञात कारणों से आग लगी

भीलवाड़ा, (निसं)। शहर की कोतवाली थाना क्षेत्र स्थित नागौरी गार्डन इलाके में एक मोबाइल की शॉप में अज्ञात कारणों के चलते आग लगने से क्षेत्र में हड़कंप मच गया। जानकारी के अनुसार नागौरी गार्डन क्षेत्र में स्थित वी के मोबाइल पर देर शाम अज्ञात कारणों के चलते आग लग गई। देखते ही देखते आग ने इतना विकराल रूप ले लिया कि क्षेत्र में आगजनी की यह घटना दहशत का कारण बन गई। सूचना पर कोतवाली थाना पुलिस मौके पर पहुंची और दमकल की मदद से आग पर काबू पाने के प्रयास शुरू किये। करीब एक घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया जा सका। फिलहाल आग किन कारणों से लगी और आग से कितना नुकसान हुआ है यह स्पष्ट नहीं हो पाया है। हालांकि आशंका जताई जा रही है की आग का कारण शार्ट सर्किट होगा।

श्रीडूंगरगढ़ थाने की छत से कूदकर भागा अभियुक्त, पुलिस ने पीछा कर पकड़ा

मारपीट और छीनाझपटी का अभियुक्त 18 फीट की ऊंचाई से कूद गया, दोनों पैर फ्रैक्चर हुये

श्रीडूंगरगढ़, (निसं)। पुलिस थाने में मारपीट और छीनाझपटी का अभियुक्त हिरासत से भागने के लिए छत पर जा चढ़ा और 18 फीट की ऊंचाई से नीचे कूद गया। उसके दोनों पैरों में फ्रैक्चर हो गया। पुलिसकर्मियों ने पीछा कर उसे पकड़ लिया।

श्रीडूंगरगढ़ थाना पुलिस मारपीट और छीनाझपटी के एक मामले में हरियाणा फतेहाबाद में बोदीवाली भट्टूकलां निवासी अनिल कुमार को 16 मई को सिरसा जेल से प्रॉडक्शन वारंट पर गिरफ्तार कर लाई थी। उसे श्रीडूंगरगढ़ कोर्ट में पेश कर 21 मई तक के लिए रिमांड पर लिया गया था। सुबह अभियुक्त को हवालात से कम्प्यूटर कक्ष में ले जाकर पूछताछ की गई। पूछताछ के बाद उसे वापस हवालात ले जाया जा रहा था। इस दौरान मौका देखकर वह हिरासत से भागने के लिए सीढ़ियों से थाने की छत पर चढ़ गया और 18 फीट ऊंचाई से कूदकर सरकारी क्वाटर्स की तरफ भागा। इससे एकबारगी थाने में हड़कंप मच गया और पुलिसकर्मी अभियुक्त को पकड़ने के लिए उसके पीछे भागे। नदीम और पुलिस थाने के स्टॉफ ने कुछ ही दूरी पर अभियुक्त को पकड़ लिया। उसके दोनों पैरों में फ्रैक्चर हो गया जिससे वह ज्यादा तेज नहीं भाग सका। अभियुक्त को अस्पताल ले जाकर इलाज करवाया गया और थाने लाकर हवालात में डाल दिया। थाने से भागने का प्रयास करने पर उसके खिलाफ धारा 262 बीएनएस में केस दर्ज किया गया है। मामले की जांच एएसआई राजकुमार को सौंपी गई है। उसे मंगलवार को कोर्ट में पेश किया जाएगा।

जानकारी के अनुसार हरियाणा से कार में सवार होकर आए पांच बदमाशों ने 3 नवंबर, 2024 को गुसांईसर रोड पर राधेश्याम के साथ मारपीट और छीनाझपटी की वारदात की थी। बीनादेसर निवासी राधेश्याम थार गाड़ी में सवार होकर गुसांईसर रोड से जा रहा था। इस दौरान कार में सवार हरियाणा के बदमाशों ने उसे रोक लिया। राधेश्याम के साथ मारपीट की और सोने की चेन छीन ली। वारदात को अंजाम देकर बदमाश फरार हो गए। पुलिस ने इस मामले में चार अभियुक्तों को पूर्व में गिरफ्तार किया था और कार बरामद कर ली थी। अनिल कुमार फरार चल रहा था जिसे सिरसा केन्द्रीय कारागृह से प्रोडक्शन वारंट पर लेकर गिरफ्तार किया था।

मंदिरों में चोरी करने का आरोपी गिरफ्तार

आरोपी से पूछताछ में कई वारदातों का खुलासा

नसीराबाद सदर थाना पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार किया।

नसीराबाद, (निसं)। नसीराबाद क्षेत्र के बासक बाबा धाम सहित जिले के कई मंदिरों में चोरी की वारदातों को अंजाम देने वाले शातिर चोर को नसीराबाद सदर थाना पुलिस ने गिरफ्तार किया है।

पुलिस अधीक्षक वंदिता राणा के निर्देश पर चलाए जा रहे अपराधियों के खिलाफ अभियान के तहत, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक केकड़ी श्यौराज मल मीणा और वृताधिकारी नसीराबाद जनरैल सिंह के सुपरविजन में विशेष टीम का गठन किया गया। टीम ने कार्रवाई करते हुए मालपुरा निवासी सूरज (37) पुत्र कानाराम बावरी को गिरफ्तार किया जो क्षेत्र में हो रही मंदिर चोरी की वारदातों का मुख्य आरोपी है।

बासक बाबा धाम में हुई थी बड़ी चोरी :-12 मई को देरांठू क्षेत्र के कोटा रोड स्थित बासक बाबा व वीर तेजाजी मंदिर में चोरी की वारदात सामने आई थी। इस संबंध में सुभाष सोनी पुत्र माणकचंद सोनी, निवासी नसीराबाद द्वारा रिपोर्ट दर्ज करवाई गई थी, जिसमें मंदिर से मूर्तियों के मुकुट, गहने आदि चोरी होने की बात कही गई थी। पुलिस ने मौके का निरीक्षण कर रिपोर्ट दर्ज की और गंभीरता से जांच शुरू की। तकनीकी व पारंपरिक अनुसंधान के आधार पर पुलिस ने आरोपी सूरज को धर दबोचा। पूछताछ में सामने आया कि आरोपी ने नसीराबाद क्षेत्र के रामपुरा, ढाल और सरवाड़ क्षेत्र के तीन मंदिरों सहित कई अन्य मंदिरों में भी चोरी की वारदातें की हैं। वह अकेले ही देर रात मंदिरों को निशाना बनाता था और आभूषण, चांदी के मुकुट व अन्य कीमती वस्तुएं चुरा लेता था। पुलिस द्वारा आरोपी से पूछताछ कर चोरी में प्रयुक्त साधनों और चुराई गई वस्तुओं की बरामदगी हेतु आगे की कार्रवाई जारी है।

आईपीएल पर सट्टा कारोबार का पर्दाफाश, पांच गिरफ्तार

पिलानी, (निसं)। कस्बे में आईपीएल पर सट्टा कारोबार का भंडाफोड़ किया है। यह कार्रवाई रात को आईपीएल में चल रहे लखनऊ और हैदराबाद की टीम के मैच के दौरान की गई।

सीआई रणजीत सिंह सेवदा ने बताया कि मुखबिर के जरिए इत्तला मिली थी कि पिलानी कस्बे में नट बस्ती के समीप शिव कॉलोनी में एक मकान में सट्टे का कारोबार हो रहा है, जिस पर पुलिस ने देर रात को छापा मारा, जहां पर हरियाणा निवासी पांच युवक मिले, जो सट्टे की बुक चला रहे थे। पुलिस ने मौके से मनोज पुत्र श्रीओम जाट निवासी वार्ड नंबर चार माता गेट नियर महादेव मंदिर झज्जर थाना सिटी झज्जर, अजय पुत्र हनुमानसिंह राजपूत निवासी निम्भेड़ा थाना सदर महेंद्रगढ़, प्रदीप कुमार पुत्र अतरसिंह अहिर निवासी गडानिया थाना सदर महेंद्रगढ़ व संदीप उर्फ सन्नी पुत्र किशनलाल पंजाबी निवासी वार्ड नंबर नौ नियर दुर्गा मंदिर पटोदी थाना पटोदी जिला गुड़गांव व राहुल पुत्र अंगनाराम मेघवाल निवासी भड़फ थाना कनीना सिटी जिला महेंद्रगढ़ को गिरफ्तार किया है, जिनके पास से दो लैपटॉप, नौ मोबाइल, दो टेबलेट, एक वाईफाई और लाखों रूपए का सट्टे का हिसाब के चार रजिस्टर मिले है।

उन्होंने बताया कि सभी आरोपी शिव कॉलोनी में एक किराए का मकान लेकर यहां से बुक चला रहे थे। जिनके सभी कनेक्शनों के बारे में पड़ताल की जा रही है। आरोपियों के पास से एक थार गाड़ी और एक कार को भी जब्त किया गया है। पांचों आरोपियों को मंगलवार को चिड़ावा कोर्ट में पेश किया गया। जहां से न्यायालय ने पांचों को दो दिन के पुलिस रिमांड पर भेजा है। मकान भी हरियाणा की एक महिला गुड्डी पत्नी रविंद्र निवासी पथरवा का बताया जा रहा है। कार्रवाई में पिलानी थाने के अलावा एजीटीएफ चिड़ावा की टीम भी शामिल थी। सीआई रणजीत सेवदा ने बताया कि आरोपियों से उनके ऊपर की और उनके नीचे की सट्टे की चैन के बारे में पूछताछ की जाएगी।

फायरिंग प्रकरण में दो गिरफ्तार

सादुलपुर, (निसं)। सादुलपुर क्षेत्र में पुलिस थाना राजगढ़ के निकट एक शराब ठेके पर 13 मई की शाम को हुई फायरिंग और रंगदारी मांगने के आरोप में राजगढ़ थाना पुलिस ने मंगलवार को दो आरोपियों को गिरफ्तार किया तथा न्यायालय में पेश कर 24 मई तक पुलिस रिमांड पर लिया गया है।

आग से लाखों का सामान जला

सादुलपुर, (निसं)। सादुलपुर से हिसार जाने वाले एनएच-52 पर गुलपुरा मोड़ सादुलपुर के पास स्थित कुलदीप की ट्रांसपोर्ट कंपनी में आग लग गई। आग इतनी तेज थी कि कोई व्यक्ति दुकान के पास भी नहीं जा सका। घटना की सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड की टीम मौके पर पहुंची। आसपास के लोग की मदद के लिए दौड़े आए। सभी ने मिट्टी और पानी से आग बुझाने का प्रयास किया। लगभग दो घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया जा सका। इस घटना में दुकान में रखा सारा सामान जलकर राख हो गया। आग से हुए नुकसान की राशि लाखों रुपये में आंकी जा रही है। आग लगने के कारणों का पता नहीं चल पाया है। राजकुमार फगेड़िया, मनीष पूनिया ने बताया कि आग लगते ही धुंआ और आग की लपटें आसमान छूने लगी एक बार तो अफरा तफरी फैल गई। पास में ही खड़ी फॉर्च्यूनर गाड़ी भी लपटों से घिरने लगी तो सीसा तोड़कर लोगों ने खींचकर आग से बचाया।

पति-पत्नी के आपसी झगड़े के चलते पत्नी की मौत

- मृतका के गले पर चोट के निशान मिले, हत्या की आशंका जताई, पति फरार

भीलवाड़ा, (निसं)। मांडल थाना क्षेत्र के रायसिंहपुरा खेड़ा गांव में देर रात्रि को शराबी पति-पत्नी के आपसी झगड़े के चलते पत्नी की मौत हो गई। मृतक महिला का शव उसकी छत पर संदिग्ध हालत में पाया गया, जिससे पूरे इलाके में सनसनी फैल गई। मृतका के गले पर चोट के निशान पाए गए हैं, जिससे हत्या की आशंका जताई जा रही है। घटना के बाद से मृतका का पति हरीश फरार है।

मृतका के चचेरे भाई निलेश ने बताया कि सुबह करीब आठ बजे जब उनका भतीजा सरोज को उठाने गया तो वह नहीं उठी। इसके बाद उन्होंने छत पर जाकर देखा तो दरवाजा अंदर से बंद था। दरवाजा खोलने पर सरोज मृत अवस्था में पड़ी मिली। निलेश ने बताया कि सरोज के गले और चेहरे पर चोट के निशान थे और उसका पति हरीश मौके से गायब था। उन्होंने आरोप लगाया कि हरीश अक्सर सरोज से झगड़ा करता था और संभवतः उसी ने उसकी हत्या की है। पुलिस को सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर जिला अस्पताल की मोर्चरी में पोस्टमार्टम के लिए रखवा दिया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है और फरार पति हरीश की तलाश जारी है। पुलिस का कहना है कि शराब के नशे में पति हरीश ने पत्नी का गला दबा दिया जिसके चलते उसकी मौत हो गई। पुलिस लगातार जांच कर रही है और मांडल थाना अधिकारी राजपाल सिंह के नेतृत्व में विशेष टीम गठित कर फरार पति को पकड़ने के प्रयास जारी है। पति-पत्नी उत्तर प्रदेश के बुलंदशहर निवासी थे। दोनों ही पति-पत्नी यहां पर फैक्ट्री में मजदूरी करते थे।

महिला मरीज की संदिग्ध मौत

भीलवाड़ा, (निसं)। शहर के सुभाष नगर थाना क्षेत्र स्थित कृष्णा हॉस्पिटल में एक महिला मरीज की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत के बाद आक्रोशित परिजनों ने दोषी चिकित्साकर्मियों पर कार्रवाई और मुआवजे की मांग को लेकर हंगामा खड़ा कर दिया। कृष्णा हॉस्पिटल में रायपुर तहसील के केसरपुरा गांव की रहने वाली सुखी देवी (45) पत्नी जमुनालाल बैरवा को बच्चेदानी के ऑपरेशन के लिए भर्ती करवाया गया था, जहां मंगलवार को दोपहर में अचानक उसकी ऑपरेशन के बाद मौत हो गई। परिजनों ने इलाज में लापरवाही का आरोप लगाते हुए अस्पताल में हंगामा खड़ा कर दिया और दोषी चिकित्साकर्मियों पर कार्रवाई की मांग और मुआवजे को लेकर फिलहाल परिजनों का हंगामा जारी है। अस्पताल प्रशासन और पुलिस प्रदर्शनकारियों से समझाइए के प्रयास कर रही है।

उदयपुर में तेज हवाओं के साथ बारिश हुई

उदयपुर, (कासं)। लेकसिटी में लगातार तीसरे दिन अचानक मौसम ने करवट ली और हवाओं के साथ बारिश का दौर शुरू हुआ। मंगलवार को शहर में फिर हवाएं चलने लगी और बिजली की कड़कड़ाहट के साथ बादलों ने बरसना शुरू कर दिया। इधर, शहर से सटे ग्रामीण क्षेत्र नाहरमगरा क्षेत्र के नांदवेल गांव में ओले गिरे। अचानक बदलता मौसम उदयपुर शहर में सुबह गर्मी और शाम को मानसूनी मौसम का अहसास हो रहा है।

उदयपुरमें मई माह में लगातार बारिश हो रही है। दिन में गर्मी बढ़ती है और शाम होते-होते बारिश मौसम को हल्का कर जाती है। मौसम में आ रहे बदलाव के चलते तापमान 39 से 40 डिग्री के बीच बना हुआ है लेकिन उमस व बार-बार बिजली की कटौती लोगों को बेहाल कर रही है। मौसम विभाग डबोक से मिली जानकारी के अनुसार उदयपुर शहर का अधिकतम तापमान 39 डिग्री व न्यूनतम तापमान 27.6 डिग्री रिकॉर्ड किया गया। शहर की रातें उमस के चलते अत्यधिक गर्म महसूस की जा रही है। वहीं सुबह होते ही सूरज की तेज तपीश व गर्मी चुभन का एहसास करा रही है।

उदयपुर में मंगलवार को भी अचानक बदले मौसम के साथ बारिश हुई।

- शहर से सटे ग्रामीण क्षेत्र नाहरमगरा क्षेत्र के नांदवेल गांव में ओले गिरे
- उदयपुर शहर का अधिकतम तापमान 39 डिग्री व न्यूनतम 27.6 डिग्री रहा

उदयपुर शहर में सुबह 8.30 से शाम 5.30 बजे तक बीते 12 घंटों में उदयपुर में 5.6 मिमी वर्षा रिकॉर्ड की गई। वहीं सिंचाई विभाग ने प्रातः 8 बजे तक समाप्त बीते 24 घंटों में उदयपुर (गिर्वा) में 22 मिमी व बड़गांव में 2 मिमी वर्षा रिकॉर्ड की। शहर में आगामी दिनों में भी मौसम में यह बदलाव बना रहेगा।

पालिका के कियोस्क तोड़े जाने से कुण्ठित लोगो ने ए.डी.एम. से लगाई गुहार

कियोस्क तोडे जाने से कुण्ठित लोगो ने एडीएम को सौपा ज्ञापन

■ सौपे गये ज्ञापन मे अवगत करवाया कि वर्ष 2003-2004 मे मुख्यमंत्री स्वरोजगार योजना के तहत व्यास सर्किल के पास तीन दर्जन कियोस्क का निर्माण करवा पालिका द्वारा बेरोजगार लोगो को रोजगार का अवसर दिया गया था

मालपुरा। मालपुरा शहरी क्षेत्र मे नवीन बस स्टेण्ड निर्माण के लिये बीते दिनो नगरपालिका प्रशासन द्वारा व्यास सर्किल के पास बने तीन दर्जन कियोस्क तोडे जाने से कुण्ठित लोगो ने मंगलवार को मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंप लगाई गुहार।

सौपे गये ज्ञापन मे अवगत करवाया कि वर्ष २००३-२००४ मे मुख्यमंत्री स्वरोजगार योजना के तहत व्यास सर्किल के पास तीन दर्जन कियोस्क का निर्माण करवा पालिका द्वारा बेरोजगार लोगो को रोजगार का अवसर दिया गया था। इन कियोस्को मे वो लोग रोजगार कर परिवार का पालन-पोषण कर रहे थे। बीते दिनो नगरपालिका प्रशासन ने बिना पूर्व सूचना व नोटिस दिय बगैर ही आनन-फानन मे सरकारी कियोस्क तोड दिये। कुण्ठित लोगो ने नवीन बस स्टेण्ड निर्माण के दौरान कियोस्क बना पुन: आवंटित करने की गुहार लगाई। एडीएम विनोद कुमार मीणा ने लोगो की भावनाओं के अनुरूप कार्य करने का विश्वास दिलाया। तो वही शहर के दर्जनो लोगो ने दबी जुबान मे प्रशासन के निर्णय को उचित कदम बताते हुये जल्द नवीन बस स्टेण्ड शुरू करवाने की मांग की गई।

साथ ही लोगो का कहना था कि जिन लोगो को कियोस्क आवंटित किये गये थे वो लोग आज तक उस कियोस्क मे कोई रोजगार नही कर रहे है। बल्कि अपनी पहचान का लाभ लेते हुये आवंटित कियोस्क अन्य लोगो को मासिक किराये पर दे मोटा मुनाफा कमा रहे थे। वैसे तो पालिका ने नियम संगत इन कियोस्को का निर्माण दस वर्ष की अल्प समयावधि के लिये करवा कियोस्को का आवंटन किया गया था। जिनका समय पूर्ण होने तथा नवीन बस स्टेण्ड निर्माण के लिये सरकारी भूमि को खाली करवाने के लिये यह कियोस्क तुडवाये गये थे।

ट्रेलर को जप्त किया

कोटपूतली। कोटपूतली-पनियाला रोड़ पर निकटवर्ती ग्राम ग्राम पनियाला में अवैध खनन और निर्माण सामग्री की रोकथाम के लिये खान एवं भू-विज्ञान विभाग की टीम ने मंगलवार को बड़ी कार्यवाही की है। जहाँ एक ट्रेलर को खनिज आयरन अवैध निर्माण कार्य के लिये ले जाते समय पकड़ा गया। सहायक खनिज अभियंता खान एवं भू-विज्ञान विभाग कोटपूतली की टीम ने आकस्मिक कार्यवाही करते हुये ट्रेलर को जप्त कर पुलिस थाना पनियाला की सुपुर्दगी में दे दिया है। इस कार्यवाही से अवैध खननकर्ताओं में हडक़ंप मच गया है।

कार्यालय उप आवासन आयुक्त, वृत्त द्वितीय
राजस्थान आवासन मंडल, अग्रवाल फार्म, मानसरोवर, जयपुर
क्रमांक: DHC-II/282 **जाहिर आम सूचना** दिनांक: 20.05.2025

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि राजस्थान आवासन मण्डल द्वारा आवास संख्या 1/6, मानसरोवर, जयपुर क्षेत्रफल 200.00 वर्ग मीटर/वर्गगज का आवंटन श्री जगदीश किशोर शर्मा पुत्र श्री कान्ति लाल शर्मा को किया गया था। जिसका आवंटन पत्र क्रमांक 51 दिनांक 19.01.1987 को जारी किया गया। इनके द्वारा उक्त आवास का भौतिक कब्जा दिनांक 04.07.1987 को प्राप्त कर लिया गया था। राजस्थान आवासन मण्डल के पत्र क्रमांक 3856 दिनांक 18.03.1991 के द्वारा श्री जगदीश किशोर शर्मा पुत्र श्री कान्ति लाल शर्मा के नाम अदेय प्रमाण पत्र जारी कर दिया गया। इनके द्वारा अपने स्वयं के पक्ष में उक्त आवास के पंजीयन पत्रों का निष्पादन कार्यालय उप पंजीयक, जयपुर में दिनांक 27.06.1992 को करवा लिया गया। इसके पश्चात श्री जगदीश किशोर शर्मा की मृत्यु दिनांक 29.04.2019 को हो जाने के कारण इनकी पुत्री श्रीमती रीमा नावला पत्नी श्री शरत चन्द नावला ने मृत्यु पश्चात् नाम हस्तान्तरण सम्बन्धी प्रपत्र एवं पंजीकृत हकत्याग प्रपत्र प्रस्तुत कर उक्त आवास को अपने नाम हस्तान्तरण हेतु निवेदन किया है। अतः उक्त आवास के हस्तान्तरण के संबंध में किसी भी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो विज्ञप्ति प्रकाशन के 7 दिवस में व्यक्तिगत रुप से उपस्थित होकर अपनी आपत्ति प्रस्तुत कर देवें, अन्यथा उक्त अवधि में कोई आपत्ति प्राप्त नहीं होने पर उक्त वर्णित व्यक्ति/आवेदक श्रीमती रीमा नावला पत्नी श्री शरत चन्द नावला के पक्ष में उक्त आवास के हस्तान्तरण की कार्यवाही कर दी जावेगी। उक्त जाहिर आम सूचना उप आवसन आयुक्त महोदय से अनुमोदित है।

सम्पदा प्रबंधक, वृत्त द्वितीय, जयपुर

खोया पाया

सलमान खान पुत्र कमालुद्दीन से खरीदे गये भूखण्ड की चेन डिटेल जो मुन्नी बेगम पत्नी इन्दू खॉ, मोहम्मद शफिक पुत्र खलील, शबनम पुत्री अहमद मियाँ फिरोज पुत्र हाजी अनवर के कागजात कहीं खो गये है मिलने पर सूचित करें नसरीन पत्नी मोहम्मद अशफाक 9413765046

मेरे प्लॉट नं.349 श्री करणी उमा विहार-ई, कालवाड रोड, गोकुलपुरा, जयपुर (महाराणा प्रताप गृह निर्माण सहकारी समिति लि., जयपुर) के मूल पट्टा, साइट प्लान रसीद खो गई मिलने पर सूचित करें- कलवावती देवी धर्मपत्नी श्री भंवरलाल शर्मा 7568806551

प्रपत्र संख्या 7
(देखिये नियम 21)
कार्यालय सहायक आयुक्त (प्रथम) देवस्थान विभाग, जयपुर
राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 18 (2) के अधीन नोटिस
समस्त सम्बन्धित व्यक्तियों को

मुकदमा नम्बर DEV/JAIPUR-I/TRUST/2025/287
चूंकि प्रार्थी श्री राजू सैनी, बडोदिया तहसील चाकसू जिला जयपुर ने राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 17 (1) के अन्तर्गत प्रन्यास सुन्दरमन बाल विद्या शिक्षा संस्थान, बडोदिया तहसील चाकसू जिला जयपुर के सम्बन्ध में अग्रिम जांच किये जाने के लिए आवेदन-पत्र दिया है।
अतएव धारा 18 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों के प्रयोग में उपर्युक्त प्रन्यास जिसकी जांच की जा रही है, में हित रखने वाले समस्त व्यक्तियों के नाम, व्यापक जानकारी के लिए, यह नोटिस प्रकाशित किया जाता है कि वे इस नोटिस के जारी होने की तारीख से साठ दिन के भीतर उक्त प्रन्यास के सम्बन्ध में आपत्तियां, यदि कोई हो प्रस्तुत करे।
और यह सूचित किया जाता है कि यदि उपरोक्त निर्दिष्ट अवधि के भीतर कोई आपत्तियां नहीं की गई तो उक्त आवेदन-पत्र निर्धारित रीति से निर्णित किया जावेगा तथा जांच ग्रसित मामले में निष्कर्ष अभिलिखित किया जावेगा।
आज दिनांक 19-05-2025 को मेरे हस्ताक्षर तथा कार्यालय मोहर के अधीन जारी किया गया।
आइंदा तारीख पेशी 23/07/2025

मोहर अदालत | सहायक आयुक्त, देवस्थान विभाग, जयपुर-प्रथम

नाम परिवर्तन

मैं शिशराम ये घोषित करता हूँ कि मेरी माताजी का नाम जय कोडी है। उनके मृत्यु प्रमाण पत्र में तथा मेरे पिता जी की पॉलिसी में इनका नाम तीजा देवी है जो की गलत है एवं मेरे पिताजी ईश्वर लाल जो की मृत्यु प्रमाण पत्र में जय कोडी है ये तीनों व्यक्ति एक है। जिनका नाम जय कोडी है आधार में।

मैंने मेरा नाम अब्दुल रशीद पठान से बदलकर अब्दुल रशीद पुत्र श्री हमीद खान रख लिया है। भविष्य में मुझे अब्दुल रशीद के नाम से जाना जावे। पता:- 1085, गुलजार मस्जिद, चोकड़ी तोपखाना हुजूरी, घाटगेट, जयपुर।

मैंने अपना नाम Rashi से बदलकर Rashi Arora रख लिया है। भविष्य में मुझे Rashi Arora के नाम से जाना जाए। पता Rashi Arora बी-1004, अनुकंपा प्लेटिना, इस्कॉन रोड, मानसरोवर जयपुर

मैं नरेश भार्गव ने अपना नाम नरेश कुमार भार्गव पुत्र श्री राजेश्वर प्रसाद भार्गव रख लिया है। भविष्य में मुझे नरेश कुमार भार्गव नाम से जाना जाए। निवासी एस-250 महावीर नगर टोंक रोड जयपुर-302018 राजस्थान

मैं आर्मी नं. 16031009Y सिपाई नरेश यूनिट 17 राज रिफ (सवाईमान) है। मेरे सैन्य दस्तावेजों में मेरी माताजी का नाम "ओमवती", (Omwavit) जन्म दिनांक 08.07.1977है। जो की गलत है। मेरी माताजी का सही नाम-"ओमवती" (Omavati) जन्म दिनांक 01.01.1976 है। जोकि सही और सत्य है

नम्बर मिलाइए
9587884433

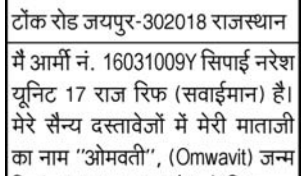

सिर्फ एक फोन कॉल पर विज्ञापन घर बैठे बुक करायें।

श्री गणेशपुरी धाम विकास समिति का गठन

चाकसू। चाकसू स्थित प्राचीन सिद्ध पीठ श्री गणेश पुरी धाम के समुचित विकास के लिए बाबा के सेवकों की एक बैठक महंत राजेंद्र पुरी महाराज की अध्यक्षता में आयोजित की गई। श्री गणेशपुरी धाम विकास समिति महामंत्री पद पर रविंद्र सिंह तोमर, राजेंद्र गोस्वामी, गुड्डू जांगिड, गिरिराज मीणा को मंत्री, अंबालाल यादव को कोषाध्यक्ष एवं लालचंद सैन को प्रचार प्रसार मंत्री का दायित्व दिया गया है। उपाध्यक्ष पद का दायित्व विनोद राजोरिया,बलराम शर्मा, मोतीलाल शर्मा, कालूराम गुर्जर को तथा संरक्षक पद पर महंत राजेंद्र पुरी महाराज, राजेंद्र मामोडिया ओम गोस्वामी, नंदलाल मामोडिया एवं रामजीलाल शर्मा को बनाया गया है। रामबाबू मेठी सह कोषाध्यक्ष एवं गोपाललाल गोस्वामी को सहप्रभारी मंत्री की जिम्मेदारी दी गई है। इनके अलावा 14 लोगों को सहयोगी सदस्य बनाया गया है। इनमें शंकरलाल गुप्ता,कालूजी सैनी,मुकेश खींची, बाबूलाल यादव, राधेश्याम शर्मा, प्रहलाद भगत, गिरिराज बूसर, रामावतार मामोडिया,राधाकिशन जाट, रामप्रसाद गुर्जर, हनुमान गिरी, चम्पेश्वर शर्मा एवं लक्ष्मीनारायण पुरी गोस्वामी प्रमुख है।

कलेक्ट्रेट परिसर को बम से उड़ाये जाने की धमकी मिलने से अफरा-तफरी मची

■ पुलिस प्रशासन ने आनन-फानन में तत्काल कार्यवाही करते हुये पूरा कलेक्ट्रेट एवं जिला पुलिस कार्यालय को खाली कराया तथा जांच की

दौसा। जिला एवं पुलिस प्रशासन के आला अधिकारियों में मंगलवार को ई-मेल के जरिये कलेक्ट्रेट परिसर को बम से उड़ाये जाने की धमकी मिलने के साथ ही अफरा-तफरी मच गई तथा पुलिस प्रशासन ने आनन-फानन में तत्काल कार्यवाही करते हुये पूरा कलेक्ट्रेट एवं जिला पुलिस कार्यालय को खाली कराया तथा जांच की गई। उधर कलेक्ट्रेट को बम से उडाने की धमकी जिला कलेक्टर को ई-मेल के जरिये मिली थी, इसकी सूचना जिला कलेक्टर ने पुलिस अधीक्षक सागर राणा सहित डॉग स्कायर्ड एवं डिस्पोजल स्कायर्ड टीम को दी। वही दूसरी ओर जिला कलेक्टर देवेन्द्र कुमार ने पुलिस अधीक्षक सागर राणा को ई-मेल से धमकी देने वाले के खिलाफ कार्यवाही के निर्देश दिये है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार मंगलवार को किसी अज्ञात व्यक्ति द्वारा प्रात: 6 बजे जिला कलेक्टर देवेन्द्र कुमार को एक ई-मेल भेजा गया, जिसमें साढे 3 बजे कलेक्ट्रेट परिसर को बम से उड़ाये जाने की धमकी दी गई थी। प्रात: 9:30 बजे जिला कलेक्टर देवेन्द्र कुमार ई-मेल चैक कर रहे थे, उन्होंने जैसे की धमकी भरा ई-मेल देखा तो तत्काल पुलिस अधीक्षक सागर राणा को इसकी जानकारी दी। इधर ई-मेल की जानकारी कलेक्ट्रेट में कार्यरत अन्य अधिकारी एवं कर्मचारियों को भी मिल गई, जिसके चलते अधिकारी एवं कर्मचारियों में हडकम्प मच गया।

बताया जाता है कि शुरुआती दौर में अधिकारी एवं कर्मचारी इसे मॉक ड्रिल समझ रहे थे, लेकिन जैसे की पुलिस प्रशासन हरकत में आया उसके साथ ही कलेक्ट्रेट परिसर में भगदड मच गई तथा अधिकारी एवं कर्मचारियों में दहशत फैल गई। पुलिस अधीक्षक सागर राणा के निर्देश पर सीटी सीओ रवि प्रकाश शर्मा ने तत्काल कलेक्ट्रेट एवं पुलिस अधीक्षक कार्यालय को खाली कराया तथा परिसर को पूरी तरह से सील कर दिया। वही दूसरी ओर जिला कलेक्टर देवेन्द्र कुमार एवं पुलिस अधीक्षक सागर राणा ने तत्काल इसकी सूचना डॉग स्कायर्ड एवं बम डिस्पोजल स्कायर्ड टीम को दी। सूचना मिलने के साथ ही तकरीबन साढ़े 3 बजे टीम कलेक्ट्रेट पहुँची तथा पूरे परिसर की गहनता से जांच के बाद जिला कलेक्टर देवेन्द्र कुमार को परिसर में बम नही होने का प्रमाण पत्र दिया।

इधर प्रमाण पत्र मिलने के साथ ही जिला एवं पुलिस प्रशासन के आला अधिकारियों ने राहत की सांस ली।

जिला कलेक्टर देवेन्द्र कुमार ने बताया कि प्रात: 6 बजे अज्ञात व्यक्ति द्वारा मेल की थी, साढ़े 9 बजे मेल चैक करते समय कलेक्ट्रेट परिसर को साढे 3 बजे बम से उडाने की धमकी भरा मैसेज देखा तत्काल पुलिस अधीक्षक सागर राणा को इसकी जानकारी दी। कलेक्ट्रेट एवं पुलिस अधीक्षक कार्यालय को खाली कराया तथा गहनता से जांच की गई, प्रारंभिक जांच में कुछ नही मिलने पर भी डिस्पोजल स्कायर्ड एवं डॉग स्कायर्ड टीम को मौके पर बुलाया गया। टीम के दोपा पहुंचने पर पुन: गहनता से जांच की गई, जांच के बाद टीम प्रमाण पत्र देकर गई है।

टॉपर विद्यार्थियों का किया सम्मान

श्रीमाधोपुर। महात्मा गांधी इंटरनेशनल सीबीएसई स्कूल श्रीमाधोपुर में 10 वीं एवं 12 वीं सीबीएसई बोर्ड परीक्षा में उत्कृष्ट परीक्षा परिणाम प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया। को-ऑर्डिनेटर अक्षय सैनी ने बताया कि मंगलवार को विद्यालय परिसर में निदेशक मोहर सिंह खर्रा व स्कूल प्राचार्य मनीष कुमार उप प्राचार्य व कॉलेज प्राचार्य डॉ. वी के सैनी व सचिव गीता खर्रा के द्वारा बोर्ड परीक्षा में उत्कृष्ट परिणाम प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों का माला पहनाकर व मिठाई खिलाकर सम्मान किया एवं प्रतीक चिन्ह भेंट किया गया, निदेशक मोहर सिंह खर्रा ने सभी विद्यार्थियों को उज्जवल भविष्य की शुभकामनाएं दी। 12 वीं के परीक्षा परिणाम में कोमल चौधरी ने 96.20 प्रतिशत, रिंशु अग्रवाल ने 93 प्रतिशत, शीतल चौधरी ने 92 प्रतिशत, हर्षिता ने 90.20 प्रतिशत वहीं दसवीं के परिणाम में अनुष्का चौधरी ने 90 प्रतिशत, दिव्या कुमावत ने 90 प्रतिशत, अंजू सैनी ने 90 प्रतिशत, अंक प्राप्त किये। विद्यार्थियों की इस सफलता पर स्कूल स्टाफ व अभिभावकों ने मिठाई बांटकर व अच्छे परिणाम के उपलक्ष में मुख्य बाजारों से जुलूस निकालकर खुशी मनाई।

आरोपी गिरफ्तार : थाना प्रभारी घासीलाल मीणा ने बताया कि 16 मई की रात करीब पौने 9 बजे गोपाली गांव के रहने वाले एहसान और शकील बाइक पर सवार होकर पाडल्या चारण की पुलिया के पास से गुजर रहे थे, इस दौरान चार बदमाशों ने इनसे मारपीट की तथा शकील का मोबाइल और एहसान की जेब से 500 रुपए निकाल लिए।

बिजली ट्रांसफार्मर से तांबा और तेल चुराने वाले तीन शातिर गिरफ्तार

■ तेल चोरी करने वाले बावरिया गैंग के तीन शातिर बदमाशों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने यह कार्रवाई प्रोडक्शन वारंट पर की

चाकसू। क्षेत्र की कोटखावदा थाना पुलिस ने बिजली ट्रांसफारमर से वायर और तेल चोरी करने वाले बावरिया गैंग के तीन शातिर बदमाशों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने यह कार्रवाई प्रोडक्शन वारंट पर की। यह गैंग फरवरी 2025 में कोटखावदा क्षेत्र के राड़ोली गांव में बिजली ट्रांसफारमर से वायर और तेल चोरी करने की वारदात में शामिल था।फरियादी मयंक शर्मा, जो कि विद्युत विभाग में सहायक अभियंता है, ने 20 फरवरी 2025 को थाने में अज्ञात लोगों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई थी। शिकायत में बताया गया था कि गांव राड़ोली में ट्रांसफारमर से वायर और तेल चोरी कर लिया गया। इस मामले में पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू की थी।कोटखावदा थाना प्रभारी भरत महर के नेतृत्व में गठित टीम ने जांच के दौरान बावरिया गैंग के तीन सदस्यों को चाकसू थाना क्षेत्र से गिरफ्तार किया। पूछताछ में आरोपियों ने न केवल राड़ोली गांव में चोरी करना स्वीकार किया, बल्कि यह भी कबूल किया कि उन्होंने कोटखावदा और आसपास के इलाकों में भी कई जगह ट्रांसफारमर से वायर और तेल की चोरी की है।गिरफ्तार किए गए आरोपियों के नाम हैं - राजेंद्र बावरिया उर्फ अक्स, सिंदास सिंह और सरदार उर्फ जंगू। तीनों आरोपी मूल रूप से टोंक जिले के रहने वाले हैं लेकिन वर्तमान में जयपुर के अलग-अलग इलाकों में डेरा जमाए हुए थे। पुलिस ने इन्हें न्यायालय में पेश कर रिमांड पर लिया है और आगे की पूछताछ की जा रही है।कोटखावदा थाना पुलिस की इस कार्रवाई से इलाके में हो रही ट्रांसफारमर चोरी की घटनाओं पर अंकुश लगने की उम्मीद है।

हीटवेव से आमजन का जीवन अस्त - व्यस्त

■ 25 मई से नौतपा बरतें सावधानी, स्वास्थ्य विभाग ने की अपील

पावटा। तन को झुलसा देने और गले को सुखाने वाली गर्मी के दौर में दिन-रात दोनों तपने लगे हैं। ऐसे में गर्मी और हीट वेव आमजन को और ज्यादा परेशान कर सकती हैं। वहीं 25 मई से शुरू होने वाले नौपता के कारण आमजन के हालात और अधिक विकट हो जाएंगे। हीटवेव से जनजीवन अस्त व्यस्त हो गया है।

भीषण गर्मी की वजह से सड़कों व बाजारों में सन्नाटा पसरा हुआ है। 25 मई से गर्मी के तेवर और तीखे होने के आसार है। 25 मई से नौपता शुरू हो गया है। इन 9 दिनों की अवधि में सूर्य और पृथ्वी के बीच की दूरी काफी कम हो जाएगी। इस कारण सूर्यदेव की तपिश काफी ज्यादा महसूस होगी।

इस दौरान गर्मी अपने चरम पर होगी। नौतपा 25 मई से लेकर 2 जून तक रहेगा। ऐसे में इन दिनों में आसमान से आग बरसेगी। ऐसे में स्वास्थ्य विभाग ने जिले के सभी चिकित्सा संस्थानों में हीटवेव के बचाव के पुख्ता इंतजाम किए गए है। उपजिला अस्पताल पावटा अधीक्षक डॉ. रवि बंसल ने आमजन से अपील की है कि बिना वजह धूप में न निकले, बहुत अधिक भीड़ व घुटन वाली जगह पर जाने से बचे साथ ही उन्होंने कहा कि गर्मी में अधिक पानी, पेय पदार्थ नींबू पानी, नारियल, ज्यूस का अधिक सेवन करना चाहिए जिससे डिहाइड्रेशन नहीं होनौतपा की अवधि में बिनी भी स्थिति में बिना कुछ खाए पिए घर से न निकलें। खुले शरीर बाहर न निकलें, टोपी पहने, कानों को ढंककर रखें और आंखों पर धूप का चश्मा अवश्य लगाएं। ज्यादा से ज्यादा पानी पिएं व्यंजन खाएं और साथ में भी रखें मौसमी फल, फलों का रस, दही, जीरा छाछ, जलजीरा, लस्सी और आम का पना पिएं। नरम,मुलायम, सूती कपड़े पहनें जिससे हवा और कपड़े शरीर के पसीने को सोखते रहे। इसके अतिरिक्त समय-समय पर आवश्यकता के अनुसार ग्लूकोज का सेवन करते रहें और अपनी ऊर्जा का उपयोग अनावश्यक न करें।

पट्टे नहीं मिलने से नाराज लोगों ने नगर निगम के समक्ष प्रदर्शन कर आयुक्त को ज्ञापन दिया

सैंकड़ों महिला एवं पुरुषों ने नगर निगम कार्यालय पहुँचकर संबंधित अधिकारी के विरूद्ध नारेबाजी कर विरोध प्रदर्शन किया।

■ भरतपुर में पट्टे नहीं मिलने से नाराज लोगों ने किया प्रदर्शन, नगर निगम आयुक्त ने दिया आश्वासन, 8 दिन बाद कलेक्ट्रेट के सामने धरने की चेतावनी

भरतपुर। भरतपुर शहर के कच्चे डण्डे के पट्टों की पत्रावलियो के सहायक नगर नियोजक (ए.टी.पी.) द्वारा लम्बे समय से नक्शे नहीं बनाये जाने के विरोध में संघर्ष समिति के संयोजक जगराम धाकड़ के नेतृत्व में सैकड़ों महिला एवं पुरुषों ने नगर निगम कार्यालय पहुँचकर संबंधित अधिकारी के विरूद्ध नारेबाजी कर विरोध प्रदर्शन किया और एक ज्ञापन नगर निगम आयुक्त भरतपुर को देकर मांग की गई कि लापरवाह अधिकारी के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्यवाही कर शीघ्रातिशीघ्र पट्टे की पत्रावलियों के नक्शा बनवाकर पट्टे देने की प्रक्रिया को चालू किया जाये।

विरोध प्रदर्शन में कच्चे डण्डे के सैकड़ों महिला एवं पुरुषों ने भाग लेकर ए.टी.पी. के विरूद्ध जबरदस्त नारेबाजी की तथा संघर्ष समिति की ओर से आयुक्त नगर निगम भरतपुर को दिये गये ज्ञापन में अवगत कराया कि राजस्थान सरकार व नगर प्रशासन कच्चे डण्डे वालों को पट्टे तो देना चाहते है, पर जिसके परिणामस्वरूप निगम स्तर पर लगभग 150 पट्टे तैयार भी किये जा चुके है, लेकिन निगम में कार्यरत सहायक नगर नियोजक (ए.टी.पी.) द्वारा सैकड़ों की तादाद में पैंडिंग पड़ी पत्रावलियों के नक्शे तैयार नहीं किये जा रहे है, जिसके चलते कच्चे डण्डे पर रहने वाले सैकड़ों गरीब मजदूर तबके के लोगों को दर-दर की ठोकरें खानी पड़ रही है। ज्ञापन में सहायक नगर नियोजक (ए.टी.पी.) की कार्यशैली को लेकर कच्चे डण्डे पर निवास करने वाले लोगों में गहरा रोष व्याप्त है, जिसके चलते ऐसे अधिकारी के साथ अनुशासनात्मक कार्यवाही की जावे। दिये गये ज्ञापन में संघर्ष समिति ने स्पष्ट चेतावनी देते हुए कहा है कि आगामी सात दिवसों में पैंडिंग पत्रावलियों के नक्शे नहीं बनाये गये तो संघर्ष समिति के द्वारा जिला कलैक्ट्रेट के सामने धरना देकर आक्रोश व विरोध प्रकट किया जायेगा। आयुक्त श्रवण कुमार बिष्णोई ने प्रतिनिधि मण्डल से ज्ञापन लेने के उपरान्त आश्वासन दिया कि आगामी शुक्रवार तक सभी पैंडिंग पत्रावलियों के नक्शे बनवाकर तैयार पत्रावलियों के पट्टों का वितरण कर दिया जायेगा। नक्शे बनाने में देरी न हो, इस पर शीघ्र कार्यवाही की जायेगी।

प्रदर्शन में पूर्व नेता प्रतिपक्ष इन्द्रजीत भारद्वाज, श्रीराम चन्देला, डा. मुकेश भारतीय, नरेश शर्मा, शागमल वर्मा, ओमप्रकाश मिश्रा, मिश्रीलाल, दीपक सिंह जघीना गेट, मानसिंह सागर, श्रीपथ शर्मा, जगदीश खण्डेलवाल, दीना पंडित, मानसिंह गुर्जर, अशोक कुमार कर्दम, कृष्ण कष्यप, बालकृष्ण कष्यप, श्यामो देवी, रामवती, प्रेमवती, यशोदा, गीता, माया देवी, नसीर खां, वसीर खां आदि सैकड़ों महिला एवं पुरुषों ने भाग लिया।

आम सूचना सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे अभिभाष्य श्री अब्दुल हफीज पुत्र श्री अलानूर एवं हसन बानो पत्नी श्री अब्दुल हफीज निवासी-3482, शेखावतो की छतरी, नाहरी का नाका, शास्त्री नगर, जयपुर, राजस्थान के है तथा अब्दुल हफीज की पूर्व पत्नी अन्नो से एक पुत्र मोहम्मद यासीन उर्फ कमल मेरे अभिभाष्या के कहे मे नही है मेरे अभिभाष्यगण का कहना नही मानता है जिस कारण मेरे अभिभाष्यगण ने अपने पुत्र को अपनी समस्त चल व अचल सम्पत्तियों से बेदखल कर दिया है। अब मेरे अभिभाष्य का अपने पुत्र मोहम्मद यासीन उर्फ कमल से कोई सम्बन्ध व सरोकार नहीं रहा है यदि कोई व्यक्ति इनसे किसी प्रकार का कोई लेन देन या संव्यवहार करता है तो उसके लिये वह स्वयं जिम्मेदार होगा। मेरी अभिभाष्या किसी प्रकार से उत्तरदायी नही होगी। सूचित रहें।
जयपुर | (शहजाद हुसैन) एडवोकेट
दिनांक-17/4/25 | मो.7976162071

श्री साधुमार्गी जैन श्रावक संस्थान जयपुर
आम सूचना
श्री साधुमार्गी जैन श्रावक संस्थान जयपुर को आयुक्त जोन-5, जयपुर विकास प्राधिकरण जयपुर द्वारा गायत्री नगर ए के सुविधा क्षेत्र में धर्मशाला, चिकित्सालय, स्थानक व प्रार्थना भवन इत्यादि का निर्माण एवं संचालन हेतु **आवासीय योजना के मध्य भूमि आवंटित की जा रही है।** गायत्री नगर के योजनाधारियों एवं जयपुर की आम जनता को कोई आपत्ति हो तो दिनांक 30 मई 2025 तक अपनी आपत्ति आयुक्त जोन-5, जयपुर विकास प्राधिकरण जवाहरलाल नेहरू मार्ग, जयपुर को दर्ज करवा देवें।

राजस्थान राज्य सहकारी आवासन संघ लि.जयपुर
5वीं व 6ठीं मंजिल नेहरू सहकार भवन, 22 गोदाम सर्किल, जयपुर
Phone:0141-2741805, E-mail: rschfjaipur@yahoo.com
क्रमांक-39/25 | दिनांक-19/05/2025
आम सूचना
संघ की आवासीय योजना केसरी चन्द चौधरी नगर, अजमेर रोड, जयपुर का भवन संख्या-4/61, श्रीमती उषा नागर पत्नि श्री सुधीर नागर को आवंटित किया गया था, जिसकी कन्वेंस डीड एवं परप्यूचल लीज जारी कर दि.25.03.2000 को रजिस्ट्री करवा दी गई थी। उक्त भवन को श्री राकेश कुमार खन्ना पुत्र श्री यू.डी.खन्ना ने रजिस्टर्ड विक्रय पत्र द्वारा दिनांक 17.05.2000 को क्रय कर आवश्यक दस्तावेज प्रस्तुत कर स्वयं के नाम ट्रांसफर कराने हेतु निवेदन किया गया है। जिस किसी को उक्त भवन के हस्तांतरण पर आपत्ति हो तो संघ कार्यालय में 15 दिवस में प्रमाण सहित प्रस्तुत करें, अन्यथा भवन संख्या 4/61, केसरी चन्द चौधरी नगर, अजमेर रोड, जयपुर श्री राकेश कुमार खन्ना पुत्र श्री यू.डी.खन्ना के नाम हस्तांतरण कर दिया जावेगा।
(योगेश शर्मा) प्रबंध निदेशक

आम सूचना सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि फॅर्म मै. ए एम इण्डस्ट्रीज, जी 1-513, औद्योगिक क्षेत्र भिवाड़ी तहसील टपूकड़ा जिला खैरथल-तिजारा एक पार्टनरशिप फॅर्म है। जिसका रजिस्ट्रेशन नंबर 02/22/2016 है। उक्त फॅर्म में श्री अजय कुमार पुत्र श्री बलवन्त सिंह निवासी ग्राम चमधेरा पोस्ट बेरी तह.एवं जिला महेंद्रगढ़ , हरियाणा , श्री मुकेश कुमार पुत्र श्री ओम प्रकाश निवासी ग्राम सिलारपुरा पोस्ट कारोता तह. नारनौल जिला महेंद्रगढ़ , हरियाणा एवं श्री राजेश कुमार पुत्र ओम प्रकाश निवासी ग्राम सिलारपुरा पोस्ट कारोता तह. नारनौल जिला महेंद्रगढ़, हरियाणा पार्टनर है। पार्टनर श्री मुकेश कुमार ने दिनांक 12.5.2025 से स्वेच्छा से अपनी भागीदारी छोड़ दी है। फर्म में अब अजय कुमार एवं राजेश कुमार दो पार्टनर रह गए है जिनकी भागीदारी क्रमशः 25 प्रतिशत एवं 75 प्रतिशत रहेगी। उक्त भागीदारी परिवर्तन में किसी को कोई आपत्ति हो तो 7 दिवस में रजिस्ट्रार ऑफ फर्म्स, जिला उद्योग एवं वाणिज्य केन्द्र, भिवाड़ी में अपनी आपत्ति दर्ज करवाएं।
- पार्टनर मै. ए एम इण्डस्ट्रीज

कार्यालय नगर निगम ग्रेटर जयपुर
(पण्डित दीनदयाल उपाध्याय भवन, लालकोठी, टोंक रोड, जयपुर)
क्रमांक :- ज.स.अ./2025/68 | दिनांक :- 19/05/2025
ई-निविदा सूचना क्रमांक :- 3/2025-26
OPERATION & MAINTENANCE OF 01 No's TRUCK MOUNTED ROAD SWEEPER MACHINE कार्य हेतु पंजीकृत फर्म्स से ई-निविदा आमंत्रित की जाती है। निविदा प्रपत्र, विस्तृत सूचना एवं शर्तें आदि सम्पूर्ण विवरण वेबसाइट www.sppp.raj.nic.in एवं www.eproc.rajasthan.gov.in पर स्टेट पब्लिक प्रोक्यूरमेन्ट के UBN No. JMC2526GSOB00541 पर देखी जा सकती है।
राज.संवाद/सी/25/2636 | उपायुक्त (गैराज), नगर निगम ग्रेटर जयपुर

OFFICE THE GRAM PANCHAYAT DIVRALA PS-AJITGARH (SIKAR)
No.Eproc/2025-26/287 | Date:- 15.05.2025
E-Tender Notice No. 03/2025-26
Bids for open tender of procurement Of Construction Material for Work in MGNREGA And Other Scheme in Gram Panchayat DIVRALA Panchayat Samiti AJITGARH (Sikar) are invited from Firms/Suppliers Registered Under the GST act 2017, 6.00 PM of 26-05-2025. Other particulars of the bid may be visited on the procurement Portal http://sppp.raj.nic.in and http://eproc.rajasthan.gov.in/ of the state and at Gram Panchayat DIVRALA Office in all working days.
UBN:- PAJ2526GLRC00058
सरपंच, ग्राम पंचायत दिवराला, पं.स.अजीतगढ (सीकर) राज. | ग्राम विकास अधिकारी, ग्राम पंचायत दिवराला, पं.स.अजीतगढ (सीकर) राज.

कार्यालय- विकास अधिकारी कम कार्यक्रम अधिकारी पंचायत समिति सेवर, (भरतपुर)
क्रमांकः- 109 | दिनांकः-16-05-2025
ई-बोली आमन्त्रण सूचना 02/2025-26
इस कार्यालय द्वारा वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए राजीव गांधी सेवा केन्द्र एवं पंचायत समिति सेवर के भवनों की सुरक्षा हेतु जॉब बेसिस पर मानव संसाधन 27 की दर अनुबन्ध पर सेवा उपलब्ध करवाने हेतु विनिर्दिष्टि बोली दाताओं / संवेदको से ई- बोली दिनांक 30.05.2025 को सायं 5 बजे तक आमन्त्रित की जाती है। इसकी अनुमानित लागत राशि 22.00 लाख है। निविदाओं का विस्तृत विवरण www.sppp.rajasthan.gov.in पर देखा जा सकता है। निविदाएँ www.eproc.rajasthan.gov.in पर दिनांक 20.05.2025 से 30.05.2025 को सायं 03:00 बजे तक डाउनलोड/अपलोड की जा सकती है।
NIB NO. ZBH2526A0128
UBN NO. ZBH2526SLRC00180 (विनय मित्र)
विकास अधिकारी
पंचायत समिति सेवर

आईआरईएल (इंडिया) लिमिटेड
IREL (India) Limited
(भारत सरकार का उपक्रम-परमाणु ऊर्जा विभाग)
दुर्लभ मृदा प्रभाग, केरल
टेलीफोनः 0484-2545064
एक्सटेंशन 211/259
ई-मेलः hrm-red@irel.co.in
एक आईएसओ 9001, 14001 और 45001 कंपनी
प्रशिक्षुओं की नियुक्ति
दुर्लभ मृदा प्रभाग, उद्योगमंडल, जिलाः एर्नाकुलम, केरल 683 501 में प्रशिक्षु अधिनियम, 1961 के अंतर्गत प्रशिक्षुओं की नियुक्ति के लिए पात्र उम्मीदवारों से आवेदन आमंत्रित किए जाते है। अंतिम तिथि 31/05/2025 है। अधिक जानकारी के लिए कृपया www.irel.co.in के करियर पेज पर जाएँ।
एसडी/-
जीएम एवं प्रमुख, आरईडी
CBC 48145/12/0002/2526

राजस्थान ग्रामीण आजीविका विकास परिषद (राजीविका)
जिला परियोजना प्रबंधन ईकाई एवं रिसोर्स सैल
चौपाल भवन, बडौदिया बस्ती, रेल्वे जक्शन के पास, जयपुर
क्रमांक - डीपीएमयू/लेखा/स्टोर/2025/86 | **ई-बिड सूचना** | दिनांक- 20.05.25
डीपीएमयू एवं रिसोर्स सैल, राजीविका, जयपुर द्वारा दिनांक 26.05.2025 से 29.05.2025 तक Regional Training of Trainers (TOT) Program on Village Poverty Reduction Plan (VPRP) कार्यशाला के आयोजन में उपस्थित प्रतिभागियों के लिए चार/पांच सितारा होटल में आवास एवं भोजन व्यवस्थाऐं सम्पादित किये जाने हेतु होटल / रिसोर्ट / एजेन्सीं से निर्धारित प्रपत्र में ई-बिड निम्नानुसार आमंत्रित की जाती हैं-

क्र. सं.	कार्य का नाम	अनुमानित लागत	बिड शुल्क	बिड प्रोसेसिंग शुल्क	बिड सिक्यूरिटी राशि	बिड प्रस्तुत करने की अंतिम दिनांक एवं समय	बिड खोलने की तिथि/समय
	दिनांक 26.05.2025 से 29.05.2025 तक Regional Training of trainers (TOT) Program on village Poverty Reduction Plan (VPRP) कार्यशाला में उपस्थित प्रतिभागियों के लिए आवास एवं भोजन व्यवस्था	20.00 लाख	1000 /-	1000 /-	40000 /-	22.05.2025 को दोपहर 12:00 बजे तक	22.05.2025, को दोपहर 1:30 बजे तक

UBN No.: RGA25265LOB00039
जिला परियोजना प्रबंधक
राजीविका, जयपुर

राष्ट्रीय विद्युत प्रशिक्षण संस्थान विद्युत मंत्रालय, भारत सरकार
एनपीटीआई कॉम्प्लेक्स, सेक्टर-33, फरीदाबाद-121003, हरियाणा, भारत
एन पी टी आई NPTI
प्रवेश प्रारंभ
स्नातकोत्तर डिप्लोमा पाठ्यक्रम
- पावर प्लांट इंजीनियरिंग (01 वर्ष) — फरीदाबाद। नागपुर। नेवेली। दुर्गापुरा। अलाप्पुझा
- नवीकरणीय ऊर्जा और ग्रिड इंटरफेस टेक्नोलॉजीज (01 वर्ष) — बेंगलुरू। नेवेली। गुवाहाटी। नई दिल्ली (एनआईएसई के सहयोग से)
- हाइड्रो पावर प्लांट इंजीनियरिंग (09 माह) — नांगल
- ट्रांसमिशन और वितरण प्रणाली (06 माह) — बेंगलुरू। गुवाहाटी
- विद्युत वितरण एवं उभरती प्रौद्योगिकियां (01 वर्ष) — नई दिल्ली (बीएसईएस के सहयोग से)

आवेदन करने की अंतिम तिथि – 21 जुलाई, 2025
आवेदन शुल्क – ₹500 (जीएसटी सहित)
पिछले बैचों में प्लेसमेंट 100% रिकॉर्ड
केवल महिला आवेदकों के लिए ट्यूशन शुल्क 10% में छूट
हमारे कुछ प्लेसमेंट पार्टनर
JSW BSES KPMG pwc adani tcs HCL Infosys GMR ESSAR wipro SUZLON BAJAJ vedanta RELIANCE Power
8218228896, 8826048899, 9999670968, 9781392002 | nptipgdcadmissions@gmail.com | www.npti.gov.in

संक्षिप्त

राजकीय अंबेडकर छात्रावास में प्रवेश प्रक्रिया शुरू

पावटा। सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग द्वारा संचालित राजकीय एवं अनुदानित छात्रावासों तथा आवासीय विद्यालयों में शैक्षिणक सत्र 2025-26 में प्रवेश के लिए ऑनलाइन पोर्टल 16 में 2025 से शुरू हुआ है। ब्लॉक सामाजिक सुरक्षा अधिकारी गेंदालाल एवं राजकीय अंबेडकर छात्रावास पावटा छात्रावास अधीक्षक शिवकुमार शर्मा ने बताया कि छात्रावास में प्रवेश हेतु ऑनलाइन प्रवेश पोर्टल के माध्यम से छात्र आवेदन कर सकते हैं। छात्रावास में प्रवेश हेतु सभी वर्गों के छात्रों के परिवार की वार्षिक आय 8 लाख रुपए से अधिक नहीं होनी चाहिए। प्रवेश हेतु आवेदन करने की अंतिम तिथि 30 जुलाई 2025 नियत है। कक्षा 6 से 12 में अध्यनरत सभी वर्गों एससी, एसटी, ओबीसी, ईडब्ल्यू एस के छात्रों को नियमानुसार निःशुल्क प्रवेश दिया जाएगा। इसमें प्रवेशित छात्रों को निशुल्क आवास, भोजन, व यूनिफॉर्म की सुविधा उपलब्ध करवाई जाएगी।

ऋग्वेद पारायण महायज्ञ आज से

निवाई। गांव मूण्डिया में सत्यासत्य निर्णय योग साधना वेदाश्रम मूण्डिया के तत्वावधान में 21 से 25 मई तक पांच दिवसीय विशाल ऋग्वेद पारायण महायज्ञ व प्रवचन का आयोजन किया जाएगा। कार्यक्रम संयोजक आईएएस केसरलाल मीणा ने बताया कि बुधवार को ऋग्वेद पारायण महायज्ञ का शुभारम्भ विधायक रामसहाय वर्मा, आचार्य हरिश्चंद्र शास्त्री गुरूकुल भुसावर, आर्य प्रतिनिधि सभा राजस्थान के मंत्री जीवर्धन शास्त्री, स्वामी आत्म ज्ञानानन्द, किशनलाल गहलोत, जयसिंह गहलोत, भजनोपदेशिका प्रियंका आर्या व सुमन शास्त्री भुसावर, वेद पाठी ब्रह्मचारणी नूतन आर्या व अनामिका आर्या द्वारा विधिवत ध्वजारोहण करके किया जाएगा। उन्होंने बताया कि 21 मई से प्रतिदिन सुबह 7:30 से 10 बजे तक ऋग्वेद पारायण यज्ञ, 10 से 12:30 बजे तक आध्यात्मिक प्रवचन, दोपहर 2 से 4 बजे तक भजन, शाम को 4 से 5:30 बजे तक ऋग्वेद पारायण यज्ञ व रात्रि 8:30 से 10:30 बजे तक भजन एवं शंका समाधान सहित कई धार्मिक कार्यक्रमों का आयोजन होगा।

तिरंगा यात्रा आज

श्रीमाधोपुर। ''आपरेशन सिन्दूर'' की गौरवशाली सफलता के उपलक्ष में भारतीय सेना के सम्मान में तिरंगा यात्रा बुधवार को सांयकाल 5 बजे अरुण पेलेस श्रीमाधोपुर से से प्रारंभ होकर नगर के प्रमुख मार्गो से होते हुए शहीद तपसीराम निठारवाल स्मारक, एफसीआई गोदाम के पास श्रीमाधोपुर पहुंचेगी। यह जानकारी देते हुए तिरंगा यात्रा के विधानसभा संयोजक कमल जैन, सहसंयोजक एडवोकेट रामकिशन सैनी, निर्मला चौधरी ने संयुक्त रूप से बताया कि इस यात्रा में सभी सामाजिक संगठनों, व्यापारिक संगठनों व आमजनों से सहभागी होकर हम सब मिलकर वीर सपूतों को नमन करें और राष्ट्र भक्ति की भावना से ओतप्रोत इस ऐतिहासिक यात्रा का हिस्सा बनने की अपील की है।

उपजिला अस्पताल पावटा के डॉ. रवि बंसल बने पीएमओ

पावटा। चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग ने सोमवार को आदेश जारी कर पावटा उपजिला अस्पताल में डॉ. रवि बंसल कनिष्ठ विशेषज्ञ (मेडिसिन) को प्रमुख चिकित्सा अधिकारी नियुक्त किया गया है। पीएमओ डॉ. रवि बंसल ने बताया कि पावटा उपजिला अस्पताल में नए विकास के कार्य करने और मरीजों को बेहतर सुविधा देने के प्रयास किए जाएंगे। उप जिला अस्पताल की टीम को साथ लेकर सभी की समस्याओं का समाधान किया जाएगा। इस दौरान डॉ. रवि बंसल को पीएमओ नियुक्त करने पर जनप्रतिनिधियों, ग्रामीणों व अस्पताल की टीम ने माला पहनाकर स्वागत किया।

तिरंगा यात्रा कल, तैयारियां जोरों पर

चाकसू। ऑपरेशन सिन्दूर की गौरवशाली सफलता एवं भारतीय सेना के सम्मान के उपलक्ष्य में तिरंगा यात्रा 22 मई को प्रातः 7:30 बजे आदर्श विद्या मंदिर गणेशपुरी धाम चाकसू से तिरंगा यात्रा रवाना होगी जो मुख्य बाजार होती हुई सब्जी मंडी के पास राधाबल्लभ मन्दिर पर सम्पन्न होगी। एडवोकेट अमित बाहेती ने जानकारी देते हुए बताया कि यह तिरंगा यात्रा नहीं, बल्कि भारतीय सेवा की विजय यात्रा है तिरंगा यात्रा में बढ चढकर भाग लें और देश के जांबाज सैनिकों के सम्मान में शामिल हो।

खैरथल पेट्रोल पंप पर आग, कलेक्टर ने कराई माकड्रिल, अधिकारियों ने दिखाई तत्परता

- खैरथल में किशनगढ़ बास रोड पर पेट्रोल पंप पर आग की सूचना से प्रशासनिक तंत्र व आमजन में हड़कंप मच गया।
- जिला कलेक्टर किशोर कुमार ने कहा आपात स्थिति में समयबद्ध प्रतिक्रिया जीवन रक्षक सिद्ध हो सकती है। उन्होंने सफल प्रयासों के लिए सभी विभागों की प्रशंसा की

खैरथल पेट्रोल पंप माकड्रिल के दौरान कलेक्टर किशोर कुमार, एसडीएम मनीष जाटव सहित पुलिस व अन्य विभागों के अधिकारी।

खैरथल। किशनगढ़ बास रोड पर स्थित पेट्रोल पंप पर आग की सूचना से हड़कंप मच गया। जिला कलेक्टर सहित मौके पर पुलिस और प्रशासन के अधिकारी पहुंचे। आग पर काबू पाने के लिए अग्नि शमन वाहन बुलाएं गए मैडीकल की टीम पहुंची। बाद में मालूम पड़ा यह सब आपातकालीन स्थिति से निपटने के लिए प्रशासनक ओर से काल्पनिक आगजनी की घटना को दर्शाया जाकर माकड्रिल कर विभागों की तत्परता को जांचा है।

जिला कलेक्टर किशोर कुमार ने बताया कि खैरथल जिला मुख्यालय पर सचिवालय से करीब एक हजार मीटर दूर के किशनगढ़ बास रोड पर स्थित पेट्रोल पंप पर मंगलवार को आपातकालीन स्थिति निपटने के काल्पनिक आग की सूचना देकर माकड्रिल कर त्वरित बचाव को लेकर पूर्व अभ्यास किया जाकर अग्नि शमन, विधुत विभाग व मेडिकल टीम सहित संबंधित विभागों व पुलिस एवं प्रशासन की सजगता को जांचा परखा गया। मॉकड्रिल के तहत आग लगने की सूचना जिला कलेक्टर किशोर कुमार ने जिला सचिवालय कंट्रोल रूम से सुबह 11:20 बजे दी। सूचना मिलते ही प्रशासनिक तंत्र हरकत में आ गया। केवल 6 मिनट में जिला कलेक्टर किशोर कुमार, एसपी मनीष कुमार मौके पर पहुंच गए। अधिकारियों ने पहुंचकर एंबुलेंस को 11:26 पर सूचना दी जो 11:30 पर पहुंच गई, खैरथल और किशनगढ़ बास पुलिस अधिकारी 11:20 पर सूचना मिलने पर पुलिस टीम के साथ 11:32 तक पहुंचे, दमकल वाहन को 11:23 पर सूचना दी जो पांच मिनट में ही 11:28 पर पहुंच गई। चिकित्सा विभाग 11:23 पर सूचना दी जो 11:35 तक स्टाफ के साथ मोके पर पहुंचे। विद्युत विभाग ने सूचना के तुरंत बाद ही बिजली कटौती की। प्रशासन की इस तत्परता और समन्वय को देखकर जिला कलेक्टर ने सराहना की। उन्होंने कहा कि आपात स्थिति में समयबद्ध प्रतिक्रिया जीवन रक्षक सिद्ध हो सकती है, और यह मॉकड्रिल इसी तैयारी की एक कड़ी है। इस दौरान मौके पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक खैरथल रतनलाल भार्गव, अतिरिक्त जिला कलेक्टर शिवपाल जाट, एसडीएम मनीष जाटव, एएसपी राजेंद्र कुमार सहित विभागों के अधिकारी एवं पुलिसकर्मी मौजूद रहे।

'अवैध खनन पूर्ण रूप से बंद हो'

खैरथल। जिला कलेक्टर किशोर कुमार की अध्यक्षता में जिला सचिवालय पर अवैध खनन को लेकर एसआईटी की बैठक आयोजित की गई। बैठक में अतिरिक्त जिला कलेक्टर शिवपाल जाट, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक खैरथल रतनलाल भार्गव, खनन अभियंता मनोज शर्मा परिवहन एवं वन विभाग के अधिकारी मौजूद रहे। जिला कलेक्टर ने बैठक में अभियान के दौरान पुलिस वन एवं खनिज विभाग द्वारा की गई कार्यवाही की समीक्षा की। बैठक में खनन अभियंता ने बताया कि संबंधित विभागों द्वारा अवैध खनन,निर्गमन, भंडारण के विरुद्ध इस वर्ष अब तक 20 प्रकरण दर्ज किए गए हैं। अभियान के दौरान 24 ट्रैक्टर, मशीन व डंपर जब्त एवं कार्यवाही में 14 एफआईआर एवं 30 लाख की पेनल्टी लगाई गई है। जिला कलेक्टर ने समीक्षा कर अधिकारियों को समय-समय पर विशेष अभियान चलाने के निर्देश दिए ताकि अवैध खनन को पूर्ण रूप से बंद किया जा सके तथा सूचनाओं पर तुरंत कार्रवाही के लिए निर्देशित किया।

मंडल रेल प्रबंधक ने किया गोवर्धन व गोविंदगढ़ स्टेशन का निरीक्षण

गोविन्दगढ़ /अलवर। मंडल रेल प्रबंधक आगरा तेज प्रकाश अग्रवाल द्वारा अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत पुनर्विकसित किए गए गोवर्धन व गोविंदगढ़ रेलवे स्टेशन का निरीक्षण किया गया। 22 मई 2025 को माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आगरा मंडल के 05 रेल्वे स्टेशन जिसमें गोवर्धन, गोविंदगढ़, मंडावर महुवा रोड, फतेहाबाद और ईदगाह स्टेशन का वर्चुअल उद्घाटन करेंगे निरीक्षण के दौरान मंडल रेल प्रबंधक द्वारा स्टेशन पर उपलब्ध यात्री सुविधाओं की जानकारी ली गई। उन्होंने सर्कुलेटिंग एरिया, जलपान गृह, शौचालय, टिकट काउंटर, वेटिंग एरिया का मुआयना किया। अग्रवाल ने स्टेशन पर उपलब्ध सुविधाओं और सफाई व्यवस्था को संतोषजनक पाया। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को बेहतर कार्य करने के निर्देश दिए। अमृत भारत स्टेशन योजना के अंतर्गत गोवर्धन व गोविंदगढ़ स्टेशन का कायाकल्प करते हुए इसे यात्रियों के लिए सुविधाजनक, आकर्षक और सांस्कृतिक रूप से समृद्ध बनाया गया है। स्टेशन के प्रवेश द्वार को भव्य एवं आकर्षक स्वरूप प्रदान किया गया है तथा नवीन फसाड लाइटिंग से इसकी शोभा बढ़ाई गई है। वेटिंग हॉल तथा एग्जीक्यूटिव लाउंज को आधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित करते हुए उन्नयन किया गया है।

अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत पुनर्विकसित किए गए गोवर्धन व गोविंदगढ़ रेलवे स्टेशन का निरीक्षण किया।

सर्कुलेटिंग एरिया में साइनेज लगाए गए हैं, जिससे यात्रियों को मार्गदर्शन में आसानी हो।स्टेशन की साज-सज्जा में स्थानीय कला और सांस्कृतिक पहचान को विशेष स्थान दिया गया है। दिव्यांगजनों की सुविधा हेतु विशेष शौचालय, शुद्ध पेयजल की व्यवस्था तथा रैंप जैसी सुविधाएं उपलब्ध कराई गई हैं। निरीक्षण के क्रम में अमृत भारत स्टेशन योजना में शामिल डीग रेलवे स्टेशन पर चल रहे नवनिर्मित कार्यों का भी जायजा लिया निरीक्षण के दौरान सीपीएम गति शक्ति एम पी सिंह, उप मुख्य इंजीनियर गति शक्ति होतम सिंह,उप मुख्य मुख्य सिग्नल एवं दूरसंचार इंजीनियर गति शक्ति योगेश मित्तल , उप मुख्य विद्युत इंजीनियर गति शक्ति चंद्र पाल,वरिष्ठ मंडल इंजीनियर/द्वितीय विवेक , वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक हर्षिकेश मौर्या ,वरिष्ठ मंडल विद्युत इंजीनियर सामान्य आर के बघेला, मंडल परिचालन प्रबंधक कु. प्रशस्ति श्रीवास्तव सहित अन्य अधिकारी एवं स्टाफ उपस्थित रहे।

ऑनलाईन पेमेंट को लेकर मजदूर वर्ग के दैनिक रेल यात्री हो रहे है परेशान

- प्रशासन अड़ा हुआ है अपनी जिद पर, दैनिक रेल यात्री संघ एकीकृत ने की मांग
- फुलेरा रेलवे टिकट बुकिंग काउंटर पर एंड्रॉयड मोबाइल के बिना नहीं बनता है एम एस टी

फुलेरा । एक ओर तो भारत सरकार, रेल मंत्रालय एवं रेल प्रशासन आमजन की सुविधाओं के लिए बहुआयामी कार्य करके लोगों को सुविधाएं मुहैय्या करा रहे है। परन्तु फुलेरा जंक्शन के रेलवे टिकट बुकिंग काउण्टर पर कुछ और ही नजारा देखने और सुनने को मिल रहा है। जहां पर मजदुर वर्ग के दैनिक रेल यात्रीयों को एम एस टी के लिए नगद रूपये ना लेकर सिर्फ ऑन लाइन पेमेंट करने के लिए मजबूर किया जा रहा है। क्योंकि फुलेरा जंक्शन के रेलवे टिकट बुकिंग काउण्टर पर यदि आपको एम एस टी बनवाना है तो पहले अपनी जेब में एंड्रॉयड मोबाइल फोन होना चाहिए। अन्यथा आप रह सकते है अपना एम एस टी बनवाने से वंचित।

क्योंकि फुलेरा जंक्शन के रेलवे टिकट बुकिंग काउण्टर पर नगद पेमेंट करने पर मासिक सीजन टिकट (एम एस टी) नहीं बनाया जा रहा है। इसको लेकर मजदूर वर्ग के दैनिक रेल यात्री परेशान हो रहे है। साथ ही उनमें प्रशासन के लिए काफी हद तक रोष भी व्याप्त है। जानकारी के अनुसार यहां के बुकिंग काउण्टर पर तैनात कर्मचारियों द्वारा केवल ऑन लाइन पेमेंट करने पर ही एम एस टी बनाया जा रहा है। ऐसे में रोजाना दिहाड़ी मजदूर जिनके पास ऑनलाइन पेमेंट करने के लिए कोई मोबाइल सुविधा नही है। तो कई लोगों के पास एंड्रायड मोबाइल नहीं है ऐसे में यह गरीब मजदूर लोग कैसे ऑनलाइन पेमेंट कर सकते है। इसके लिए आए दिन कर्मचारीयों और एम एस टी बनवाने वाले दैनिक रेल यात्रीयों नोंक-झोंक होना आम बात बनी हुई। इसके चलते कई बार तो उनकी ट्रेनें भी छूट जाती है, और उस दिन के अपने रोजगार से भी वंचित रहना पड़ जाता है।

मजदूर वर्ग के दैनिक रेल यात्रीयों की इस गंभीर समस्या को लेकर दैनिक रेल यात्री संघ एकीकृत फुलेरा के अध्यक्ष अशोक वासदेव ने रेल प्रशासन से मांग की है कि ऐसे में मजदुर वर्ग एवं पिछड़े लोगों के लिए एम एस टी से रेलों में आवागमन करने के लिए तो मानो कि एक तरह ग्रहण ही लग गया है। वहीं अध्यक्ष वासदेव ने आगे बताया कि फुलेरा जंक्शन से दैनिक रेल यात्री मजदूर वर्ग के हजारों लोग अपनी रोजी-रोटी के लिए जयपुर, कनकपुरा, नरैना, किशनगढ़, अजमेर, मकराना सहित अन्य शहरों में रेल गाड़ियों द्वारा आवागमन करते है। इसके लिए दैनिक रेल यात्री संघ एकीकृत फुलेरा के अध्यक्ष अशोक वासदेव ने प्रशासन से मांग की है कि फुलेरा में एम एस टी के लिए ऑनलाइन पेमेंट प्रक्रिया को तुरंत प्रभाव से रोककर नगद मूल्य प्राप्त कर यह टिकट बनाया जाए।

इसके चलते स्थानीय गरीब मजदूरों को राहत तो मिलेगी ही, साथ ही फुलेरा से रेलवे के राजस्व में भी बढ़ोतरी होगी। क्योंकि यहां बुकिंग काउंटर पर नगद मूल्य प्राप्त कर एम एस टी नहीं बनाने के कारण मजबूरीवश लोगों को जयपुर या गांधीनगर रेलवे स्टेशन जाकर नगद भुगतान देकर एमएसटी बनवाना पड़ है।

ग्रामीणो ने की एक्वा वाटर फैक्ट्री को बंद करने की मांग

अलवर। एक तरफ तो अलवर जिले में पेयजल को लेकर त्राहिमाम मचा हुआ है वही बिना अनुमति के डार्क जोन अलापुर में बनी एक फैक्ट्री में जमकर पेयजल का दोहन किया जा रहा है जिसका ग्रामीणों ने कड़ा विरोध किया है। आपको बता दें करीब आठ महीने पहले अलवर तहसील की माचडी ग्राम पंचायत के गांव अलापुर में एक मिनरल वाटर की फैक्ट्री लगाई गई थी जिसका ग्रामीणों ने कडा विरोध किया और इस प्रकरण को लेकर एक प्रेस कांफ्रेंस का भी ग्रामीणों ने आयोजन कर सरकार का ध्यान इस और खीचा जिस पर प्रषासन ने संज्ञान लेते हुए उसे वही रोकने का आदेश जारी किया था। लंबे अंतराल के बाद इस फैक्ट्री में वाटर प्रोडक्शन इस बार चालू कर दिया है जिसका ग्रामीणों ने कड़ा विरोध जताया है ग्रामीणों का कहना है कि अलापुर गांव डार्क जोन में आता है यहा पेयजल के लिए लोगों को दूर से पानी लाना पड़ता है वही किसानों के खेतों में लगे ट्यूबवेल भी इस फैक्ट्री के चलने से सूख जाएंगे क्योंकि इस फैक्ट्री में अनेको टूवेल खुदे हुए है जिससे अलापुर ही नही आसपास के गांवों का भी पानी सूख जाएगा और ग्रामीणों को अपनी जमीन और मकान छोडकर पलायन करने को मजबूर होना पडेगा।

ग्रामीणों ने बताया कि यह जमीन गाजियाबाद उत्तर प्रदेश की फर्म एक्वाफिल्स ट्रेडर्स प्राइवेट लिमिटेड ने खरीदी और जब इस भूमि पर फैक्ट्री बनी और उसमें एक दर्जन से ज्यादा बोरिंग की गई जिसकी गहराई बहुत ज्यादा की गई तो ग्रामीणों का माथा ठनका और उन्होंने इस बारे में जानकारी हासिल की तो उन्हें बताया गया कि यह सब गांव वालो के लिए कृषि कार्य के लिए है लेकिन कुछ समय बाद ही यहां वाटर का प्रोडक्शन शुरू करने की तैयारी की गई तो ग्रामीण इस फैक्ट्री के विरोध में लामबंद हो गये और इसकी शिकायत जिला प्रशासन से की और सरकार का ध्यान आकर्षित करने के लिए प्रेस वार्ता का भी आयोजन किया गया। मीडिया की सुर्खियां बनने के बाद जिला प्रशासन ने इस फैक्ट्री पर पाबंदी लगा दी लेकिन अब फिर इस फैक्ट्री को चालू करते हुए वाटर प्रोडक्शन चालू कर दिया गया है अब यह फैक्ट्री किसके आदेश पर चालू की गई है यह जांच का विषय है।

भाजपाईयों ने निकाली भव्य तिरंगा शोभा यात्रा

टोंक। भारतीय सशस्त्र बलों द्वारा 'ऑपरेशन सिंदूर' की ऐतिहासिक सफलता और वीर जवानों के अद्भुत शौर्य एवं पराक्रम के सम्मान में जिला मुख्यालय पर भाजपा पार्टी टोंक द्वारा भव्य तिरंगा यात्रा निकाली गई। जो में भूतेश्वर महादेव मंदिर से घंटाघर तक निकाली, जिसमें कई जनप्रतिनिधि, अधिकारी, कर्मचारी और नागरिक बड़ी संख्या में शामिल हुए। तिरंगा यात्रा के दौरान सभी के हाथों में तिरंगा और भारत माता की जयकारों ने पूरे माहौल को राष्ट्रभक्ति से सराबोर कर दिया। तिरंगा यात्रा में केबिनेट मंत्री कन्हैया लाल चौधरी ने कहा भारतीय सेना का शौर्य देश के प्रत्येक नागरिक के लिए गर्व की बात है, ऑपरेशन सिंदूर जैसी सैन्य कार्यवाही हमें यह एहसास कराती हैं कि हमारी सीमाएं सुरक्षित हाथों में हैं। यह तिरंगा यात्रा भारतीय सैनिकों के सम्मान की अभिव्यक्ति है। इसी प्रकार जिला प्रभारी मंत्री हीरालाल नागर ने कहा कि तिरंगा यात्रा ऑपरेशन सिंदूर के प्रति समर्थन का प्रतीक बनी और दिखाया कि देश की आम जनता आतंकवाद के खिलाफ एकजुट है, यात्रा ने दिखा दिया कि हर चेहरे पर गर्व, हर कदम पर देशभक्ति और हर आवाज में भारत के लिए सम्मान हैं।

वीर जवानों के अद्भुत शौर्य एवं पराक्रम के सम्मान में जिला मुख्यालय पर भाजपा पार्टी टोंक ने भव्य तिरंगा यात्रा निकाली।

इस दौरान भाजपा जिलाध्यक्ष चन्द्रवीर सिंह चौहान ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर की सफलता ने यह साबित कर दिया है कि भारतीय सेना पूरी तरह तैयार है और उसका मुकाबला करना किसी के बस की बात नहीं है। हमारे राष्ट्रीय ध्वज तिरंगे के साथ राष्ट्रभक्ति से ओतप्रोत तिरंगा यात्रा में उमड़ा राष्ट्रनिष्ठ नागरिकों का जनसैलाब हमारे वीर सपूतों के प्रति जनआस्था एवं सम्मान को दर्शाता है। यह यात्रा भारतीय सेना के शौर्य और बलिदान को समर्पित जनमानस की एकजुटता और देशप्रेम की अद्भुत मिसाल प्रस्तुत करती है।

वही पूर्व सांसद सुखबीर सिंह जौनापुरिया ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर के बाद सेना के शौर्य और पराक्रम का हर कोई सम्मान कर रहा है. पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद भारतीय सेना द्वारा आतंकवादियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की गई तथा देवली उनियारा विधायक राजेन्द्र गुर्जर में कहा कि यह तिरंगा यात्रा एकता, सम्मान और देशभक्ति की प्रतीक है, उन्होंने कहा कि देश हमारा गर्व, सेना हमारी शान है, उन्होंने कहा कि आमजन यात्रा में जोश, गर्व और राष्ट्रप्रेम के साथ जुड़े। इस तिरंगा यात्रा में मनीष दास, रामजी महाराज, बजरंग दास, निवाई विधायक रामसहाय वर्मा, अल्पसंख्यक मोर्चा प्रदेशाध्यक्ष हामिद मेवाती, जिला प्रमुख सरोज बंसल, पूर्व जिलाध्यक्ष राजेन्द्र पराणा, अजित सिंह मेहता, सतीश चंदेल, गणेश माहुर, श्यामलाल जैन, पूर्व सभापति लक्ष्मी जैन, यात्रा जिला संयोजक प्रभु बाडोलिया, विष्णु शर्मा, दीपक संगत, शैलेन्द्र चौधरी, रामनिवास गुर्जर, प्रधान काबरा, नरेश बंसल, बबलू, धोलू गुर्जर, पूर्व प्रधान जगदीश गुर्जर, रामचन्द्र गुर्जर, नंदलाल, ओम पांडे, नीलिमा आमेरा, प्रधान रामअवतार लांगड़ी, हंसराज धाकड़, रामकिशन गुर्जर, कमलेश यादव, लोकेश गुप्ता, गणेश सैनी, अंजली गुप्ता, सुरेश काचरिया, रमा चौधरी, हनुमान बरवास, दशरथ भाटी, चरण सिंह चौधरी, देवराज खाटरा, रत्तीराम पहाड़िया, उत्तम शर्मा सहित सैकडो कार्यकर्ता मौजूद रहे।

संत शिरोमणि ज्ञान दास जी महाराज ने की जन सेवा की अपील

मनोहरपुर/विराटनगर। संत शिरोमणि ज्ञान दास जी महाराज ने समाजसेवी भगवान सहाय मीणा की पुण्यतिथि पर आयोजित रक्तदान शिविर, नेत्र चिकित्सा शिविर और नाक कान गला चिकित्सा शिविर के उद्घाटन के अवसर पर कहा कि देश और प्रदेश के युवा जन सेवा को नारायण सेवा मानकर कार्य करें। इस दौरान कार्यक्रम की अध्यक्षता जगदीश मीणा ने की, जिन्होंने समाजसेवी भगवान सहाय मीणा के परिवार और सहयोगियों के प्रति आभार व्यक्त किया और जन सेवा के इस कार्यक्रम को आजीवन करने का संकल्प लिया। विराट नगर पंचायत समिति के पूर्व प्रधान और ब्लॉक कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष महादेव यादव ने रक्तदाताओं का आभार और सम्मान करते हुए कहा कि रक्त की एक बूंद जरूरतमंद को जिंदगी देती है। कार्यक्रम में बालाजी महाराज झंडा वाला मंदिर के पुजारी सोहन दास महाराज, कर्मचारी नेता जगदीश मीणा, बनवारी टॉक, पंचायत समिति सदस्य वेद प्रकाश बाकोलिया, दीपक शर्मा, सुरेश शर्मा, ब्राह्मण समाज के जिला अध्यक्ष राजेश शर्मा सहित हजारों लोगों ने भाग लिया।

सार-समाचार

डीवाईएसपी को सौंपा ज्ञापन

निवाई। अखिल भारतीय हरियाणा गौड ब्राह्मण महासभा के तत्वावधान में महासभा के जिलाध्यक्ष बद्रीनारायण शर्मा सूरिया व राष्ट्रीय महामंत्री सीताराम शर्मा अलियाबाद ने समाज के गुमशुदा छात्र की तलाश करवाने की मांग को लेकर डीवाईएसपी मृत्यंजय मिश्रा को ज्ञापन सौंपा है। राष्ट्रीय महामंत्री सीताराम शर्मा अलियाबाद ने डीवाईएसपी मृत्यंजय मिश्रा को बताया कि पुलिस थाने में शुक्रवार को शिवजीराम शर्मा निवासी जयसिंहपुरा ने मामला दर्ज करवाया है कि उसका पुत्र निरंजन शर्मा राजकीय स्वामी विवेकानन्द मॉडल स्कूल में अध्ययनरत है। उसका बुधवार को सीबीएसई बोर्ड परीक्षा कक्षा 10वीं परीक्षा का परिणाम आया था। परिणाम के बाद से ही वह बिना कहे घर से निकल गया था। उन्होंने बताया कि उसी दिन शाम को करीब 7 बजे शिवाजी पार्क रोड पर लगे सीसीटीवी केमरे में उसकी मोटरसाईकिल से निकलते हुए की फुटेज देखी गई। उसके बाद उसका कहीं भी पता नहीं लगा। जिससे परिजनों को हाल बेहाल है। उन्होंने छात्र की तलाश करवाने की मांग की है।

बाबूलाल को मिला ग्राम गदर पुरस्कार

मानपुरा माचेडी। भानपुर कलां निवासी पत्रकार बाबूलाल कांकरेलिया को कट्स संस्थान द्वारा वर्ष 2024 का ग्राम गदर ग्रामीण पत्रकारिता पुरस्कार प्रदान किया जाएगा। उन्हें यह सम्मान सेहत पर भारी पैकेट बंद खाद्य पदार्थ एवं प्रोसेस्ड फूड विषय पर प्रभावी रिपोर्टिंग के लिए दिया जा रहा है। बता दें कि वर्ष 1983 से प्रकाशित हो रहा ग्राम गदर भित्ती-पत्र ग्रामीण क्षेत्रों में अत्यंत लोकप्रिय है। इस पत्र के 20 वर्ष पूर्ण होने पर 13 अप्रैल 2002 को ग्रामीण विकास में संचार माध्यमों की भूमिका विषय पर राष्ट्रीय संगोष्ठी आयोजित की गई थी। इसी अवसर पर ग्रामीण पत्रकारिता को प्रोत्साहित करने हेतु वार्षिक पुरस्कार की परंपरा शुरू की गई थी। इस वर्ष की प्रविष्ठियों में से निर्णायक मंडल ने सर्वसम्मति से बाबूलाल कांकरेलिया पुत्र रमाशंकर कांकरेलिया को चयनित किया। भानपुर कलां निवासी कांकरेलिया वर्षों से स्वतंत्र पत्रकारिता में सक्रिय हैं और उनके लेख विभिन्न प्रतिष्ठित समाचार पत्रों में प्रकाशित होते रहे हैं। उन्होंने स्वास्थ्य और पोषण जैसे विषयों पर उल्लेखनीय लेखन कर ग्रामीण समाज में चेतना लाने का प्रयास किया है। कट्स संस्थान द्वारा पुरस्कार स्वरूप उन्हें दस हजार रुपए नकद राशि और प्रशस्ति-पत्र प्रदान किया जाएगा। पुरस्कार वितरण का कार्यक्रम शीघ्र घोषित किया जाएगा। यह सम्मान ग्रामीण पत्रकारिता को नई दिशा देने वाले प्रयासों को पहचान देने की एक सराहनीय पहल है।

आरोपी गिरफ्तार

टोंक। जिला पुलिस अधीक्षक विकास सांगवान के निर्देशन में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक मालपुरा मोटाराम बेनीवाल व पुलिस उपअधीक्षक मालुपरा आशीष प्रजापत तथा पचेवर थानाधिकारी मुकेश चौधरी के नेतृत्व में गठित टीम ने नाबालिक लडकी के अपहरण व छेडछाड के आरोपी को किया गिरफतार थानाधिकारी मुकेश चौधरी ने बताया थाने में परिवादी ने रिपोर्ट दर्ज कराकर बताया कि गत 10 अप्रेल की रात्रि को मेरी भांजी शोचालय के लिये गई थी, जिसको बहला-फुसलाकर कल्याण पुत्र घासी लाल निवासी पचेवर ने ढोली मे पटकर लेकर भाग गये। जिनके खिलाफ थाना पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर अनुसंधान शुरू किया। इस दौरान मिले साक्ष्यों के आधार पर तलाश कर आरोपी रामकल्याण पुत्र घासी जाति मीणा उम्र 23 साल निवासी पचेवर को डिटेन कर बाद अनुसंधान के गिरफ्तार किया गया, पुलिस द्वारा प्रकरण में अनंसुधान जारी है।

शीतल जल प्याऊ का हुआ उद्घाटन

कोटपूतली। सामाजिक संगठन श्रीराम सेना के संरक्षक दिनेश मित्तल व अध्यक्ष मनोज चौधरी के नेतृत्व में मंगलवार को बानसूर रोड़ पर शीतल जल प्याऊ का उद्घाटन किया गया। श्रीराम सेना का उद्देश्य समाज के सभी वर्गो को सेवा प्रदान करना है। संगठन का यह प्रयास निश्चित रूप से सराहनीय है और आने वाले समय में भी ऐसे ही पुनीत कार्य जारी रहेंगे। संगठन के पदाधिकारियों और सदस्यों ने इस अवसर पर कहा कि वे आगे भी समाज सेवा के लिये तत्पर रहेंगे और ऐसे कार्यक्रम आयोजित करते रहेंगे। इस अवसर पर संगठन के सदस्यों ने एकजुट होकर समाज सेवा के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दिखाई। इस दौरान सरपंच विनोद शेखावत, महामंत्री डॉ. जयप्रकाश कोटिया, उपाध्यक्ष कमल पंडित, प्रचार मंत्री प्रमोद शर्मा, सचिव गौरव शर्मा, सह सचिव आलोक शर्मा, अतुल गर्ग, ज्ञानदेव सिंह, सतवीर सिंह आदि श्रीराम सेना के पदाधिकारी व सदस्य उपस्थित रहे। फोटो। कोटपूतली। 01। शीतल जल प्याऊ का उद्घाटन करते संरक्षक दिनेश मित्तल।

नगरपरिषद ने थमाया नोटिस

शाहपुरा। कस्बे के समीप घासीपुरा में इन दिनों के नाम से फार्म हाउस व कॉलोनी काटी जा रही है। हालांकि यह जमीन जिला कलक्टर जयपुर के यहाँ से अनुमोदित हो रखी है लेकिन विज्ञापन व प्रचार-प्रसार की सामग्री में डीलर द्वारा त्रुटि के चलते जेडीए अप्रूव्ड़ लिख दिया गया। इसको लेकर नगरपरिषद आयुक्त शुभम गुप्ता ने 16 अप्रैल 2025 को कॉलोनाईजर को नोटिस देकर जवाब मांगा था। लेकिन कॉलोनाईजर द्वारा सिर्फ मौखिक व वाट्सएप के जरिये ही जवाब पेश किया गया। जबकि परिषद द्वारा 2 दिवस में लिखत जवाब मांगा गया था। कॉलोनाइजर रजत चुघ ने बताया कि प्रिंटिंग प्रेस की गलती के चलते गलत पोस्टर छप गये थे। उसके बाद दूसरे पोस्टर भी छपा दिए गए है। और हमारे द्वारा किसी के साथ छल या धोखा करने का आरोप निराधार है। एक व्यक्ति भी हमारे द्वारा ठगी का शिकार नहीं हुआ है। जिला कलक्टर द्वारा अनुमोदित प्लान दिखाकर ही लोगों को जमीन बेची जा रही है। इधर, नगरपरिषद आयुक्त शुभम गुप्ता ने कहा कि लोंगो की शिकायत मिलने के बाद नगरपरिषद की पेराफेरी में आने के कारण नोटिस जारी किया गया था। जिला कलक्टर के यहाँ से नक्शा अनुमोदन हो रखा है लेकिन अभी तक नगरपरिषद में फाइल ट्रांसफर होकर नहीं आई है।

रक्तदान शिविर के पोस्टर का किया विमोचन

श्रीमाधोपुर । आपरेशन सिंदूर की अपार सफलता प्राप्त होने एवं मानव सेवा के तत्वावधान में अजीतगढ़ के समर्पित भाजपा कार्यकर्ताओं ने 25 मई को विशाल रक्तदान शिविर का आयोजन रखा है जिसका पोस्टर विमोचन क्षेत्रीय विधायक एवं राजस्थान सरकार में यूडीएच मंत्री झाबर सिंह खर्रा के साथ हवामहल जयपुर से विधायक बालमुकुंदाचार्य महाराज ने किया। भाजपा युवा नेता जितेन्द्र जांगिड़ ने बताया कि शिविर 25 मई रविवार को होटल रणतभवन में प्रातः 8 से सायं 5 बजे तक रहेगा। शिविर आयोजनकर्ता कमलेश कुमावत, मनोज खण्डेलवाल, सुरेन्द्र मीणा,जी एल टेलर, अनिल लम्बूका, जीतू जांगिड़ , कामेश आदि पोस्टर विमोचन के समय मौजूद रहे।

मवेशीयो के लिए खतरा बन रहा कचरा

फुलेरा । कस्बे के निकटवर्ती ग्राम पंचायत काचरोदा में स्वच्छ भारत अभियान के तहत प्रशासन के नुमाइंदों के द्वारा उठाये जा रहे क्षेत्र से कचरे को वहीं गांव से बाहर डाल दिया जाता है। जबकि कचरा डालने के लिए डम्पिंग यार्ड शार्दुलपुरा में बनाया गया है। परन्तु ग्राम पंचायत क्षेत्र के कचरे को वहां डलवाने के बजाय गांव के पास खाली जगह देखकर कचरा डाल देते है।

मैं अगले महीने इंग्लैंड दौरे पर जाना चाहता था, जहां भारत को अंग्रेजों के खिलाफ 5 टेस्ट मैचों की सीरीज खेलनी है।
- रोहित शर्मा

भारतीय क्रिकेटर, संन्यास को लेकर जवाब देते हुए।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी

डॉ. मनसुख मांडविया

केंद्रीय युवा मामले और खेल मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया ने कहा कि हम खेलो इंडिया बीच गेम्स के जरिए स्पोर्ट्स क्रांति की शुरुआत कर रहे हैं। डॉ. मांडविया ने सोमवार को दीव के घोघला बीच पर एक रंगारंग समारोह में केआईबीजी खेलों की शुरुआत करते हुए कहा, आज हम केवल एक खेल आयोजन का उद्घाटन नहीं कर रहे हैं, बल्कि हम भारत की पहली बीच स्पोर्ट्स क्रांति की शुरुआत कर रहे हैं। मेरा मानना है कि जहाँ लहरें हैं, वहाँ जोश होना चाहिए। जहाँ रेत है, वहाँ जोश की आग होनी चाहिए और खेलो इंडिया बीच गेम्स ने आज हम सभी के दिलों में वह आग जला दी है।

क्या आप जानते हैं ?... कोहली ने 2016 सीजन में 4 शतक और 7 अर्धशतक लगाकर 973 रन बनाए थे। यह किसी भी बल्लेबाज द्वारा एक आईपीएल सीजन में सबसे ज्यादा रन का रिकॉर्ड है।

राहुल चौधरी के शतक से जीता जयपुर

जयपुर, 20 मई। जयपुर जिला क्रिकेट संघ द्वारा आयोजित एकदिवसीय सीरीज के तहत श्री गंगानगर खेले गए दूसरे मैच में जयपुर बी टीम ने श्री गंगानगर को 3 विकेट से हराया। के एल सैनी स्टेडियम पर श्री गंगानगर ने टॉस जीतकर

पहले बल्लेबाजी करते हुए राहुल गर्ग के 15 रन, सुमित गोदारा के 15 रन, अंकुर शर्मा के 24 रन, शोभित मिश्रा के 54 रन ओशनिक ग्रोवर के 36 रन व के तेजेंद्र सिंह के 60 रन से 44.2 ओवर में 245 रन बनाए। जयपुर के लिए चिराग शर्मा 32 पर 3, पूरव शर्मा ने 51 पर 2, मिहित अग्रवाल ने 42 पर 2 व आयुष आमेरिया ने 21 पर 2 विकेट लिए। जवाबी पारी में जयपुर की टीम ने भावित कुमावत के 20 रन, आयुष आमेरिया के 38 रन, राहुल चौधरी के 103 रन, अभय शर्मा के 12 रन, शुभम पटवाल के 31 रन नाबाद व चिराग शर्मा के नाबाद 14 रनों से 41.5 ओवर में 7 विकेट पर 246 रन बनाकर मैच जीत लिया। श्री गंगानगर टीम के लिए हितेश ने 34 पर 2, हिमांशु ने 49 पर 2, धनंजय , मंथन व हिमांशु ने एक - एक विकेट लिया। कल उदयपुर की टीम जयपुर की ए टीम के साथ के एल सैनी स्टेडियम पर मैच खेलेगी।

अंडर-19 नंद सिंह मेमोरियल क्रिकेट लीग : मनय कटारिया का शानदार अर्द्धशतक राजीव गांधी फाइनल में

जयपुर, 20 मई। 17वी अंडर-19 राज्य स्तरीय नन्द सिंह मेमोरियल क्रिकेट लीग में आज नारायणा ग्राउंड पर खेले गए संघर्षपूर्ण मैच में राजीव गांधी ने भदौरिया एकेडमी को 1 विकेट से हराकर फाइनल में प्रवेश किया। टॉस जीतकर भदौरिया एकेडमी ने पहले बल्लेबाजी करते हुए शिवांशु सोनी 53, हार्दिक गौड 69, अशाद सिद्दीकी 42, ऋतिक 41, शिवम् उमेश 23 के सहयोग से 9 विकेट पर 50 ओवर में 278 रन बनाए। राजीव गांधी की ओर से श्यामसुंदर 3 , आयुष गुर्जर 2 , लक्ष्य वैष्णव, देवांग, मनय कटारिया, दीपांशु राजौरिया ने 1 -1 विकेट लिए। लक्ष्य का पीछा करते राजीव गांधी एकेडमी ने मनय कटारिया की शानदार जुझारू पारी खेलते हुए 80 रन बनाए। शफान खान 40, निशांत गुर्जर 29, अक्षत चंदवाल 25, श्यामसुंदर 21, आयुष गुर्जर 15 रनों के सहयोग से 9 विकेट पर 280 रन बनाए। भदौरिया की ओर से गेंदबाजी करते हुए चिराग तंवर 3, केशव 2, निखिल सिंह , शिवांशु ने 1-1 लिए। आज के मैच के मैन ऑफ द मैच मनय कटारिया रहे।

पेंचक सिलाट में दमन और दीव ने जीते दो स्वर्ण पदक

दीव, 20 मई। मेजबान दादरा और नगर हवेली तथा दमण और दीव ने खेलो इंडिया बीच गेम्स के पहले संस्करण के दूसरे दिन मंगलवार को पेंचक सिलाट प्रतियोगिता में शानदार प्रदर्शन करते हुए दो स्वर्ण अपने नाम किए। पेंचक सिलाट इंडोनेशिया की एक पारंपरिक मार्शल आर्ट शैली है।दमन और दीव के प्रसन्ना नरेंद्र बेंद्रे ने सीनियर पुरुष 'तुंगल' (कलात्मक) वर्ग में स्वर्ण पदक जीता, जबकि महिला वर्ग में मेजबान टीम की कीर्तन मनोजकुमार आचार्य ने भी स्वर्ण पदक अपने नाम किया। घोघला बीच पर सुबह के सत्र में पेंचक सिलाट की एक और कलात्मक स्पर्धा में पंजाब के आर्यन ने सीनियर पुरुष 'क्रिएटिव सोलो' वर्ग में स्वर्ण पदक जीता। उन्होंने ओडिशा के सोहिल गुरुंग को हराया। बीच सॉकर प्रतियोगिता की शुरुआत सोमवार को हुई थी, जिसमें पुरुष और महिला वर्गों के ग्रुप मुकाबले एकतरफा रहे। लक्षद्वीप की पुरुष टीम ने गुजरात को 19-1 से हराकर प्रतियोगिता की अब तक की सबसे बड़ी जीत दर्ज की।

किदांबी श्रीकांत ने किया मलेशिया मास्टर्स के मुख्य ड्रॉ के लिए क्वालीफाई

बुकिट जलील (मलेशिया), 20 मई। भारतीय बैडमिंटन स्टार किदांबी श्रीकांत ने मंगलवार को मलेशिया मास्टर्स 2025 बैडमिंटन टूर्नामेंट में पुरुष एकल वर्ग में मुख्य ड्रॉ के लिए क्वालीफाई किया। आज यहां स्टेडियम एक्सियाटा एरिना केएल स्पोर्ट्स सिटी में खेले गये मुकाबले में किदांबी श्रीकांत ने चीनी ताइपे के शटलर कुओ कुआन-लिन और हुआंग यू काई को हराकर मुख्य ड्रॉ में जगह बनाई। काबिज किदांबी श्रीकांत ने 29 मिनट तक चले मुकाबले में चीनी ताइपे के कुओ कुआन-लिन को 21-8, 21-13 से हराकर आसान जीत दर्ज की। श्रीकांत का दूसरा क्वालीफाइंग मैच दुनिया के 86वें नंबर के खिलाड़ी हुआंग यू काई के खिलाफ थोड़ा अधिक चुनौतीपूर्ण था। भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी ने पहला गेम गंवा दिया, लेकिन अगले दो गेम में वापसी करते हुए मैच 9-21, 21-12, 21-16 से जीत लिया और मुख्य ड्रॉ में जगह बनाई। पुरुष एकल क्वालीफायर में भारत के अन्य दो खिलाड़ी बाहर हो गए। थारुन मन्नेपल्ली को थाईलैंड के पैनिचाफोन तीरात्सकुल ने 21-13, 23-21 से हराया, जबकि शंकर सुब्रमण्यन ने संघर्ष किया, लेकिन उन्हें चीन के जुआन चेन झू ने 22-20, 22-20 से हार का सामना करना पड़ा। वहीं महिला एकल वर्ग में भारत की अनमोल खरब क्वालीफायर में चीनी ताइपे की हंग यी-टिंग के खिलाफ 21-14, 21-18 से हार गई।

राजस्थान रॉयल्स ने चेन्नई सुपर किंग्स को छह विकेट से हराया

नई दिल्ली, 20 मई। युद्धवीर सिंह चरक और आकाश मधवाल (तीन-तीन विकेट) के बाद वैभव सूर्यवंशी (57) और कप्तान संजू सैमसन (41) रनों पारियों के दम पर राजस्थान रॉयल्स ने मंगलवार को इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 के 63वें मुकाबले में चेन्नई सुपर किंग्स को 17 गेंदे शेष रहते छह विकेट से हराया।

188 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी राजस्थान रॉयल्स के लिए यशस्वी जायसवाल और वैभव सूर्यवंशी सलामी जोड़ी ने तूफानी शुरुआत करते हुए पहले विकेट लिए 37 रन जोड़े। चौथे ओवर में अंशुल काम्बोज ने यशस्वी जायसवाल को आउट कर इस साझेदारी का अंत किया। यशस्वी जायसवाल ने 19 गेंदों में पांच चौके और दो छक्के लगाते हुए (36) रनों की पारी खेली। इसके बाद बल्लेबाजी करने आये कप्तान संजू सैमसन ने दूसरे विकेट लिए 98 रन जोड़े। 14वें ओवर में आर अश्विन ने यशस्वी जायसवाल को आउट कर चेन्नई को दूसरी सफलता दिलाई। जायसवाल ने 31 गेंदों में तीन चौके और दो छक्के लगाते हुए (41) रन बनाये। तीसरे विकेट के रूप में अश्विन ने वैभव सूर्यवंशी को अपना शिकार बनाया।

वैभव सूर्यवंशी ने 33 गेंदों में चार चौके और चार छक्के लगाते हुए (57) रनों की पारी खेली। रियान पराग (तीन) को नूर अहमद ने बोल्ड आउट किया। राजस्थान रॉयल्स ने 17.1 ओवर में चार विकेट पर 188 रन बनाकर मुकाबला चार विकेट से जीत लिया। ध्रुव जुरेल 12 गेंदों में (31) और शिमरॉन हेटमायर पांच गेंदो में (12) रन बनाकर नाबाद रहे। चेन्नई सुपर किंग्स की ओर से आर अश्विन को दो विकेट मिले। अंशुल काम्बोज और नूर अहमद ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया।

इससे पहले आज यहां राजस्थान रॉयल्स के कप्तान संजू सैमसन ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। बल्लेबाजी करने उतरी चेन्नई को दूसरे ही ओवर में युद्धवीर सिंह चरक ने डेवन कॉन्वे (10) को आउटकर पहला झटका दिया। इसी ओवर में युद्धवीर ने उर्विल पटेल (शून्य) को आउटकर राजस्थान रॉयल्स को दूसरी सफलता दिलाई। इसके बाद बल्लेबाजी करने आये रवि अश्विन ने सलामी बल्लेबाज आयुष म्हात्रे के साथ पारी को संभाला और दोनों बल्लेबाजों ने तीसरे विकेट लिये 56 रन जोड़े। छठे ओवर में तुषार देशपांडे ने आयुष म्हात्रे को आउटकर इस साझेदारी का अंत किया। आयुष म्हात्र ने 20 गेंदों में आठ चौके और एक छक्का लगाते हुए (43) रनों की पारी खेली। अगले ही ओवर में हसरंगा ने रवि अश्विन आठ गेंदों में (13) को आउटकर राजस्थान को चौथी सफलता दिलाई।

आरसीबी और एसआरएच का मैच लखनऊ में

मुल्लांपुर और अहमदाबाद में होंगे प्लेऑफ मैच

मुम्बई, 20 मई। मौसम संबंधी परेशानियों को देखते हुए भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के शुक्रवार को रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु बनाम सनराइजर्स हैदराबाद के घरेलू लीग मैच को लखनऊ में कराने का फैसला किया है। इसके अलावा प्लेऑफ के मैचों में भी बदलाव किया गया है। बीसीसीआई ने आईपीएल 2025 के प्लेऑफ वेन्यू के तौर पर अहमदाबाद और मुल्लांपुर में कराने का फैसला लिया है। मुल्लांपुर में 29 मई को पहला क्वालिफायर और अगले दिन एलिमिनेटर मुकाबला खेला जाएगा। जबकि अहमदाबाद एक जून को दूसरा क्वालिफायर और तीन जून को फाइनल की मेजबानी करेगा। आरसीबी को 27 मई को अपना अंतिम लीग मुकाबला भी 27 मई को लखनऊ सुपर जायंट्स के खिलाफ इकाना स्टेडियम में ही खेलना है। मौसम विभाग ने बेंगलुरु में गुरुवार तक भारी बारिश का पूर्वानुमान और ऑरेंज एलर्ट जारी होने के चलते कार्यक्रम को बदला गया। आरसीबी को आज अपराह्न कार्यक्रम में बदलाव की जानकारी दी गई और उन्हें हैदराबाद के खिलाफ मैच के लिए लखनऊ में ही रुकने के लिए कहा गया है। ऐसा माना जा रहा है किक कार्यक्रम में बदलाव से आरसीबी को शीर्ष दो स्थान में रहकर प्लेऑफ में प्रवेश करने का बेहतर अवसर मिलेगा।

सौरभ और शाहबाज जेएससीए के सचिव और संयुक्त सचिव चुने गये

रांची, 20 मई। पूर्व भारतीय क्रिकेटर सौरभ तिवारी और शाहबाज नदीम को झारखंड राज्य क्रिकेट संघ का सचिव और संयुक्त सचिव चुना गया है। जेएससीए की नयी कार्यकारिणी के चुनाव में तिवारी ने अपने प्रतिद्वंद्वी एसबी सिंह को 438-194 के बड़े अंतर से हराया। संयुक्त सचिव पद के लिए हुए मतदान में नदीम ने भी 409-199 के स्कोर से राजकुमार शर्मा को दो सौ से अधिक मतों के अंतर से हराकर बड़ी जीत दर्ज की।

बेयरस्टो, ग्लीसन और असलंका को मुंबई इंडियंस ने किया अनुबंधित

मुम्बई, 20 मई। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) की फ्रैंचाईची मुंबई इंडियंस ने इंग्लैंड के जॉनी बेयरस्टो, रिचर्ड ग्लीसन और श्रीलंका के चरित असलंका को विल जैक्स, रयान रिकलटन और कॉर्बिन बॉश के स्थान पर अस्थायी तौर पर टीम में जगह दी है।

इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) की ओर से जारी बयान में कहा गया है कि मुम्बई इंडियंस ने बेयरस्टो को 5.25 करोड़ रुपये, तेज गेंदबाज ग्लीसन को एक करोड़ और असलंका को 75 लाख रुपये में अनुबंधित किया है। ये खिलाड़ी मुंबई इंडियंस प्लेऑफ में जगह बनाने पर टीम के साथ उपलब्ध रहेंगे। मुम्बई इंडियंस और दिल्ली कैपिटल्स के बीच बुधवार प्लेऑफ में जगह बनाने के लिए भिड़ंत होगी। जैक्स 26 मई को मुम्बई इंडियंस का अंतिम लीग मैच खेलने के बाद वेस्टइंडीज के खिलाफ इंग्लैंड की एकदिवसीय श्रृंखला के कारण टूर्नामेंट बीच में ही छोड़ देंगे। वहीं, रिकलटन और बॉश वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) फाइनल की तैयारी के लिए दक्षिण अफ्रीका की राष्ट्रीय टीम से जुड़ेंगे।

बेयरस्टो ने आईपीएल के पांच सत्र में 50 मैच खेले हैं। वह वर्ष 2019-20 में सनराइजर्स हैदराबाद और 2022 और 2024 में पंजाब किंग्स के लिए खेल चुके है। लीग बेयरस्टो ने में 34.54 की औसत और 144.45 की स्ट्राइक रेट के साथ रन बनाए हैं। इसमें दो शतक भी शामिल हैं। वहीं ग्लीसन ने पिछले सत्र में चेन्नई सुपर किंग्स के लिए दो मैच खेले थे।श्रीलंका के सीमित ओवर कप्तान असलंका पहली बार आईपीएल में खेलेंगे।

अभिषेक को मैच फीस का 25% जुर्माना और राठी एक मैच के लिए निलंबित

लखनऊ, 20 मई। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) की आचार संहिता का उल्लंघन के लिए सनराइजर्स हैदराबाद के बल्लेबाज अभिषेक शर्मा पर मैच फीस का 25 प्रतिशत जुर्माना लगाया गया। वहीं लखनऊ सुपर जायंट्स के स्पिन गेंदबाज दिग्वेश राठी को इस सत्र में तीसरी बार उल्लंघन का दोषी पाये जाने पर एक मैच के निलंबन के साथ मैच फीस का 50 प्रतिशत जुर्माना भी लगाया गया है। यह घटना सोमवार को लखनऊ सुपर जायंट्स और सनराइजर्स हैदराबाद के बीच खेले गये मैच के दौरान आठवें ओवर में उस समय जब राठी ने अभिषेक शर्मा को आउट किया। राठी ने अभिषेक को आउट करने के बाद उन्हें 'नोटबुक' में एंट्री का इशारा किया और फिर दोनों खिलाड़ियों के बीच बहस हुई। इस दौरान अंपायर माइकल गॉफ को बीच-बचाव करना पड़ा। राठी को इस सत्र में तीसरी बार आईपीएल के आचार संहिता का उल्लंघन का दोषी पाया गया। इस सत्र में राठी के खिलाफ कुल पांच डिमेरिट अंक जोड़े गये हैं, इस कारण उन्हें एक मैच के लिए निलंबित किया गया है। वह अब वह गुरुवार को गुजरात टाइटंस के साथ होने वाले मैच में नहीं खेल पाएंगे। अभिषेक की इस सत्र में पहली गलती को देखते हुए उन पर मैच फीस का 25 प्रतिशत जुर्माना लगाया गया।

दक्ष कासलीवाल की नाबाद अर्द्धशतकीय पारी की बदौलत केन्डलविक एकेडमी की एकतरफा जीत

जयपुर, 20 मई। यूनियन क्रिकेट क्लब द्वारा आयोजित 27वीं नवीन नफीस स्मृति क्रिकेट प्रतियोगिता में आज अरावली क्रिकेट ग्राउण्ड, हाथोज, जयपुर पर खेले गये पूल ई के मैच में दक्ष कासलीवाल 65 रन नाबाद मोहम्मद कैफ 32 रन नाबाद पारियों की बदौलत केन्डलविक क्रिकेट एकेडमी ने कोड़ाई स्पोटर्स एकेडमी को 9 विकेट से हराकर लगातार चौथी जीत दर्ज की। टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुये कोडाई स्पोर्ट्स एकेडमी के दीवान राजोरिया 30 रन, सुमित सैनी 27 रन, गौरांश चौहान 18 रन नाबाद, भावेश कांवट 17 रन नाबाद, राज 11 रन प्रणित पुगलिया 10 रन की मदद से निर्धारित 20 ओवर में 5 विकेट खोकर 128 रन बनाये।

गेन्दबाजी में केन्डलविक क्रिकेट एकेडमी की ओर से सार्थक त्यागी 31 रन पर 2 विकेट हिमांक झालानी, आदित्य सर्राफ और मेहूल सिंह प्रत्येक 1-1 विकेट लेकर सफल गेंदबाज रहे। 129 रन के विजय लक्ष्य को लेकर खेलने उतरी केन्डलविक क्रिकेट एकेडमी की ओर से मोहम्मद कैफ ने 32 रन नाबाद तथा मेहूल सिंह 28 रन 9 गेन्द 3 चौके 2 छक्के ने मिलकर 2.4 ओवर में 41 रन जोड़कर अच्छी शुरूआत की। मेहूल के आउट होने के बाद खेलने उत्तरे दक्ष कासलीवाल 65 रन नाबाद (44 गेन्द 10 चौके 1 छक्का) ने मोहम्मद कैफ के साथ मिलकर 89 रन नाबाद की साझेदारी निभाकर विजयी लक्ष्य 13.5 ओवर में 130 रन बनाकर 9 विकेट से जीत दर्ज कर पूल में प्रथम स्थान प्राप्त कर लिया। कोडाई स्पोर्ट्स एकेडमी की ओर से तौसिफ अली 30 रन पर 1 विकेट लेकर एकमात्र सफल गेन्दबाज रहे। मैच का मेन ऑफ मैच दक्ष कासलीवाल 65 रन नाबाद केन्डलविक क्रिकेट एकेडमी रहे।

वर्षा प्रभावित मैचों के लिए दो घंटे का अतिरिक्त समय

मुम्बई, 20 मई। देशभर में मानसून की शुरुआत को देखते हुए आईपीएल के लीग चरण के बारिश से प्रभावित होने वाले मैचों के लिए दो घंटे का अतिरिक्त समय दिया जायेगा। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) की शासकीय परिषद ने बारिश के कारण बाधा होने की स्थिति में पूरे 40 ओवर का मैच कराये जाने के लिए 120 मिनट का अतिरिक्त समय दिये जाने निर्णय लिया है। इससे पहले केवल प्लेऑफ मैचों में दो घंटे का अतिरिक्त समय दिया जाता है।

दिग्वेश राठी की सजा पर धवन ने दी प्रतिक्रिया

लखनऊ, 20 मई। लखनऊ सुपर जाएंट्स के स्पिनर दिग्वेश राठी सोमवार को सनराइजर्स हैदराबाद के ओपनर अभिषेक शर्मा से भिड़ गए थे। उन्होंने नोटबुक सेलिब्रेशन के दौरान अभिषेक को बाहर जाने का इशारा किय था, जिसके बाद दोनों में जमकर बहस हुई। अंपायर को बीच-बचाव कराना पड़ा था। बीसीसीआई ने राठी को कड़ी सजा सजाई सुनाई है।

उन्हें आईपीएल 2025 में एक मैच के लिए बैन कर दिया गया है। वह निलंबन के कारण एलएसजी के अगले मैच में नहीं खेलेंगे, जो 22 मई को गुजरात टाइटंस के खिलाफ होगा। राठी की सजा पर भारत के पूर्व धाकड़ सलामी बल्लेबाज शिखर धवन ने अपनी प्रतिक्रिया दी है।धवन ने मंगलवार को सोशल मीडिया प्लेऑफ एक्स पर लिखा कि, कभी-कभी कठिन तरीके से सीखना ही एकमात्र तरीका होता है जिससे सबक याद रहता है। उम्मीद है कि एक ऐसा टर्निंग पॉइंट होगा जहां राठी उस आग को और अधिक रचनात्मक तरीके से इस्तेमाल करना सीखेंगे और मैदान पर हर खिलाड़ी का सम्मान करेंगे, जिसका वह हकदार है।धवन की पोस्ट पर क्रिकेट फैंस के जमकर रिएक्शन आ रहे हैं। एक यूजर ने कमेंट किया कि, खिलाड़ियों को एक-दूसरे का सम्मान करना चाहिए। अन्य ने कहा कि, दिग्वेश राठी का मैदान पर व्यवहार वाकई में उचित नहीं है।

आईपीएल प्रेस रिलीज में कहा गया कि, लखनऊ सुपर जाएंट्स के गेंदबाज दिग्वेश सिंह पर सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ अपनी टीम के मैच के दौरान आईपीएल आचार संहित का उल्लंघन करने के लिए मैच फीस का 50 फीसदी जुर्माना लगाया गया है। ये इस सीजन में नियम 2.5 के तहत उनका तीसरा लेवल एक अपराध था और इसलिए उन्हें पहले के तीन डिमेरिट अंकों के अलावा दो और डिमेरिट अंक दिए गए हैं। इसमें एक अप्रैल 2025 को पंजाब किंग्स के खिलाफ एक डिमेरिट अंक और चार अप्रैल 2025 को मुंबई इंडियंस के खिलाफ दो डिमेरिट अंक शामिल हैं। उनके पास सीजन में 5 डिमेरिट अंक हैं, जिसका परिणाम एक मैच का निलंबन होता है इसलिए दिग्वेश को अब एलएसएजी के अगले मैच से निलंबित किया जाएगा। वहीं आईपीएल आचार संहिता का उल्लंघन के लिए अभिषेक शर्मा पर मैच फीस का 25 प्रतिशत जुर्माना लगाया गया।

कोलकाता में नहीं होगा आईपीएल 2025 फाइनल

नई दिल्ली, 20 मई। आईपीएल 2025 प्लेऑफ के वेन्यू का ऐलान हो गया है। बीसीसीआई ने फाइनल को शिफ्ट कर दिया है जिसके बाद अब खिताबी मुकाबला कोलकाता में नहीं बल्कि अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में खेला जाएगा। अहमदाबाद ने 2022 और 2023 में भी आईपीएल फाइनल की मेजबानी की थी। क्वालीफायर 1 और एलिमिनेटर भी शिफ्ट हो गए हैं। ये दोनों मुकाबले मुल्लांपुर के मैदान में आयोजित होंगे जो पहले हैदराबाद में खेले जाने थे।बीसीसीआई ने मंगलवार को एक बयान में बताया कि अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में 3 जून को आईपीएल 2025 का फाइनल होगा।

ये मैदान 1 जून को क्वालीफायर 2 की भी मेजबानी करेगा। वहीं मुल्लांपुर के महाराजा यादवेंद्र सिंह इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में 29 मई को क्वालीफायर 1 और 30 मई को एलिमिनेटर मुकाबला खेला जाएगा। इससे पहले, आईपीएल फाइनल 25 मई को कोलकाता में खेला जाना था। ईडन गार्डन्स में क्वालिफायर 2 भी आयोजित होना था। क्वालिफायर 1 और एलिमिनेटर मैच हैदराबाद के राजीव गांधी इंटरनेशनल स्टेडियम में खेले जाने थे। बीसीसीआई ने बयान में कहा कि, आईपीएल संचालन परिषद ने मौसम की परिस्थितियों और अन्य चीजों को ध्यान में रखते हुए प्लेऑफ के नए वेन्यू पर फैसला किया है। बोर्ड ने ये भी पुष्टि की है कि प्लेऑफ चरण के समान लीग चरण के बाकी मुकाबलों के खेलने की परिस्थितियों के लिए एक घंटे का अतिरिक्त समय आवंटित किया गया है।

सुनयना प्रकाश बनी इंडियन सॉफ्ट हॉकी लीग की चेयरपर्सन और कुमार लाखोटिया बने एमेच्योर सॉफ्ट हॉकी फैडरेशन ऑफ इंडिया के संयुक्त सचिव

जयपुर, 20 मई। एमेच्योर सॉफ्ट हॉकी फेडरेशन ऑफ इंडिया के अध्यक्ष डॉ. आशुतोष पंत ने की बताया कि एमेच्योर सॉफ्ट हॉकी फेडरेशन ऑफ इंडिया की साधारण सभा में यह तय किया गया कि भारतीय ओलंपिक संघ की विधिक समिति की चेयरपर्सन एवं सुप्रीम कोर्ट की वरिष्ठ अधिवक्ता सुनयना प्रकाश को इंडियन सॉफ्ट हॉकी लीग की चेयरपर्सन नियुक्त किया गया है। तथा एमेच्योर सॉफ्ट हॉकी ऑफ इंडिया की वाइस प्रेसिडेंट बनाया गयासुनयना प्रकाश का विधिक अनुभव, नेतृत्व क्षमता और सामाजिक सक्रियता सॉफ्ट हॉकी को राष्ट्रीय स्तर पर नई पहचान दिलाएगी।

उनके मार्गदर्शन में लीग को सशक्त दिशा मिलेगी।श्रीमती सुनयना प्रकाश सुप्रीम कोर्ट में वंचितों और पीड़ितों को न्याय दिलाने में अग्रणी रही हैं। वे शिक्षा, महिला सशक्तिकरण और सामाजिक जागरूकता के क्षेत्र में सक्रिय हैं।

कुमार लाखोटिया बने संयुक्त सचिव ,फेडरेशन की बैठक में श्री कुमार लाखोटिया को एमेच्योर सॉफ्ट हॉकी फेडरेशन ऑफ इंडिया का संयुक्त सचिव नियुक्त किया गया। लाखोटिया वर्तमान में दिल्ली भाजपा राज्य इकाई के विशेष आमंत्रित सदस्य हैं तथा 2018 से राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय प्रवासी प्रकोष्ठ के संयोजक के रूप में सक्रिय हैं। वे राजस्थान भाजपा की प्रदेश कार्यकारिणी (2018-2020) के सदस्य भी रह चुके हैं। फेडरेशन के महासचिव सिंह ने सुनैना प्रकाश व कुमार लाखोटिया को निर्वाचित होने पर बधाई दी

व्यक्तिगत ई-मेल आईडी का उपयोग करके मुझे नोटिस भेजे गये : धर्मवीर सिंह

जयपुर, 20 मई। पाली जिला संघ के सचिव धर्मवीर सिंह ने कहा कि जयदीप बिहानी, संयोजक, तदर्थ समिति राजस्थान क्रिकेट संघ नोटिस के आरोपों और कथनों को अस्वीकार किया जाता है और जब तक इसे विशेष रूप से स्वीकार नहीं किया जाता है, तब तक इसे अस्वीकार माना जाएगा। इसके अलावा, उस प्राधिकार और योग्यता को अस्वीकार करते हैं जिसके तहत विषय नोटिस जारी किया गया है क्योंकि विषय नोटिस के मात्र अवलोकन से यह स्पष्ट होता है कि इसमें न तो समिति के बहुमत से पारित किसी प्रस्ताव/निर्णय का उल्लेख है, न ही इसमें आधिकारिक प्रेषण संख्या का उल्लेख है और न ही हमारे संघ की सम्बद्धता समाप्त करने के एजेंडे पर चर्चा करने के लिए बैठक बुलाने संबंधी संचार के किसी विवरण का उल्लेख है और न ही हमने और तदर्थ समिति के अन्य सदस्यों को आज तक ऐसा कोई नोटिस प्राप्त नहीं हुआ है। अतः प्रथम दृष्टया यह स्थापित होता है कि विषयगत नोटिस केवल आपकी इच्छा और मनमर्जी से तथा तदर्थ समिति के सदस्यों के बहुमत के बिना ही हमें जारी किया गया है; अतः यह आधारहीन होने के कारण टिकने योग्य नहीं है। जहां तक जांच के संबंध में आरसीए की शक्ति का संबंध है, वर्तमान में आरसीए की ऐसी कोई स्थायी/विधिवत निर्वाचित कार्यकारी संस्था अस्तित्व में नहीं है तथा आरसीए का संचालन तदर्थ समिति द्वारा किया जा रहा है, जिसमें छह सदस्य शामिल हैं, जिसमें हमारा संघ भी तदर्थ समिति का सदस्य है। इसके अलावा, हमारे संघ के विरुद्ध ऐसी जांच आरंभ करने के संबंध में न तो तदर्थ सदस्यों के बहुमत द्वारा ऐसा निर्णय पारित किया गया है और न ही तदर्थ समिति द्वारा ऐसी जांच आरंभ की गई है। तथापि, नोटिस में जयदीप बिहानी, उप रजिस्ट्रार सहकारी समिति, पाली द्वारा जारी दिनांक 30.04.2025 के पत्र का संदर्भ दिया है। उक्त पत्र के अनुसरण में हमसे कुछ अभिलेख मांगते हुए कार्यवाही शुरू की है। हालाँकि, उप पंजीयक द्वारा जारी आदेश की प्रति आपको हमसे ऐसे अभिलेख मांगने का निर्देश देते हुए उपलब्ध कराई गई है। जहाँ तक उप पंजीयक, सहकारी समिति, पाली द्वारा शुरू की गई कथित जांच का सवाल है,

उन्होंने कभी भी ऐसा अभिलेख नहीं मांगा है, जो आपने मांगा है। इसके अलावा, उप पंजीयक सहकारी समिति, पाली ने पहले ही जांच अधिकारी नियुक्त कर दिया है। धर्मवीर ने बियानी पर आरोप लगाते हुए कहा कि रजिस्ट्रार, सहकारी समिति, जयपुर द्वारा पारित आदेश दिनांक 28.03.2024 के तहत तीन माह की अवधि के भीतर आरसीए के नए चुनाव कराने तथा नए चुनाव होने तक आरसीए का प्रबंधन देखने के लिए एड-कमेटी नियुक्त की गई थी, जिसके तहत जिला क्रिकेट संघों के पदाधिकारियों को एड-कमेटी के सदस्य नियुक्त किया गया था: जयदीप बिहानी, कोषाध्यक्ष, डीसीए श्रीगंगानगर संयोजक, पवन गोयल, सचिव, डीसीए अलवर, रतन सिंह शेखावत, सचिव डीसीए बीकानेर, हरीश चंद्र सिंह, सचिव डीसीए झुंझुनू, धनंजय सिंह खींवसर, अध्यक्ष डीसीए नागौर, धर्मवीर सिंह शेखावत, सचिव डीसीए पाली, सदस्य बनाये गये थे। तदर्थ समिति द्वारा आरसीए का कोई नया चुनाव नहीं कराया गया तथा रजिस्ट्रार सहकारी समितियां द्वारा नए चुनाव कराने के लिए प्रत्येक तीन माह का समय बढ़ाया जा रहा है, लेकिन तदर्थ समिति के सदस्यों द्वारा अनेक बार अनुरोध किए जाने के बावजूद आपके द्वारा कोई बैठक आयोजित नहीं की जा रही है तथा तदर्थ सदस्यों के अनुरोधों की अनदेखी की जा रही है तथा बियानी द्वारा सभी निर्णय व्यक्तिगत रूप से लिए जा रहे हैं, जिसमें अन्य तदर्थ सदस्यों की सहमति भी नहीं ली जा रही है। ऐसी परिस्थितियों में, 19.05.2025 को तदर्थ सदस्यों के बहुमत के साथ एक बैठक बुलाई गई थी, जिसमें बियानी द्वारा व्यक्तिगत रूप से जारी किए गए सभी निर्णय, पत्र, संचार, निर्देश आदि को वापस ले लिया गया क्योंकि इसमें अन्य तदर्थ सदस्यों की सहमति नहीं है और यह बिना अधिकार और बहुमत के है। यह भी संकल्प लिया गया है कि आपको अन्य तदर्थ सदस्यों की बहुमत और सहमति के बिना व्यक्तिगत रूप से कोई भी निर्णय लेने से रोका जाता है। जहां तक चुनाव और वित्त के दौरान अनियमितताओं के बारे में शिकायतें प्राप्त करने के आरोपों का संबंध है, हमारा संघ अपने उपनियमों और शासी अधिनियम और नियमों के अनुसार काम कर रहा है और इसमें शासी कानून का कोई उल्लंघन नहीं हुआ है। इसके अलावा, हमारे संघ के चुनाव आरसीए की निगरानी में संघ के उपनियमों के अनुसार आयोजित किए जा रहे हैं। इसके अलावा, हमारे संघ का पिछला चुनाव 15.03.2025 को आरसीए के पर्यवेक्षक की उपस्थिति में आयोजित किया गया था और 18.03.2025 को प्रमाण पत्र जारी करते समय इसे आरसीए द्वारा संबद्ध किया गया था।चूंकि अध्यक्ष पद के लिए कोई नामांकन नहीं था, इसलिए अध्यक्ष पद को रिक्त रखा गया और उसके बाद दिनांक 09.04.2025 को आरसीए पर्यवेक्षक और राजस्थान खेल परिषद पर्यवेक्षक की उपस्थिति में पूरी प्रक्रिया के साथ अध्यक्ष पद के लिए चुनाव कराया गया और दिनांक 11.04.2025 को आरसीए द्वारा प्रमाण पत्र जारी करते हुए संबद्ध किया गया। इसके अलावा, उक्त चुनाव को किसी अन्य द्वारा सक्षम न्यायालयों के समक्ष कभी भी चुनौती नहीं दी गई।

भारतीय सेना के सम्मान को समर्पित सिंदूर यात्रा में सीएम भजनलाल शर्मा सपत्नीक शामिल हुए

सिंदूर यात्रा में भारी संख्या में माताओं-बहनों ने भाग लिया, भारत माता के जयकारों से गूंज उठा परकोटा

जयपुर, 20 मई। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मजबूत नेतृत्व में हमारी सेना ने ऑपरेशन सिंदूर के माध्यम से बहनों का सिंदूर उजाड़ने वाले आतंकवादियों को कड़ा सबक सिखाया। बहनों के माथे की शोभा होने के साथ ही, सिंदूर हमारी संस्कृति और सम्मान का प्रतीक है।

मुख्यमंत्री मंगलवार को जयपुर में मातृशक्ति की ओर से आयोजित 'सिंदूर यात्रा' में धर्मपत्नी गीता शर्मा के साथ शामिल हुए।

मातृशक्ति की ओर से भारतीय सेना के सम्मान में आयोजित सिंदूर यात्रा में प्रदेश की महिलाओं के साथ, मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की धर्मपत्नी गीता देवी ने भी पैदल यात्रा की। इस अवसर पर उन्होंने माताओं और बहनों के जोश और देशभक्ति की भावना की सराहना की।

गीता देवी ने यात्रा में साथ चल रही महिलाओं का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि कर्नल सोफिया कुरैशी और विंग कमांडर व्योमिका सिंह जैसे उदाहरणों ने नारी शक्ति के शौर्य और

- **मुख्यमंत्री भजनलाल ने कहा कि भारत की अखंड एकता ने आतंकवादियों को कड़ा संदेश दिया है कि आतताइयों को सबक सिखाने के लिए देशवासी पूरी तरह एकजुट हैं।**

मुख्यमंत्री ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर की सफलता देशवासियों के संकल्प और जज्बे का प्रतीक है। भारत की अखण्ड एकता ने आतंकवादियों को कड़ा संदेश दिया है कि आततायियों को सबक सिखाने के लिए देशवासी पूरी तरह एकजुट हैं। मुख्यमंत्री ने ऑपरेशन सिंदूर की सफलता के लिए बहादुर जवानों को धन्यवाद दिया तथा वीर शहीदों को नमन किया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारे देश की जांबाज बेटियों कर्नल सोफिया कुरैशी और विंग कमांडर व्योमिका सिंह ने बताया कि कैसे हमारी सेना ने विश्व के सामने भारत की सैन्य ताकत और नारी शक्ति का परचम लहराया।

देशभक्ति को न केवल भारत, बल्कि पूरी दुनिया के सामने गौरवपूर्ण ढंग से प्रस्तुत किया है। इस सिंदूर यात्रा में बड़ी संख्या में महिलाएं भागीदार बनीं और भारत माता के जयघोष से वातावरण गूंज उठा।

हवामहल से प्रारंभ हुई यात्रा बड़ी चौपड़, त्रिपोलिया बाजार से होती हुई, छोटी चौपड़ पर सम्पन्न हुई। यात्रा का विभिन्न स्थानों पर पुष्प वर्षा कर स्वागत किया गया।

इस दौरान उप मुख्यमंत्री दीया कुमारी, जयपुर सांसद डॉ. मंजू शर्मा, जयपुर नगर निगम हैरिटेज मेयर कुसुम यादव, भाजपा की राष्ट्रीय मंत्री डॉ. अलका गुर्जर, प्रदेश महामंत्री संतोष अहलावत, प्रदेश मंत्री स्टेफी चौहान, अभियान सह-संयोजक अपूर्वा सिंह, भाजपा नेता रवि नैय्यर, चन्द्रमनोहर बटवाड़ा, मोहन लाल गुप्ता सहित, अन्य जनप्रतिनिधि एवं बड़ी संख्या में नारी शक्ति उपस्थित रहीं।

जयपुर में मंगलवार को मातृशक्ति की ओर से आयोजित 'सिंदूर यात्रा' में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा धर्मपत्नी गीता शर्मा के साथ शामिल हुए। हवामहल से छोटी चौपड़ तक निकाली गई इस यात्रा का विभिन्न स्थानों पर पुष्प वर्षा से स्वागत किया गया।

आज से विदेश यात्रा पर जाएंगे संसदीय प्रतिनिधिमंडल

नयी दिल्ली, 20 मई। पहलगाम आतंकवादी हमले एवं ऑपरेशन सिन्दूर को लेकर वैश्विक कूटनीतिक समर्थन जुटाने के लिए गठित सात संसदीय दल 21 मई से पांच जून तक 33 देशों की यात्रा करेंगे और इन दलों में शामिल 51 राजनेता एवं आठ राजनयिक पाकिस्तान में मौजूद वैश्विक आतंकवादी ढांचे और उसके समर्थकों की पोल दुनिया के सामने खोलेंगे।

सूत्रों के अनुसार, भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के उपाध्यक्ष बैजयंत पाण्डा के नेतृत्व वाला पहला समूह 23 मई को बहरीन, 25 मई को कुवैत, 27

- **सात संसदीय दल 21 मई से 5 जून तक 33 देशों की यात्रा करेंगे।**

मई को सऊदी अरब और 30 मई को अल्जीरिया जाएगा। इस समूह में अन्य सदस्य भाजपा के निशिकांत दुबे, भाजपा के फांगनोन कोन्याक, भाजपा की रेखा शर्मा, ऑल इंडिया मजलिसे इत्तेहादुल मुस्लमीन के असद्दुदीन ओवैसी, नामांकित सतनाम सिंह संधु और गुलाम नबी आज़ाद हैं। पूर्व विदेश सचिव हर्ष वर्धन श्रृंगला भी इस समूह में जाएंगे। भाजपा के डॉ रविशंकर प्रसाद के नेतृत्व वाला दूसरा समूह 25 मई को फ्रांस, 27 मई को इटली, 29 मई को डेनमार्क, एक जून को ब्रिटेन और पांच जून को जर्मनी जाएगा।

पाक सेना प्रमुख जनरल मुनीर का प्रमोशन, फील्ड मार्शल बनाए गए

आसिफ मुनीर से पहले 1959 में पाकिस्तान में ''फील्ड मार्शल'' बना था, जनरल अयूब ने खुद को फील्ड मार्शल घोषित किया था

इस्लामाबाद, 20 मई। पाकिस्तान सरकार ने सेना अध्यक्ष जनरल सैयद आसिम मुनीर की पदोन्नित कर उन्हें फील्ड मार्शल बना दिया है।

प्रधानमंत्री शहबाज़ शरीफ की अध्यक्षता में मंगलवार को हुई संघीय मंत्रिमंडल की बैठक में इससे संबंधित प्रस्ताव को मंजूरी दी गयी। यह निर्णय भारत के साथ हुये सैन्य टकराव के बाद लिया गया है। मंत्रिमंडल के अनुसार जनरल मुनीर की पदोन्नित उनके उत्कृष्ट सैन्य नेतृत्व, बहादुरी और पाकिस्तान की संप्रभुता एवं प्रादेशिक अखंडता के प्रति प्रतिबद्धता के मद्देनजर की गयी है।

मंत्रिमंडल ने वायुसेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल जहीर अहमद बाबर सिधू की सेवाओं और नेतृत्व क्षमता को मान्यता देते हुये उनका कार्यकाल बढ़ाने का भी महत्वपूर्ण फैसला लिया है।

मंत्रिमंडल ने बैठक में पांच सूत्री कार्यसूची पर भी विचार-विमर्श किया। इसमें देश की संपूर्ण राजनीतिक, आर्थिक और सुरक्षा स्थिति शामिल है। बैठक में

- **पाक सेना में फील्ड मार्शल सर्वोच्च रैंक का पद है, जो तीनों सेनाओं में सबसे ऊँचा माना जाता है।**
- **जनरल मुनीर को फील्ड मार्शल बनाना पाकिस्तान के इतिहास में विरला फैसला है। प्रधानमंत्री शहबाज़ शरीफ ने राष्ट्रपति आसिफ अली ज़रदारी से विचार विमर्श कर यह घोषणा की।**

अगले वित्तीय वर्ष के बजट प्रस्तावों पर भी विचार किया गया।

जनरल मुनीर को फील्ड मार्शल के रैंक में पदोन्नति देना पाकिस्तान के इतिहास में एक विरला फैसला है। समझा जाता है कि प्रधानमंत्री ने राष्ट्रपति आसिफ अली ज़रदारी से भेंट कर उन्हें सेना प्रमुख को पदोन्नित देने के संबध में लिए जाने वाले फैसले पर विश्वास में लिया था।

मंत्रिमंडल ने एलान किया है कि भारत के विरुद्ध हाल के सैन्य अभियान के दौरान अपनी सेवायें देने वालों को उच्च स्तरीय राष्ट्रीय सम्मान से नवाज़ा जायेगा। इसके साथ ही अधिकारियों, सैनिकों, शहीदों, सेवानिवृत्त योद्धाओं और राष्ट्रीय हितों के लिये योगदान देने वाले विभिन्न क्षेत्रों के लोगों को भी उनकी सेवाओं के लिये सम्मानित किया जायेगा।

पाकिस्तान में आसिम मुनीर से पहले 1959 में सैन्य तानाशाह अयूब खान ने खुद को फील्ड मार्शल घोषित कर दिया था।

फील्ड मार्शल पाकिस्तान सेना में सर्वोच्च सैन्य रैंक है, जो एक फाइव स्टार रैंक मानी जाती है। यह रैंक जनरल (फोर स्टार) से ऊपर है। पाकिस्तान में फील्ड मार्शल का पद सेना, नौसेना और वायुसेना में सबसे ऊंचा होता है।

नीतीश कुमार के दो पुराने व विश्वसनीय...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

बहुत फायदा मिलेगा।'' जुलाई, 2021 में जब नरेन्द्र मोदी सरकार ने जे डी यू को केवल एक कैबिनेट मंत्री का पद देने की पेशकश की थी, तथा आर सी पी ने उसके लिए स्वयं को मनोनीत कर दिया था, तभी से नीतीश के साथ उनके संबंधों में दरार पैदा हो गई थी और उसके बाद आर सी पी काफी भटके। आर सी पी के इस कदम से नीतीश और जेडीयू के ताकतवर नेता लल्लन सिंह उनसे नाराज हो गये थे। कुछ समय तक चुप बैठने के बाद, आर सी पी मई, 2023 में बाकायदा भाजपा में शामिल हो गये थे। लेकिन गत वर्ष जनवरी में कुमार के एन डी ए में शामिल हो जाने के बाद, आर सी पी की प्रासंगिकता समाप्त हो गई। वर्ष 2024 के लोकसभा चुनावों में, जब भाजपा ने उन्हें कोई महत्वपूर्ण भूमिका नहीं दी, तो आर सी पी ने अपनी स्वयं की पार्टी बना ली, लेकिन उस पार्टी का कोई उम्मीदवार जीत नहीं पाया। इस समय, किशोर के साथ जुड़कर वे अपने राजनैतिक भविष्य के पुनः उदय होने की आशा संजोये हुए हैं।

सुप्रीम कोर्ट ने वक्फ कानून को चुनौती देने वाली याचिकाओं की सुनवाई की

नयी दिल्ली, 20 मई। उच्चतम न्यायालय की संविधान पीठ ने वक्फ (संशोधन) अधिनियम, 2025 की संवैधानिक वैधता को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर मंगलवार को सुनवाई की।

मुख्य न्यायाधीश बी आर गवई और न्यायमूर्ति ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह की अध्यक्षता वाली पीठ के समक्ष वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल और अभिषेक मनु सिंघवी की अगुवाई में याचिकाकर्ताओं ने नए प्रावधानों के कार्यान्वयन पर अंतरिम रोक लगाने का की गुहार लगाई। दोनों अधिवक्ताओं ने दलील देते हुए कहा कि वर्तमान स्वरूप में यह कानून मौलिक धार्मिक अधिकारों का उल्लंघन करता है।

सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने अदालत के समक्ष केन्द्र सरकार का पक्ष रखा। वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल

- **मुस्लिम पक्ष की तरफ से कपिल सिब्बल व अभिषेक मनु सिंघवी ने जिरह की वहीं सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने केन्द्र सरकार का पक्ष रखा।**

ने अपनी शुरुआती दलीलों में 2025 के संशोधनों को केन्द्र द्वारा वक्फ संपत्तियों का धीरे-धीरे अधिग्रहण करने की कोशिश करार दिया और कहा कि यह मुसलमानों के धार्मिक मामलों के प्रबंधन के अधिकार को कमजोर करता है। उन्होंने कहा कि नए प्रावधान दशकों से विकसित वक्फ ढांचे में एक व्यापक बदलाव हैं।

सिब्बल ने वक्फ संपत्तियों का निर्धारण करने के लिए जांच तंत्र में उचित प्रक्रिया की कमी को भी रेखांकित किया। उन्होंने तर्क दिया, नामित अधिकारी एक सरकारी अधिकारी होता है जो अपने मामले में न्यायाधीश के रूप में कार्य करता है। उन्होंने जोर देकर कहा कि वक्फ न्यायाधिकरण में तभी जाने की अनुमति है, जब किसी संपत्ति को वक्फ का दर्जा देने से मना कर दिया जाता है।

कांग्रेस ने ''ऑपरेशन सिन्दूर'' पर...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

कूटनीति की विफलता बताया और आतंकवाद विरोधी अभियानों के बीच अचानक युद्धविराम को लेकर चिंता जताई।

कांग्रेस अध्यक्ष ने पीएम मोदी पर सार्वजनिक जवाबदेही से बचने का आरोप लगाया और पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप के उस दावे का हवाला दिया कि उन्होंने भारत और पाकिस्तान के बीच युद्धविराम कराया।

खड़गे ने कहा, जब हमारी सेना आतंकवाद के खिलाफ अभियान में लगी थी, उसी समय अचानक युद्धविराम की घोषणा कर दी गई। पूरा देश अपनी सेना के साथ खड़ा था, लेकिन प्रधानमंत्री, ट्रंप के बयानों पर चुप रहे और देश को सच बताने के बजाय विदेशों में तस्वीरें खिंचवाते रहे, उन्होंने जोड़ा।

ये सवाल उस समय और तेज हुए, जब विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने सवाल उठाया कि भारत की सीमा पर बसे नागरिकों को सूचित करने से पहले पाकिस्तान को चेतावनी क्यों दी गई।

विवाद तब और बढ़ गया, जब राहुल गांधी ने विदेश मंत्री एस. जयशंकर का एक वीडियो साझा किया, जिसमें वे पत्रकारों से कहते दिखे: ऑपरेशन की शुरुआत में, हमने पाकिस्तान को संदेश दिया कि हम उनके सैन्य ठिकानों पर नहीं, बल्कि आतंकी इन्फ्रास्ट्रक्चर पर प्रहार कर रहे हैं, ताकि सेना खुद को अलग रख सके।

राहुल गांधी ने लिखा, ''हमले की शुरुआत में पाकिस्तान को जानकारी देना अपराध है। विदेश मंत्री ने सार्वजनिक रूप से स्वीकार किया है कि सरकार ने ऐसा किया। इसका आदेश किसने दिया? हमारी वायुसेना को कितने विमान गंवाने पड़े?''

सोमवार को राहुल गांधी ने इस बयान को दोहराते हुए कहा, विदेश मंत्री जयशंकर की चुप्पी केवल संदेहास्पद नहीं है, वह निंदनीय है। मैं फिर पूछता हूँ: क्या पाकिस्तान को पहले से चेतावनी देने के कारण हमने अपने विमान खोये?

विदेश मंत्रालय ने सफाई दी कि जयशंकर की टिप्पणी को तोड़-मरोड़ कर प्रस्तुत किया गया है, लेकिन यह स्पष्ट नहीं किया गया कि उन्होंने यह बयान दिया या नहीं।

मंत्रालय ने कहा, ''विदेश मंत्री ने कहा था कि हमने ''ऑपरेशन की शुरुआत में'' पाकिस्तान को चेतावनी दी, न कि उससे पहले। इसे झूठे ढंग से ऑपरेशन से पूर्व की चेतावनी के रूप में पेश किया जा रहा है।'' एक पूर्व भारतीय राजनयिक ने नाम न छापने की शर्त पर कहा, ''एक विदेश मंत्री को ऐसी चेतावनी देने की ज़रूरत ही क्यों पड़ी? क्या उन्हें लगता है कि पाकिस्तान इतना नासमझ है कि वह उस चेतावनी के निहितार्थ नहीं समझेगा?''

'पाकिस्तान समर्थित आतंकवाद को समाप्त करने के लिए पूरा देश एकजुट है'

सचिन पायलट ने सचित्र प्रदर्शनी ''स्वतंत्र भारत की झलक'' का उद्घाटन किया

कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव, पूर्व उप मुख्यमंत्री सचिन पायलट ने राजस्थान इंटरनेशनल सेंटर में पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी की पुण्यतिथि की पूर्व संध्या पर सचित्र प्रदर्शनी, ''स्वतंत्र भारत की झलक'' का उद्घाटन किया।

- **कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव पायलट ने कहा कि भारत-पाकिस्तान के बीच सीज़ फायर की घोषणा अमेरिका के राष्ट्रपति द्वारा करना अप्रत्याशित है। जिस देश ने सीज़ फायर के कुछ घंटों बाद ही उनका उल्लंघन कर दिया उसकी क्या विश्वसनीयता है।**
- **पूर्व उपमुख्यमंत्री ने कहा कि स्थापित मापदंडों के बावजूद भाजपा सरकार विधायक कंवरलाल को बचाने का काम कर रही है, यह बहुत दुर्भाग्यपूर्ण है।**

जयपुर, 20 मई। कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव, पूर्व उप मुख्यमंत्री एवं टोंक विधायक सचिन पायलट ने मंगलवार को राजस्थान इंटरनेशनल सेंटर जयपुर में आयोजित, भारत के पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी जी की पुण्यतिथि की पूर्व संध्या पर लोक स्वराज मंच द्वारा आयोजित सचित्र प्रदर्शनी, ''स्वतंत्र भारत की झलक'' का उद्घाटन किया।

इस अवसर पर सचिन पायलट ने मीडिया से बात की और भारत-पाकिस्तान के मध्य अप्रत्याशित तरीके से हुए सीज़फायर पर सवालिया निशान लगाते हुए केन्द्र सरकार से मांग की है कि वह देश को बताये कि किन मापदण्डों एवं आश्वासनों पर पाकिस्तान के साथ समझौता किया गया है।

उन्होंने कहा कि भारत-पाकिस्तान के मध्य जिस प्रकार से सीज़फायर किया गया और उसकी घोषणा किसी तीसरे देश के राष्ट्रपति द्वारा की गई, यह बहुत ही अप्रत्याशित है। उन्होंने कहा कि जिस देश ने सीज़फायर के कुछ घण्टों बाद ही उसका उल्लंघन कर दिया हो वह भविष्य में इसकी पुनरावृति नहीं करेगा, इसकी क्या विश्वसनीयता है।

उन्होंने चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि आई.एम.एफ. द्वारा पाकिस्तान को बहुत बड़ा ऋण दिया गया है, अमेरिका द्वारा पाकिस्तान के साथ व्यापार विस्तार की बात की जा रही है, ऐसे में इसकी क्या गारंटी है कि पाकिस्तान अपने संसाधनों का दुरूपयोग भारत के खिलाफ आतंकवाद को पनपाने के लिए नहीं करेगा।

उन्होंने कहा कि पाकिस्तान समर्थित आतंकवाद को समाप्त करने के लिए सारे दल, पक्ष-विपक्ष, पूरा देश एकजुट है। जो ताकतें आतंकवाद को पनपाने का काम करती हैं, उनका सफाया होना चाहिए। ऑपरेशन सिंदूर के दौरान हमारी सेना ने जो शानदार प्रदर्शन किया है, उसके लिए भारतीय सेना की जितनी प्रशंसा की जाये उतनी कम है।

प्रधानमंत्री के प्रदेश के दौरे के सम्बन्ध में पायलट ने कहा कि प्रधानमंत्री जी का प्रदेश में स्वागत है। प्रधानमंत्री पहले भी कई बार प्रदेश के दौरे पर आ चुके हैं, बड़ी-बड़ी घोषणाएं करके गये हैं, जो कि धरातल पर नहीं उतरी हैं। उन्होंने मांग की कि ई.आर.सी.पी. को राष्ट्रीय परियोजना बनाने का वादा, जो अभी तक पूरा नहीं हुआ है, कम से कम इसे पूरा करके जायें।

भाजपा विधायक कंवरलाल की विधानसभा सदस्यता मामले पर पायलट ने कहा कि यह बहुत ही दुर्भाग्यपूर्ण है कि माननीय न्यायालय के निर्णय के बाद स्थापित मापदण्डों के बावजूद भाजपा सरकार अपने विधायक को बचाने का काम कर रही है।

अधीक्षण अभियंता का ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

अवहेलना की है। ऐसे में उनके सर्किल कार्यालय को तत्काल कुर्क और सील किया जाए और उन्हें चेंबर में प्रवेश भी नहीं करने किया जाए। अदालत ने डिस्ट्रिक्ट जज, सीकर को कहा है कि वे अधीक्षण अभियंता के कार्यालय को कुर्क व सील करना सुनिश्चित करें और उन्हें कक्ष से बाहर बैठकर काम करने के लिए व्यवस्था कराई जाए। जस्टिस सुदेश बंसल की एकलपीठ ने ये आदेश मुकेश कुमार शर्मा व अन्य की ओर से दायर याचिकाओं पर सुनवाई करते हुए दिए।

अदालत ने एसीएस, पीएचईडी को कहा है कि वे याचिकाकर्ताओं को न्यूनतम वेतन देने के संबंध में 21 अगस्त, 2020 और 16 अक्टूबर, 2020 को दिए आदेश की पालना सुनिश्चित करें। इसके साथ ही, अधीक्षण अभियंता को नोटिस जारी कर स्पष्टीकरण लिया जाए कि क्यों न उनके खिलाफ विभागीय कार्रवाई की जाए। अदालत ने अधीक्षण अभियंता को अदालती आदेश की अवहेलना करने पर अवमानना नोटिस भी जारी कर पूछा है कि क्यों न उन्हें इस प्रकरण में दंडित किया जाए। अदालत ने कहा कि गत 21 अप्रैल को अदालत ने अधीक्षण अभियंता को कहा था कि आदेश की पालना करें अन्यथा शपथ पत्र पेश कर पालना नहीं करने का कारण बताएं। इसके बावजूद, न तो उनकी ओर से शपथ पत्र पेश किया गया और न ही वे स्वयं अदालत में पेश हुए। याचिका में अधिवक्ता विनायक जोशी ने अदालत को बताया कि याचिकाकर्ता पीएचईडी की जनता जल योजना में पंप चालक के तौर पर कार्यरत थे। न्यूनतम वेतन अथॉरिटी ने 21 अगस्त और 16 अक्टूबर, 2020 को पीएचईडी को आदेश दिए थे कि वे साल 1995 से साल 2012 तक याचिकाकर्ताओं के न्यूनतम वेतन की गणना कर भुगतान करें। इसके बावजूद, विभाग ने आदेशों की पालना नहीं की। सुनवाई के दौरान, अतिरिक्त महाधिवक्ता माही यादव ने अदालत को बताया कि सीकर अधीक्षण अभियंता के रूप में रमेश कुमार राठी कार्यरत हैं। इस पर अदालत ने उन्हें अवमानना नोटिस जारी करते हुए उनका चेंबर कुर्क और सील कर उन्हें बाहर से दैनिक काम करने को कहा है।

हाईकोर्ट ने ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

एसएलपी खारिज होने की जानकारी नहीं दी है। वहीं, राज्य सरकार के अफसर इतना तो समझते हैं कि कौन सा भवन अवैध है और कौनसा नहीं। इसलिए अदालती आदेश की पालना जल्दी कराई जाए।

याचिका पर सुनवाई करते हुए खंडपीठ ने राज्य सरकार को सात जुलाई तक का समय दिया है। हाईकोर्ट ने गत 25 फरवरी को राज्य सरकार को निर्देश दिया था कि वह पूरी तरह से अवैध तौर पर चिन्हित 19 भवनों को तत्काल सील करे। इसके साथ ही कहा गया था कि रिहायशी क्षेत्र में अवैध निर्माण होना व व्यावसायिक गतिविधियों को संचालित करना कानूनी प्रावधानों की अवहेलना है। हाईकोर्ट के प्रसंज्ञान लेने के बाद, नगर निगम ने परकोटे के भवनों की तीन तरह की सूची बनाई थी। पहली सूची में पूरी तरह से अवैध 19 भवनों को शामिल किया था।

श्रीगंगानगर में 12 करोड़ की हेरोइन के साथ 5 तस्कर गिरफ्तार

तस्करों के पास तुर्की की जिगाना पिस्टल व प्रतिबंधित ऑस्ट्रेलिया मेड 6 ग्लॉक पिस्टल, मैगज़ीन व जिंदा कारतूस बरामद हुए

श्रीगंगानगर, (कासं)। भारत और पाकिस्तान के बीच ऑपरेशन सिंदूर के बाद कोल्ड वार जारी है। राजस्थान के सीमावर्ती जिलों में पुलिस हाई अलर्ट पर है और सुरक्षा एजेंसियों ने भी निगरानी बढ़ा दी है।

इस बीच, श्रीगंगानगर में पुलिस ने अंतरराष्ट्रीय ड्रग्स और हथियार तस्करी के बड़े गिरोह का भंडाफोड़ किया है। कोतवाली और जवाहरनगर थाना पुलिस ने 2 अलग-अलग कार्यवाहियों को अंजाम देते हुए 5 नशा तस्करों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों से 2 किलो 183 ग्राम हेरोइन बरामद की गई, जिसकी अंतरराष्ट्रीय बाजार में करीब 12 करोड़ रूपए की कीमत है, जबकि एक तुर्किया मेड जिगाना पिस्टल और भारत में आमजन के लिए प्रतिबंधित ऑस्ट्रिया मेड 6 ग्लॉक पिस्टल के साथ ही, 13 मैगजीन और 32 जिंदा कारतूस भी बरामद किए गए।

पुलिस को आरोपियों के तार लॉरेंस गैंग से जुड़े होने की आशंका है। साथ ही, जिले में विदेशी हथियार किसे सप्लाई किए जा रहे थे, इसकी भी जांच शुरू कर दी गई। डीआईजी गौरव यादव ने बताया कि आरोपी पंजाब के अमृतसर और मलोट से हेरोइन और विदेशी हथियार लाकर श्रीगंगानगर में सप्लाई करने की तैयारी में थे। पुलिस ने समय रहते गिरोह को पकड़ लिया। इससे बड़ी आपराधिक वारदात टल गई।

- **डी.आई.जी. गौरव यादव ने बताया कि आरोपी पंजाब के अमृतसर और मलोट से हेरोईन व विदेशी हथियार लाकर श्रीगंगानगर में सप्लाई करने की तैयारी में थे।**

हालांकि प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, आरोपी श्रीगंगानगर में बड़ी वारदात को करने की तैयारी में थे। इसलिए पाकिस्तान से पंजाब पहुंची हेरोइन को श्रीगंगानगर लाया जा रहा था। वहीं, देश में प्रतिबंधित विदेशी हथियारों की भी मोटी रकम लेकर सप्लाई करने की प्लानिंग थी।

पुलिस के अनुसार, जिले में अभी तक पाकिस्तान से सटे बॉर्डर एरिया में ही हेरोइन मिलने के मामले सामने आए हैं। लेकिन ऑपरेशन सिंदूर के बाद बॉर्डर एरिया में सख्ती बढ़ा दी गई है। ऐसे में तस्करों ने दूसरा रूट चुना। संभवतः यह पहली बार है कि जब पंजाब से श्रीगंगानगर तक सड़क मार्ग से इतनी तादाद में हेरोइन की खेप पहुंचाने की तैयारी थी। आरोपियों के पास से एक स्विफ्ट कार और एक मोटरसाइकिल भी जब्त की है। इनका इस्तेमाल तस्करी समेत अन्य अपराधों में किया जा रहा था। पूछताछ में कई अहम जानकारी सामने आई हैं।

पुलिस के अनुसार, गिरोह के पंजाब और अन्य सीमावर्ती राज्यों के साथ अंतरराष्ट्रीय स्तर पर तार जुड़े होने की संभावना है। इस ऑपरेशन में जिला स्पेशल टीम के कांस्टेबल अश्विनी की भूमिका अहम रही। उनकी सतर्कता से यह गिरोह पकड़ा गया। डीआईजी गौरव यादव ने कहा कि श्रीगंगानगर जैसे संवेदनशील इलाके में पुलिस चौकसी बढ़ा दी गई है। ड्रग्स और हथियार तस्करी में शामिल हर व्यक्ति पर सख्त कार्यवाही की जायेगी।

डीआईजी गौरव यादव ने बताया कि पुलिस ने जवाहरनगर और कोतवाली थाना इलाके में कार्यवाही करते हुए, इन सभी आरोपियों को गिरफ्तार किया है। कोतवाली थाना पुलिस ने 5 विदेशी पिस्टल, 330 ग्राम हेरोइन और 29 जिंदा कारतूस के साथ एक स्विफ्ट गाड़ी को जब्त किया है। आरोपियों में देवेंद्र भांभू (29) पुत्र चुन्नीलाल भांभू निवासी वाटरवर्क्स कॉलोनी, श्रीगंगानगर, सुभाष (21) उर्फ अंकित पुत्र ओमप्रकाश निवासी 6 पुलिस थाना सदर, श्रीगंगानगर और सतनाम (25) उर्फ गुरविंदर पुत्र गुरमीत निवासी 6 श्रीगंगानगर है। फिलहाल तीनों से पूछताछ जारी है।

जवाहर नगर थाना पुलिस ने 2 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इनमें साहिल उर्फ चीकू (21) पुत्र विजयसिंह निवासी उम्मेवाला पीएस गोलूवाला, और सत्यनारायण (19) पुत्र अमीलाल, निवासी फरसेवाला गंगानगर हैं। दोनों आरोपियों के कब्जे से 2 ग्लॉक पिस्टल और 3 कारतूस के साथ 1 किलो 850 ग्राम हेरोइन बरामद की है। वहीं, पुलिस ने तस्करी में प्रयुक्त बाइक भी जब्त की है।

सुप्रीम कोर्ट ने मध्यप्रदेश ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

लगा स्वतः संज्ञान की जरुरत है। आपको कुछ करना होगा। मध्य प्रदेश हाई कोर्ट ने 14 मई को स्वतः संज्ञान लेकर पुलिस को शाह के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने का निर्देश दिया। अगले दिन 15 मई को हाई कोर्ट ने इसे ''बड़ा धोखा'' करार दिया और कहा कि वह खुद कार्यवाही की मॉनिटरिंग करेगा। उसके बाद शुक्रवार को सुप्रीम कोर्ट ने शाह की माफी ठुकरा दी और एसआईटी का गठन किया, जिसके गठन की 28 मई तक रिपोर्ट मांगी है।

विवाद तब सामने आया, जब मंत्री शाह द्वारा एक सार्वजनिक सभा में कर्नल सोफिया कुरैशी को लेकर की गई टिप्पणियाँ वायरल हो गईं। कुरैशी ने हाल ही में ''ऑपरेशन सिंदूर'' के बाद मीडिया को ब्रीफ किया था और इसमें उनके गरिमापूर्ण नेतृत्व की भारी प्रशंसा हुई थी। हालांकि शाह ने बाद में सफाई दी कि उनकी बातों को गलत समझा गया और उनका उद्देश्य कर्नल कुरैशी की प्रशंसा करना था, सुप्रीम कोर्ट ने उनकी माफी को ''गंभीरता से रहित'' बताया और सिरे से खारिज कर दिया।

धाराएं:

मध्यप्रदेश हाईकोर्ट के निर्देश पर, शाह के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धाराओं 152, 196(1)(बी), और 197(1)(सी) के तहत एफआईआर दर्ज की गई है।

अटारी बॉर्डर ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

एक तरफ भारतीयों की ओर से पूरा जोश दिखाया जा रहा था। वहीं इस बीच दूसरी तरफ पाकिस्तानी सेना की गैलरी पूरी तरह से खाली थी। पाकिस्तानी रेंजर्स ने भी औपचारिकता के तौर पर अपनी तरफ से झंडा फहराने की रस्म अदा की।

सिरसी रोड...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

अपीलेट ट्रिब्यूनल में 25 अपीलें हुई थीं, जिनमें से 5 अपीलों पर पक्षकारों को जेडीए की कार्रवाई पर स्टे मिला है। इस पर अदालत ने जेडीए से स्टेट्स रिपोर्ट सहित यह बताने के लिए कहा है कि वह इन अतिक्रमणों को कब और कैसे हटाएंगे। अवमानना याचिका में कहा गया कि खंडपीठ ने जेडीए को निर्देश दिया था कि वह 200 फीट सिरसी रोड बाईपास से शुरू होकर खातीपुरा तिराहे तक और खातीपुरा तिराहे से झारखंड मंदिर मोड़ तक की रोड के दोनों ओर से सभी तरह के अतिक्रमण दो माह में हटाए। इसके बावजूद, जेडीए की ओर से पूरे अतिक्रमण नहीं हटाए गए।

राष्ट्रदूत (एच.यू.एफ.) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, सुधर्मा, एम.आई.रोड़, जयपुर एवं सुधर्मा-II, लालकोठी शॉपिंग सेंटर, टोंक रोड़, जयपुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक:- राजेश शर्मा। आर.एन.आई. नं. 3641/57, ई-मेल-rastrdut@gmail.com कोटा कार्यालय:-पलायथा हाउस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन:2386031, 2386032, फैक्स:0744-2386033 बीकानेर कार्यालय:-कुंम्भाना हाउस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन:2200660, फैक्स: 0151-2527371 उदयपुर कार्यालय:-आयड, मेन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, 2418945, फैक्स: 0294-2410146 अजमेर कार्यालय:-घूघरा घाटी, जयपुर रोड,अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन: 226422, 226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय: एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन: 256906, 256907, फैक्स:01562-256908